फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 18 प्रभात जयपुर, मंगलवार 19 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Surgery? Do It Yourself! Normally, surgery is done by surgeon on a patient. There are a few occasions when the surgeon operates upon oneself

The Diamonds Of Vijayanagara

The Story of Khutulun | The Badass Granddaughter of Genghis Khan

अशोक गहलोत की सोनिया गांधी से मिलने की हर कोशिश नाकाम हो रही है दिल्ली में

अतः अब गहलोत ने राजीव गांधी स्टडी सर्किल का रास्ता चुना है, सोनिया गांधी का दरवाजा खटखटाने के लिए

- 20 अगस्त को दिवंगत राजीव गांधी का जन्म दिन है, अतः गहलोत, राजीव गांधी स्टडी सर्किल के कुछ सदस्यों को साथ लेकर दिल्ली पहुंच रहे हैं, तथा राजीव गांधी फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने का प्रयास करेंगे, क्योंकि राजीव गांधी के जन्म दिवस के उपलक्ष में कई प्रोग्राम आयोजित किये जाते हैं।
- राजीव गांधी स्टडी सर्किल यह जताने का प्रयास करेगा कि वह राजीव गांधी के आदर्शों के प्रति पूरी तरह वफादार है। पर, सच यह है, कि गहलोत का राजीव गांधी स्टडी सर्किल उन दिनों में ही ''एक्टिव'' होता है, जब गहलोत सत्ता में नहीं होते, तथा निष्क्रिय हो जाता है, गहलोत के सत्ता में आते ही।
- राजस्थान में राजीव गांधी स्टडी सर्किल के वरिष्ठ सदस्य हैं, सुभाष गर्ग जो गहलोत सरकार में मंत्री थे, तथा अब एनडीए में हैं तथा पेपर लीक प्रकरण में भी काफी चर्चित रहे हैं।
- गहलोत के अभी भी कई मित्र हैं, ए.आई.सी.सी. में, पर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत के बाद, अब गहलोत के मित्रों की सूची में सोनिया गांधी, राहुल गांधी का नाम शामिल नहीं है।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 अगस्त। अशोक गहलोत सोनिया गांधी से मिलने के लिए बेताब हैं। जैसे-जैसे दिन, महीने और साल बीत रहे हैं, उनकी यह बेचैनी बढ़ती जा रही है, क्योंकि अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद वह उस बग़ावत के बाद से सोनिया गांधी से मुलाक़ात नहीं कर पाए हैं, जिसने 10 जनपथ के दरवाज़े उनके लिए बंद कर दिए थे।

लेकिन गहलोत हार मानने वालों में से नहीं हैं। अब उन्होंने सोनिया गांधी से मिलने के लिए एक नया तरीका खोजा है।

20 अगस्त पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती है। इस अवसर पर उन्हें याद करने और सम्मान देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत ने एक राजीव गांधी स्टडी सर्कल बना रखा है। जब गहलोत सत्ता से बाहर होते हैं तब यह संगठन सक्रिय होता है और उनके सत्ता में आने पर लगभग भुला दिया जाता है।

गहलोत को अब यह आईडिया आया है कि स्टडी सर्कल के ज़रिये वह राजीव गांधी फ़ाउंडेशन तक पहुँच सकते हैं, जिसकी अध्यक्ष सोनिया गांधी हैं। उन्हें उम्मीद है कि इसी बहाने वह सोनिया गांधी से मुलाक़ात कर पाएंगे।

गहलोत कल स्टडी सर्कल के सदस्यों के साथ दिल्ली पहुँच रहे हैं। यह टीम दिल्ली में राजीव गांधी और उनकी विरासत के प्रति अपनी निष्ठा दिखाने का प्रयास करेगी।

दिलचस्प बात यह है कि स्टडी सर्कल के एक अहम सदस्य सुभाष गर्ग, जो गहलोत सरकार में मंत्री रहे और पहले लोकदल में थे, राजस्थान के चर्चित पेपर लीक मामले में फँसे पाए गए हैं। गर्ग अब एनडीए में हैं, लेकिन फिर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जर्जर स्कूलों की स्थिति पर इमारतों के मामले में हाईकोर्ट ने न्याय मित्र नियुक्त किये

जयपुर, 18 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की स्कूलों की इमारतों की बदहाल स्थिति से जुड़े मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए 22 अगस्त तक का समय दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में अदालत का सहयोग करने के लिए महेन्द्र शांडिल्य, एसएस होरा और तन्मय ढंड को न्यायमित्र नियुक्त किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत को सहयोग देने के लिये महेन्द्र शांडिल्य, एसएस होरा तथा तन्मय ढंड को न्यायमित्र नियुक्त किया गया है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि मामले में जल्दी ही जवाब पेश कर दिया जाएगा। वहीं अन्य पक्षकारों ने भी जवाब के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले में सुनवाई 22 अगस्त को तय की है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने गत 28 जुलाई को प्रदेश की सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों सहित उनमें संसाधनों की कमी को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही अदालत ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया गठबन्धन मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए प्रस्ताव लायेगा संसद में

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की भी वही प्रक्रिया अपनानी पड़ती है, जो सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाने के लिए अख्तियार करनी होती है

- इण्डिया गठबन्धन का मानना है कि वह अपने प्रस्ताव पर पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त कर लेगा, चाहे प्रस्ताव को संसद में पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त न कर पाये।
- इण्डिया गठबंधन का मानना है कि संख्या बल का, ''प्री-टेस्ट'' वह दोनों सदनों में पूर्णतया कार्यवाही न चलने देने के अभियान से कर चुका है। पर हटाने का प्रस्ताव पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए, संसद में। लेकिन, केवल पचास सांसदों के हस्ताक्षर चाहिए प्रस्ताव को संसद में पेश करने के लिए।
- राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा के दूसरे दिन यात्रा शुरू करने से पहले, तेजस्वी यादव व विकासशील इन्सान पार्टी के मुकेश सहनी के साथ औरंगाबाद में स्थित देवकुण्ड, सूर्य मंदिर में पूजा अर्चना की। यात्रा, सोमवार की शाम को गया पहुंचेगी और 16 दिन बाद यात्रा का समापन पटना में होगा।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 अगस्त। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी से अपने आरोपों के समर्थन में सात दिनों के भीतर शपथपत्र दाखिल करने या पूरे देश से माफी मांगने की मांग किए जाने के बाद विपक्षी इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग प्रमुख के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, महाभियोग का मुद्दा सोमवार सुबह संसद सत्र से पहले गठबंधन के सहयोगी दलों की बैठक में चर्चा के लिए उठा।

विपक्ष ने संसद में बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए वही आधार हैं जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने के लिए होते हैं।

महाभियोग प्रस्ताव को पारित करने के लिए दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। हालांकि इंडिया गठबंधन आवश्यक हस्ताक्षर जुटा सकता है, लेकिन प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष ने एक बार फिर राज्यसभा से वॉक आउट किया

विपक्षी सांसद बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कवायद पर चर्चा की मांग कर रहे थे

- सदन के सबसे पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग की, जिसका अन्य विपक्षी सांसदों ने भी समर्थन किया।
- पर आसन ने कहा, मामला हाईकोर्ट में है इसलिए चर्चा नहीं होगी, फिर विपक्ष ने भारी नारेबाजी के बीच सदन से वॉक आउट किया। इसके बाद दिन में ढाई बजे सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। विपक्षी सांसदों ने सोमवार को राज्यसभा में बिहार की मतदाता सूची संशोधन पर चर्चा की मांग को लेकर वॉकआउट कर दिया।

दोपहर में जब डॉ. सस्मित पात्रा (बीजेडी) सदन की अध्यक्षता कर रहे थे, तब सदन ने ''इंडियन पोर्ट्स बिल'' पर चर्चा की, जो 1908 के ब्रिटिशकालीन कानून की जगह लेगा। यह चर्चा दो घंटे से अधिक चली और विपक्ष की अनुपस्थिति के कारण बिना किसी बाधा के हुई। बिल को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया और विपक्ष द्वारा दिए गए सभी संशोधन वॉकआउट की वजह से गिर गए।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे खड़े होकर बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग कर रहे थे। उनके साथ अन्य विपक्षी सांसद भी इस मुद्दे पर चर्चा की मांग में शामिल हुए।

हालांकि, पीठासीन अधिकारी ने यह कहते हुए चर्चा से इंकार कर दिया कि मामला अदालत में लंबित है। इससे विपक्षी सांसदों ने नारेबाज़ी शुरू कर दी और अंततः सदन से बाहर चले गए। इससे पहले सुबह सदन की कार्यवाही थोड़ी देर चली और फिर दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

लोकसभा का भी हाल यही रहा। प्रश्नकाल से लेकर दोपहर 2 बजे तक लगातार हंगामा होता रहा। दोपहर में जब सदन दोबारा 2 बजे बैठक के लिए जुटा तो बिहार मतदाता सूची को लेकर फिर से हंगामा शुरू हो गया। इसके चलते पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने ढाई बजे लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

रिटायर्ड कैप्टन को टक्कर मारने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर, 18 अगस्त। चित्रकूट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन को टक्कर मार कर फरार होने वाली महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस हादसे के बाद आधा किमी दूर कार रोक कर उसने कार में फंसी साईकिल निकाली थी।

पुलिस के अनुसार गांधी पथ क्षेत्र में साइकिल चला रहे सेना के रिटायर्ड कैप्टन 64 वर्षीय नरसाराम को टक्कर

- आरोपी महिला सॉफ्ट वेयर इंजीनियर है तथा वैशाली नगर निवासी है।

मारने वाली एसयूवी की चालक महिला है, जिसकी पहचान सुरभि (40) वैशाली नगर निवासी के रुप में की गई। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर सुरभि कार से लालरपुरा गांधी पथ होते हुए वैशाली नगर जा रही थी। इस दौरान बेटा भी साथ था। टक्कर लगने के बाद साइकिल कार में फंस गई। इसके बाद सुरभि ने करीब आधा किलोमीटर दूर जाकर गांधी पथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अलास्का बैठक में ट्रम्प की ''बॉडी लैंग्वेज'' हारे हुए खिलाड़ी की क्यों थी?

ऐसा लगता है कि उन्हें पुतिन की हर बात तो माननी पड़ी ही, पर, साथ में राष्ट्रपति पुतिन का ''निरर्थक सा'' पूरा भाषण भी मजबूरन सुनना पड़ा

- पुतिन को क्रीमिया, डोनबास आदि भूमि देने का वादा सा किया है ट्रम्प ने। तथा , साथ ही युक्रेन को नाटो की सदस्यता का सपना देखना छोड़ना पड़ेगा। संभवतया, पुतिन की एक ही बात नहीं मानी जायेगी, कि, युक्रेन का एक देश के रुप अस्तित्व खत्म हो जाए।
- भारत को सम्भवतया इस बात से संतोष करना पड़ेगा कि, पुतिन ने स्वयम् फोन करके प्र.मंत्री मोदी को मुलाकात का विवरण बताया, अतः भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय जगत में एक महत्वपूर्ण भूमिका पाई और ऐसा कहा जा रहा है, कि विदेश मंत्रालय इस फोन कॉल का ''ट्रांसक्रिप्शन'' प्रसारित करेगा।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। वॉशिंगटन में आज रात अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की के बीच हो रही बहुप्रतीक्षित बैठक से, यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए एक संभावित समझौते की कुछ रूपरेखाएं धुंधली ही सही, लेकिन उभरती हुई दिख रही हैं।

यह संभावनाएं मुख्य रूप से यूक्रेन द्वारा ज़मीन पर रियायतें देने और रूस द्वारा यूक्रेन के लिए अमेरिका की सुरक्षा गारंटी को स्वीकारने के इर्द-गिर्द घूमती हैं। यह यूक्रेन के लिए एक तरह का अपने रुख से पीछे हटने जैसा है, क्योंकि इसके तहत उसे भविष्य में नाटो की सदस्यता लेने की योजना को भी छोड़ना पड़ेगा।

लेकिन इस पूरी कूटनीतिक प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण बात भारत की अनिच्छुक भूमिका है।

जहाँ एक ओर भारत ने लगातार संवाद और तत्काल युद्धविराम के ज़रिए क्षेत्र में शांति लाने की मांग की है, वहीं भारत खुद इस पूरे भंवर के केंद्र में आ गया है। यह भारत ही है जो रूस से तेल खरीद जारी रखने के कारण अमेरिका की तरफ से द्वितीयक प्रतिबंध का पहला निशाना बना है।

दूसरी ओर, यह भी भारत ही है जिसे रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अलास्का में हुई वार्ता की जानकारी देने के लिए फ़ोन किया। प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय ने मोदी-पुतिन बातचीत का आधिकारिक ब्यौरा भी जारी किया।

संयोगवश, यह स्पष्ट नहीं है - यहाँ तक कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्टिंग से भी - कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी इस शिखर वार्ता के बाद जानकारी दी गई है या नहीं। रूसी राष्ट्रपति ने केवल कुछ चुनिंदा देशों, जिनमें भारत और कज़ाकिस्तान व ताजिकिस्तान जैसे पूर्व सोवियत मध्य एशियाई देश शामिल हैं, को फ़ोन किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, अलास्का शिखर वार्ता के परिणामों से स्पष्ट रूप से असंतुष्ट रहे, जिसकी झलक उनके हावभाव से भी दिखाई दी। बैठक के बाद पुतिन ने कुछ महत्वहीन बातें कहीं, जिन्हें ट्रंप को मजबूरी में सुनना पड़ा।

डॉनाल्ड ट्रंप अभी तक भी रूस के खिलाफ उस सख्त दंडात्मक कार्रवाई को शुरू नहीं कर सके हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था। उन्होंने कहा था कि अगर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू के बेटे तेज प्रताप ने बनाई नई पार्टी

पटना, 18 अगस्त। तेज प्रताप यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से अलग होकर अपनी नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम 'जनशक्ति जनता दल' रखा है। वो इस पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए चुनाव आयोग गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में तेज प्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने इसी पार्टी

- तेज प्रताप ने पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल रखा है, वो पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने चुनाव आयोग कार्यालय गए थे।

से चुनाव लड़ा था। उन्हें चुनाव चिन्ह के रूप में बांसुरी मिली है। अनुष्का यादव मामले के बाद तेज प्रताप को उनके पिता लालू यादव ने आरजेडी से निकाल दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि तेज प्रताप यादव नई पार्टी रजिस्टर करने के लिए आवेदन लेकर आए थे। इससे पहले तेज प्रताप यादव टीम तेज प्रताप यादव के नाम से प्रचार कर रही थी। अब उन्होंने अपनी नई पार्टी बना ली है।

'भारत पर ''डबल पैनल्टी'' लगाने से रूस टेबल पर आया बातचीत के लिए'

ट्रम्प ने यह अजीबोगरीब तर्क दिया, भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ व 25 प्रतिशत पैनल्टी लगाने को सही ठहराने के प्रयास में

- दूसरी ओर अमेरिका के ''विदेश सचिव'' (विदेश मंत्री) मार्को रूबियो ने ''फॉक्स न्यूज'' से बातचीत में यह स्वीकार किया कि अमेरिका एलाइज़ (मित्र राष्ट्रों) में काफी बेचैनी है, कि अमेरिका की टैरिफ नीति किसी सिद्धांत पर आधारित नहीं है, बल्कि ''जियोपॉलिटिकल'' (अन्तरराष्ट्रीय) स्थिति की मजबूरी के आधार पर बनी है।
- अमेरिका चीन के खिलाफ ''पैनल्टी'' इसलिए नहीं लगा रहा है, क्योंकि, इस पैनल्टी से अन्तरराष्ट्रीय ऑयल मार्केट में भूचाल आ जायेगा। भारत पर हाई टैरिफ व पैनल्टी लगाने से भारत अमेरिका सम्बन्धों में कुछ कटुता जरूर आई है, हालांकि, दोनों देश, भारत व चीन, रूस से ऑयल खरीदने का ''अपराध'' कर रहे हैं, अमेरिका की दृष्टि में।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। वॉशिंगटन की प्रतिबंध नीति (सैंक्शन पॉलिसी) एक बार फिर विवादों में है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने साफ़ कहा कि अगर रूसी तेल रिफाइन करने को लेकर चीन पर सेकेंडरी सैंक्शन लगाए गए, तो वैश्विक ऊर्जा बाज़ार हिल जाएगा, लेकिन, फिर भी, बीज़िंग नहीं, बल्कि भारत अमेरिकी दंड का सामना कर रहा है। इस विरोधाभास ने वॉशिंगटन की रणनीति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है, अमेरिका पर दोहरे मापदंड के आरोप लगे हैं और भारत को अपने सबसे ताक़तवर साझेदार के साथ मुश्किल रिश्तों का सामना करना पड़ रहा है।

फ़ॉक्स न्यूज़ से बातचीत में रूबियो ने चेतावनी दी कि चीनी रिफाइनरीज़ पर सैंक्शन लगाने से वैश्विक तेल बाज़ार में अफरातफरी मच सकती है। उन्होंने कहा, ''अगर आप किसी देश पर सेकेंडरी सैंक्शन लगाते हैं, जैसे रूस से चीन को तेल शिपमेंट्स के मामले में, तो चीन बस उस तेल को रिफाइन करेगा और वही तेल फिर वैश्विक बाज़ार में लौट आएगा। जो भी इसे खरीदेगा उसे ज़्यादा कीमत चुकानी होगी, और अगर तेल उपलब्ध न हुआ तो वैकल्पिक स्रोत खोजना पड़ेगा।'' उनकी इस साफगोई ने वही बात दोहराई है जो ऊर्जा विश्लेषक लंबे समय से कह रहे हैं: चीन को दंडित करने से सिर्फ़ बीजिंग ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया प्रभावित होगी।

रूबियो ने स्वीकार किया कि वॉशिंगटन के सहयोगी देश भी इसे लेकर असहज हैं। उन्होंने कहा, ''जब हमने सीनेट बिल में चीन और भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव रखा, तो कई यूरोपीय देशों ने इस पर असंतोष व नाराज़गी जताई।''

लेकिन, जहां चीन को लेकर सावधानी बरती जा रही है, वहीं भारत पर वॉशिंगटन का रवैया कहीं ज़्यादा सख़्त है। पूर्व में, फ़ॉक्स रेडियो से इंटरव्यू में, रूबियो ने भारत द्वारा रूस से सस्ते तेल की लगातार खरीद को ''यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद'' बताया। उन्होंने माना कि यह अमेरिका-भारत रिश्तों में ''खटास'' का कारण है, हालांकि यह एकमात्र वजह नहीं। उन्होंने कहा, ''भारत की ऊर्जा ज़रूरतें बहुत बड़ी हैं और वह रूस से तेल खरीदता है क्योंकि सैंक्शन लगा होने से वह सस्ता मिलता है.. दुर्भाग्य से, यही रूस को युद्ध जारी रखने में मदद कर रहा है।''

यह नाराज़गी अब दंडात्मक कदमों में बदल गई है। ट्रंप प्रशासन ने पहले ही भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और हाल ही में इसे दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया। वाइट हाउस ने नई दिल्ली को यह चेतावनी भी दी है कि अगर उसने रूसी ऊर्जा व्यापार को कम नहीं किया तो सेकेंडरी सैंक्शन भी लगाए जा सकते हैं।

यह असमान व्यवहार अनदेखा नहीं रहा। आलोचकों का कहना है कि चीन के मामले में नरमी और भारत पर सख़्ती वॉशिंगटन के दोहरे मापदंड को उजागर करती है। चीन की ऊर्जा खरीद इतनी अहम मानी जा रही है कि उस पर कार्रवाई से बचा जा रहा है, जबकि भारत, जो अमेरिका का करीबी साझेदार है पर बराबरी का प्रतियोगी नहीं, आसान निशाना बन गया है। परिणामस्वरूप, आलोचकों के अनुसार यह सैंक्शन नीति सिद्धांत से ज़्यादा भू-राजनीतिक सुविधा पर आधारित लगती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेन्ट्रल जेल में एक बंदी की मौत

जयपुर, 18 अगस्त। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में एक बंदी की मौत हो गई। सदर थाना पुलिस ने सात दिन पहले गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत भेजा था। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

- पुलिस ने पोस्ट मार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया कि कालवाड़ रोड के हाथोज निवासी यश राठौड़ उर्फ कालू (19) की मौत हुई है। आठ अगस्त को यश राठौड़ ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर हनुमानगढ़ के नोहर निवासी पंकज कुमार का अपहरण कर लूटपाट की थी। पंकज जब रात के समय जयपुर रेलवे जंक्शन से बहन के घर बाइक कैब से जा रहा था तब धाबास पुलिया के पास उसका अपहरण किया गया था।

विचार बिन्दु

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। –हरिवंश राय बच्चन

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस- जितना बताया उससे कहीं अधिक छिपाया

बिहार में चल रहे एस आई आर यानी 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 14 अगस्त 2025 को दिए गए अंतरिम आदेश के बाद जब चुनाव आयोग द्वारा यह घोषणा की गई कि वह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस 17 अगस्त को 3:00 बजे करेंगे तो पूरे देशवासी उत्सुकता से इसकी प्रतीक्षा करने लगे। उन्हें आशा थी कि देशवासियों, विशेष कर बिहार वासियों के मन में जो भ्रम और आशंकाएं उत्पन्न हो रही थीं, उनका समाधान इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से हो जाएगा । ऐसे कई प्रश्न थे जो सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों द्वारा भी सुनवाई के दौरान पूछे गए थे । राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग की एस आई आर से संबंधित निर्णय और कार्यप्रणाली के बारे में अनेक आपत्तियां की जा रही थीं। इस संबंध में 11 याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई थीं।

सबको इस प्रेस कॉन्फ्रेंस से अत्यधिक निराशा हुई । इस निराशा का कारण यह है कि किसी भी प्रश्न का मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट रूप से उत्तर नहीं दिया। कुछ पत्रकारों द्वारा बड़े स्पष्ट सीधे प्रश्न पूछे गए किंतु उनके उत्तर देने के बजाय उन्हें तकनीकी नियमों के मकड़ जाल में फंसा कर वही कहा जो वे तय करके आए थे। 83 मिनिट की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भी लगभग सभी प्रश्न वैसे के वैसे खड़े हैं। यह वैसा ही था जैसे परीक्षा में प्रश्न कुछ भी पूछे जाएं किंतु उत्तर वही दिया जाता है जो विद्यार्थी रट कर आए होते हैं।

हम यह देखने का प्रयास करेंगे कि वे कौन से प्रश्न हैं जिनका उत्तर प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से प्राप्त होना चाहिए था, किंतु ऐसा नहीं हुआ। संभव है, विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसी ही अपेक्षा थी। इसीलिए, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार में वोट अधिकार यात्रा को प्रारंभ करने का अपना कार्यक्रम नहीं बदला और उसे दिनांक 17 अगस्त से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रारंभ कर दिया।

सबसे पहला प्रश्न जो अब तक भी उसी तरह बना हुआ है वह यह कि 2003 की एस आई आर के समय चुनाव आयोग द्वारा क्या दिशा निर्देश दिए गए थे? मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस बारे में कुछ नहीं बताया कि क्या उस समय सबसे गणना प्रपत्र भरवाए गए थे और उनसे क्या दस्तावेज मांगे गए थे ? चुनाव आयोग द्वारा उस समय जो दिशा निर्देश या विज्ञप्ति जारी की गई होगी, उसकी प्रति न तो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, न ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय में यह उपलब्ध कराई गई है ।यह उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान माननीय न्यायाधीश ने भी पूछा कि 2003 में चुनाव आयोग द्वारा क्या दिशा निर्देश जारी किए गए थे? इसका कोई उत्तर न तो न्यायालय में दिया गया, न ही प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दिया गया। वास्तविकता तो यह है कि उस समय सबसे प्रपत्र भरवाए ही नहीं गए थे और न उनसे कोई दस्तावेज मांगे गए थे। अतः ज्ञानेश कुमार का यह कहना कि एस आई आर पहले कई बार हो चुका है, कोई मायने नहीं रखता।

इस प्रश्न का भी उत्तर नहीं मिला कि चुनाव आयोग द्वारा इन 11 दस्तावेजों के आधार पर किसी को भारतीय कैसे मान लिया गया, जबकि आधार और वोटर आईडी कार्ड को मतदाता होने के लिए पर्याप्त नहीं माना जा रहा है?। क्या इसके लिए गृह मंत्रालय ने कोई आदेश जारी किया है कि इन 11 दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज होने पर किसी व्यक्ति को भारतीय नागरिकता मिल जाएगी? वास्तविकता यह है कि देश में रहने वाले व्यक्ति को केवल यह घोषणा मात्र करनी होती है कि वह भारतीय नागरिक है। हां, 'आधार' अवश्य मांगा जाता है जिसे एस आई आर में वैध दस्तावेज नहीं माना गया है। जब चुनाव आयोग मतदाताओं से 11 में से एक दस्तावेज भारतीय होने के प्रमाण के रूप में मांग रहा है तो उसे यह तो स्पष्ट करना ही चाहिए कि क्या भूमि का रिकॉर्ड होने या दसवीं का सर्टिफिकेट जैसे दस्तावेज होने से कोई भी भारतीय सिद्ध हो जाएगा ? 11 दस्तावेजों को मान्यता देना और 'आधार' को मान्यता न देने का कोई औचित्य प्रेस कांफ्रेंस में भी नहीं बताया गया। चुनाव आयोग का यह कहना कि 'आधार' कई लोगों ने फर्जी बनवा रखे हैं, तो यही तर्क चाहे गए 11 डॉक्यूमेंट पर भी लागू हो सकता है।

क्या चुनाव आयोग यह गारंटी दे सकता है कि जिस व्यक्ति का नाम एस आई आर के बाद मतदाता सूची में आ जाएगा, उसे भारत का नागरिक मान लिया जाएगा? सरकार को भी स्पष्ट करना होगा कि क्या जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में नहीं होगा, उसे भारत का नागरिक नहीं मानते हुए उसे भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं से वंचित कर दिया जाएगा? राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे विरोध का एक कारण उनकी यह आशंका है कि पहले तो लोगों का नाम निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत न करने के कारण मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा और बाद में इसी आधार पर उन्हें अन्य सभी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया जाएगा।

चुनाव आयोग ने एस आई आर का उद्देश्य मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करना बताया है। यदि किसी का नाम एक से अधिक मतदाता सूची में अंकित है तब भी वह मतदान तो एक ही स्थान पर कर पाएगा, ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया, जो हास्यास्पद है।

यह प्रश्न भी अनुत्तिरत ही रहा कि 25 सितंबर, 2025 को, जब 1 अगस्त से 31 अगस्त तक प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण कर अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी तो फिर जिन मतदाताओं का नाम सूची में नहीं आया, उनके उनके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रथम एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी को द्वितीय अपील करने का समय ही कहां बचेगा? दोनों ही अपीलों के लिए क्रमशः 15 और 30 दिन का समय नियमानुसार मिलता है। यह समयावधि पूरी होने से पूर्व ही 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। संभावना यह है कि उसी समय चुनाव की अधिसूचना भी जारी हो जाए। ऐसा होते ही किसी भी न्यायालय का दखल संभव नहीं हो पाएगा। इसका अर्थ यह हुआ कि जिन मतदाताओं का नाम 30 सितंबर की मतदाता सूची में नहीं होगा, वे बिहार के विधानसभा चुनाव में मतदान करने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे।

> **संक्षेप में हम यह भी कह सकते हैं कि इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग की छवि को खराब करने का ही काम किया है। अब तक तो लोग केवल चुनाव आयोग पर पक्षपात पूर्ण कार्यवाही करने का संदेह ही कर रहे थे किंतु प्रेस कांफ्रेंस के बाद यह विश्वास हो गया है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा है और सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है।**

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने जब यह पूछा कि इतनी हड़बड़ी में एस आई आर क्यों किया जा रहा है, विशेषकर तब, जब कि बिहार में कई स्थानों पर बाढ़ है, तो खीज कर ज्ञानेश कुमार ने प्रश्न पूछ लिया कि एस आई आर चुनाव के पहले होना चाहिए या बाद में? वे प्रश्न को समझते हुए भी अनजान बने रहे। उन्होंने यह भी कहा कि 2003 में भी इंटेंसिव रिवीजन जुलाई के महीने में ही हुआ था। यह कहते समय वे यह भूल गए कि उस समय मतदाताओं से अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए किसी भी प्रकार का दस्तावेज नहीं मांगा गया गया था। इस कारण उन्हें सरकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े थे। इस बार ऐसा उन्हें करना पड़ रहा है, जो बिहार में बाढ़ की स्थिति के कारण लगभग असंभव प्रतीत होता है।

24 जून की विज्ञप्ति में चुनाव आयोग ने यह लिखा था कि अवैध रूप से भारत में रहने मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करने का भी उद्देश्य है । यदि यह उद्देश्य था तो फिर एक पत्रकार के इस प्रश्न का कोई स्पष्ट उत्तर मुख्य चुनाव आयुक्त ने क्यों नहीं दिया कि 1 अगस्त को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूचियों में जिन 65 लाख व्यक्तियों के नाम नहीं है, उनमें से बांग्लादेशी या नेपाली कितने हैं । हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त को चुनाव आयोग ने आदेश दिया है कि वह हटाए गए 65 लाख मतदाताओं की सूची, लोगों की जानकारी के लिए उपलब्ध कराएंगे। इसमें नाम हटाने का कारण भी अंकित किया जाएगा। यही मांग सभी विरोधी दल कर रहे थे लेकिन अपनी हठधर्मिता के कारण चुनाव आयोग ऐसा नहीं कर रहा था। इस प्रकार की सूचना डिजिटल होगी अर्थात कोई भी व्यक्ति अपना एपिक कार्ड नंबर डालकर यह पता कर सकेगा कि उसका नाम वोटर लिस्ट में से क्यों काटा गया? वह आधार के साथ आवेदन करके अपना नाम पुनः जुड़वा सकेगा।

एस आई आर की अधिसूचना जारी करने से पहले राजनैतिक दलों से कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त का यह उत्तर कि सभी दलों की यह मांग थी, उपयुक्त नहीं है। सबसे चर्चा के बाद ही प्रक्रिया प्रारंभ की जाती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। चुनाव आयोग ने एस आई आर को मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का नाम दिया है किंतु वास्तव में यह केवल नाम काटने की प्रक्रिया बनकर रह गया है । प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने पूछा कि 65 लाख लोगों के नाम काटे हैं तो कितने लोगों ने अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है । इसका कोई उत्तर ज्ञानेश कुमार ने नहीं दिया।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश से 65 लाख हटाए गए व्यक्तियों के लिए आधार को वैध दस्तावेज मान लिया है। चुनाव आयोग ऐसा न करने के लिए अब तक अड़ा हुआ था। देखना यह है कि जिन 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में हैं उनमें से कितने लोगों के नाम बी एल ओ द्वारा 'नॉट रिकमेंडेड' लिखने के कारण हटा दिए जाएंगे। इस बारे में जब एक पत्रकार ने पूछा कि 'रेकमेंडेड' या 'नॉट रिकमेंडेड' लिखने का क्या मापदंड हैं, तो मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया गया।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक के महादेवपुरा संसदीय क्षेत्र में हुई 'वोटो की चोरी' के संबंध में जो विस्तृत प्रजेंटेशन प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया, उसके बारे में चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस देकर शपथ पत्र प्रस्तुत करने हेतु कहा। इसी प्रकार का शपथ पत्र भाजपा नेता अनुराग ठाकुर से न मांगने का कारण पूछने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि राहुल गांधी या तो एक सप्ताह में शपथ पत्र दें या देश से माफी मांगे । उनका इस प्रकार का वक्तव्य विशुद्ध राजनीतिक था जो एक संवैधानिक संस्था के मुखिया के लिए नितांत अनुचित था।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए किसी भी प्रश्न का कोई संतोषप्रद और स्पष्ट उत्तर नहीं मिला। हम कह सकते हैं कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त केवल अपना एक तरफ भाषण ही देते रहे और वही बताया जो वह कहना चाह रहे थे और वह सब छुपाया जो वह छुपाना चाहते थे। सारांश में कहें, तो चुनाव आयोग ने जितना बताया उससे कहीं अधिक छुपाया और जो छुपाया वह कहीं अधिक महत्वपूर्ण था ।

संक्षेप में हम यह भी कह सकते हैं कि इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग की छवि को खराब करने का ही काम किया है। अब तक तो लोग केवल चुनाव आयोग पर पक्षपात पूर्ण कार्यवाही करने का संदेह ही कर रहे थे किंतु प्रेस कांफ्रेंस के बाद यह विश्वास हो गया है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा है और सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है।

अब देखना यह है कि आगामी तिथि 23 अगस्त 2025 को सर्वोच्च न्यायालय 7.24 करोड़ मतदाताओं के संबंध में क्या आदेश पारित करता है?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नॉन-वेज दूध

अशोक कुमार

नॉन-वेज दूध (Non-veg Milk) एक ऐसा शब्द है, जो उन गायों या अन्य दुधारू पशुओं के दूध के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें खाने में मांसाहारी सामग्री दी जाती है। यह मुद्दा हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों के दौरान चर्चा में आया था।

नॉन-वेज दूध क्या है?

भारत में, गायों को शाकाहारी माना जाता है और उनके दूध को शुद्ध और सात्विक आहार के रूप में देखा जाता है। लेकिन अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी देशों में, डेयरी गायों को अधिक दूध उत्पादन और वजन बढ़ाने के लिए खास तरह का चारा दिया जाता है। इस चारे को ब्लड मील या रेंडर्ड फीड कहते हैं, जिसमें जानवरों के खून, मांस और हड्डियों का चूरा मिला होता है।

चूंकि इस प्रक्रिया में गायों को मांसाहारी आहार खिलाया जाता है, इसलिए उनके दूध को भारत में नॉन-वेज दूध कहा गया है। यह दूध उन मांसाहारी जानवरों जैसे शेरनी या बिल्ली के दूध से अलग है, जिनकी दूध की संरचना पूरी तरह से मांसाहार पर आधारित होती है।

भारत में इसका विरोध क्यों हुआ?

भारत ने अमेरिका से ऐसे दूध और डेयरी उत्पादों का आयात करने से इनकार कर दिया है, जो मांसाहारी चारे पर पली गायों से प्राप्त होते हैं। इस विरोध के मुख्य कारण हैं:–

धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाएं: भारत में गाय को गौ माता माना जाता है और दूध का उपयोग पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता है। ऐसे में, मांसाहारी आहार पर पली गायों के दूध को स्वीकार करना सांस्कृतिक मान्यताओं के खिलाफ माना गया।

नैतिक कारण: कई लोग इसे जानवरों के प्रति क्रूरता और प्रकृति के नियम के विरुद्ध मानते हैं।

स्वच्छता और शुद्धता: भारत सरकार और खाद्य सुरक्षा नियामक, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI), ने दूध की शुद्धता और शाकाहारियों के हितों की रक्षा के लिए इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है।

FSSAI के नियमों के अनुसार, भारत में बेचे जाने वाले सभी खाद्य उत्पादों पर स्पष्ट रूप से 'शाकाहारी' (हरा निशान) या 'मांसाहारी' (भूरा निशान) का लेबल होना अनिवार्य है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह ऐसे दूध को 'शाकाहारी' के रूप में नहीं मानती है और इसे आयात करने की अनुमति नहीं देगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

देश का विभाजन पहले साहित्य में, फिर धरातल पर हुआ था : मनोज कुमार

अखण्ड भारत स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में साहित्य परिषद जयपुर ईकाई द्वारा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एवं सोशल साइंसेज के सभागार में परिचर्चा का आयोजन

जयपुर। वंदेमातरम गीत के विभाजन को स्वीकार कर भारत विभाजन की नींव रख दी गई थी। देश का विभाजन बाद में हुआ, उससे पहले विचारों में विभाजन हो गया था परंतु विभाजन के जितने जिम्मेदार गांधी थे उतने ही जिम्मेदार अंग्रेज। तत्कालीन राजनैतिक नेतृत्व एवं उस समय का समाज भी था। भारत विभाजन की पृष्ठभूमि में अंग्रेजों द्वारा स्थापित तीन संस्थाएं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मुस्लिम लीग एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी थी। पिछले पाँच-छह दशकों में भारत विभाजन के विषय पर पर्याप्त साहित्य एवं सभी विधाओं में सृजित हुआ है। प्रमुख रूप से इसके तीन प्रकार हैं, एक विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित, दूसरा विभाजन के दर्द एवं पीड़ा पर आधारित एवं तीसरा विस्थापितों की सुरक्षा, सेवा व अविभाजित भारत की संभावनाओं पर आज आवश्यकता है इस साहित्य को फिर से देखा जाए ,चर्चा की जाए है। उक्त बात अखिल भारतीय साहित्य परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार ने साहित्य परिषद जयपुर ईकाई द्वारा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एवं सोशल साइंसेज के सभागार में आयोजित परिचर्चा में कही।

अखण्ड भारत स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में ''भारत विभाजन की विभीषिका पर निर्मित साहित्य परिचर्चा'' एवं विष्णु शर्मा ''हरिहर'' की दो पुस्तकों ''बोल री चिड़िया रानी'' एवं ''अच्छे लगते फूल'' के विमोचन अवसर था। मनोज कुमार ने बताया कि विभाजन के साहित्य पर चर्चा रखने का उद्देश्य विभाजन की त्रासदी का स्मरण करने के साथ-साथ यह है। इस साहित्य को नई पीढ़ी के लिए फिर से उनकी भाषा में आज के संदर्भों सहित नए कलेवर में लिखा जाए। कार्यक्रम का शुभारंभ साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं साहित्य परिक्रमा के संपादक इंदु शेखर एवं कोटा के प्रसिद्ध बाल साहित्यकार विष्णु हरिहर ने माँ शारदा एवं माँ भारत के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम का संयोजन विकास तिवाड़ी द्वारा किया गया।

> **■ अखण्ड भारत स्मृति दिवस के उपलक्ष में ''भारत विभाजन की विभीषिका पर निर्मित साहित्य परिचर्चा'' एवं विष्णु शर्मा ''हरिहर'' की दो पुस्तकों ''बोल री चिड़िया रानी'' एवं ''अच्छे लगते फूल'' के विमोचन किया गया**

विभाजन विभीषिका पर आधारित 8 पुस्तकों पर परिचर्चा :-कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत विभाजन की कारण मीमांसा व विभीषिका पर 8 पुस्तकों पर एक विषय केन्द्रित साहित्यिक चर्चा की गई। डॉ. ईश्वर बैरागी ने माणिक वाजपेयी व श्रीधर पराड़कर द्वारा लिखित ''ज्योति जला निज प्राण की'' पुस्तक पर बात करते हुए बताया कि इस पुस्तक में एक बार भी शरणार्थी शब्द का उपयोग नहीं हुआ है उसके स्थान पर विस्थापित शब्द काम में लिया गया है।

केशव शर्मा ने लेखक प्रशांत पोल द्वारा लिखित एवं प्रभात प्रकाशन की ''वे पंद्रह दिन'' पुस्तक पर चर्चा की, डॉ. इंदुशेखर तत्पुरूष ने डॉ. राममनोहर लोहिया द्वारा लिखित ''भारत विभाजन के गुनहगार'' एवं प्रो. ए एन बाली द्वारा लिखित पुस्तक '' विभाजन विभीषिका ..... जो बताना जरूरी है'' पर प्रकाश डाला एवं साहित्यकार सत्यनारायण शर्मा ने हो वे शेषाद्रि द्वारा लिखित ''....और देश बंट गया'' एवं गुरूदत्त द्वारा लिखित ''देश की हत्या'' उपन्यास, विष्णु शर्मा 'हरिहर' ने कृष्णानंद सागर द्वारा लिखित ''भारत विभाजन के कुछ अज्ञात तथ्य'', एवं डॉ विपिन चंद्र ने सदानंद सप्रे की अर्चना प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तक अखंड भारत पर अपनी बात रखी। इस दौरान उपस्थित साहित्यकार एवं साहित्य अनुरागियों द्वारा विभाजन विषय पर निर्मित अनेक पुस्तकों एवं उनके लेखकों व प्रकाशकों के नाम के साथ उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

विष्णु शर्मा 'हरिहर' लिखित बाल साहित्य का विमोचन :- कार्यक्रम के दूसरे सत्र में श्री विष्णु शर्मा 'हरिहर की दो पुस्तकों ''बोल री चिड़िया रानी'' एवं ''अच्छे लगते फूल'' पुस्तक का विमोचन अभा साहित्य परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार एवं साहित्य परिक्रमा के सम्पादक डॉ. इंदुशेखर तत्पुरूष द्वारा किया गया। यह दोनों पुस्तक बाल साहित्य हैं जिसमं पहली पुस्तक बोल री चिड़िया रानी बाल कुण्डलियों का संग्रह है। वहीं दूसरी पुस्तक अच्छे लगते फूल पुस्तक रोला बाला पहेली संग्रह है। उन्होंने अपने संबोधन में अपनी इन दोनों ही पुस्तकों के विषय वस्तु के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अल्का सक्सेना, संतोष यादव, रमा सिंह, लक्ष्मण सिंह, मुरारी, जितेन्द्र, केशव, डॉ. ओमप्रकाश, संजय, डॉ. ममता, डॉ. हरवीर सिंह, पुरूषोत्तम, डॉ. विपिनचंद्र, डॉ. अमित, डॉ. शुचि, याजवेन्द्र एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थियों सहित अनेक साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

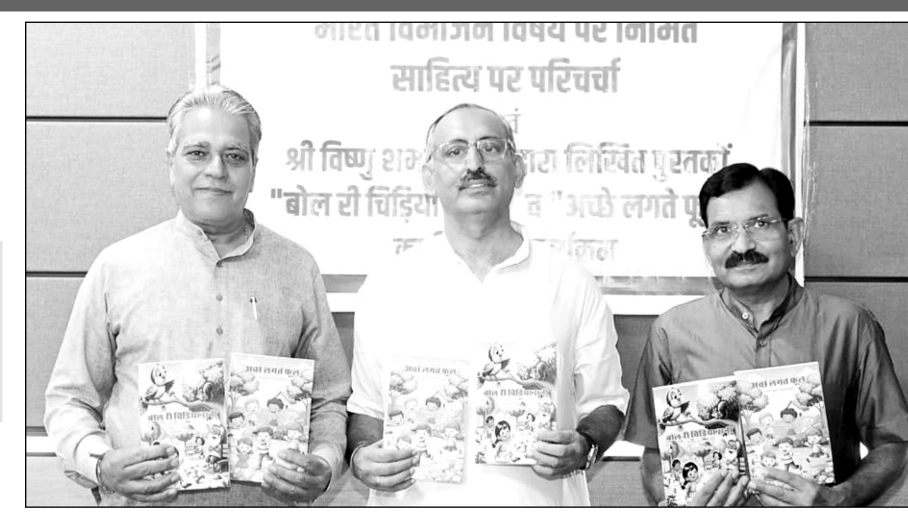

कार्यक्रम में अ. भा. साहित्य परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार, साहित्य परिक्रमा के संपादक इंदु शेखर एवं कोटा के प्रसिद्ध बाल साहित्यकार विष्णु हरिहर ने पुस्तकों का विमोचन किया।

स्टाफ की गुटबाजी से नाराज ग्रामीणों ने भूतौली विद्यालय के गेट पर ताला लगाया

हलैना/भरतपुर, (निसं)। गांव भूतौली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्टाफ की गुटबाजी से खफा होकर ग्रामीणों ने विद्यालय में समय पर आए स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं को विद्यालय से बहार निकालकर विद्यालय के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा दिया और नारेबाजी करते स्टाफ को खरी-खोटी सुनाई। तालाबंदी की भनक लगते ही शिक्षा विभाग और विद्यालय परिवार में खलबली मच गई। संस्था प्रधान रामखिलाड़ी मीणा ने तालाबन्दी की सूचना शिक्षा विभाग के आलाधिकारी और हलैना थाना को दी। सूचना प्राप्त होते ही वैर के सीबीईओ सजनी चौधरी ने एसीबीओ रामरतन गुर्जर के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित कर विद्यालय भेजी। वहीं हलैना पुलिस भी मौके पर पहुंची। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने संस्था प्रधान की उपस्थिति में तालाबंदी करने वाले ग्रामीणों से दूरभाष पर वार्ता की और विद्यालय की समस्याओं से अवगत कराया, जिसमें विद्यालय स्टाफ की गुटबाजी तथा विद्यालय स्टाफ के कुछ शिक्षक-शिक्षिकाओं के कहने पर तालाबन्दी का मामला उभर कर आया।

संस्था प्रधान रामखिलाड़ी मीणा ने बताया कि साल 2023 में हुए जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता और महिला वरिष्ठ शिक्षिका चंचल कुमारी व लिपिक जयसिंह हंसावत के मध्य एक बिल के भुगतान आदि को लेकर विद्यालय में गुटबाजी जारी थी। स्कूल के बच्चों को साल 2023 में हुए खेलकूद के प्रमाण पत्र भी नहीं मिले, जिससे बच्चे और उनके परिजन परेशान थे। मैं इस विद्यालय में 9 अप्रेल 2025 को आया और संस्था प्रधान का कार्यभार संभाला। उन्होंने बताया कि 18 अगस्त को प्रतिदिन की भांति सुबह करीब सवा सात बजे विद्यालय में मेरे अलावा अन्य स्टाफ सहित छात्र-छात्राओं ने प्रवेश किया। गांव के कुछ लोगों ने स्टाफ और छात्र-छात्राओं को विद्यालय से बहार निकालकर विद्यालय को ताला लगा दिया, जिसकी सूचना शिक्षा विभाग और पुलिस को दी। विभाग के एसीबीईओ रामरतन गुर्जर, राउमावि सरसैना के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश महावर, राउमावि रायपुर के संस्था प्रधान निर्भय सिंह गुर्जर तथा हलैना पुलिस मौके पर आए, लेकिन इनके आने से पहले मेरी और सीबीईओ, एसीबीईओ की वार्ता पर ग्रामीणों ने तालाबंदी खोल दी।

इधर जांच को आए एसीबीई रामरतन गुर्जर ने बताया कि स्टाफ की गुटबाजी से खफा होकर ग्रामीणों ने विद्यालय का ताला लगा दिया। अब विद्यालय की गुटबाजी की जांच जारी है, जो भी शिक्षक-शिक्षिका दोषी साबित होगा, उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही होगी और कारण बताओं नोटिस थमाए जाऐंगे। जांच कमेटी के समक्ष ये भी मामला आया कि महिला वरिष्ठ शिक्षिका चंचल कुमारी और लिपिक जय सिंह हंसावत के मध्य पुस्तकालय के बिल के भुगतान को लेकर तनातनी जारी थी। लिपिक ने शिक्षिका को पुलिस द्वारा पाबंद करा रखा था। इधर ग्रामीणों का कहना था कि विद्यालय में लम्बे समय से स्टाफ में गुटबाजी जारी है,जिसका असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा था। साथ ही साल 2023 में हुए जिलास्तर के खेलकूद प्रतियोगिता के प्रमाण पत्र भी आज तक जारी नहीं हुए। सीबीईओ सजनी चौधरी ने बताया कि तबियत खराब होने के कारण आज अवकाश पर थी, राउमावि भूतौली के स्टाफ की गुटबाजी और तालाबन्दी की जांच जारी है, जिसको जांच कमेटी गठित कर दी गई है। अवकाश से कार्यालय आने पर स्वयं विद्यालय पहुंच कर जांच की जाऐगी और दोषी स्टाफ को कारण बताओं नोटिस थमाए जाएंगे।

राशिफल मंगलवार 19 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 1:08 तक, वज्र योग रात्रि 8:30 तक, बालव करण दिन 3:53 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 1:08 तक, त्रिपुष्कर योग रात्रि 1:08 से सूर्योदय तक है। आज अजा एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:17 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:07 तक, शुभ 3:44 से 5:20 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:57

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बन सकते हैं।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में सफल रहेंगे। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कर्क
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

नगरीय विकास के तमाम प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करें : मुख्यमंत्री

नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य पर फोकस रखें : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत और विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

- शहरी क्षेत्र में पर्याप्त नागरिक सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार, सुनियोजित शहरी विकास को मिल रही गति : मुख्यमंत्री

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सुनियोजित विकास को गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश के सुदृढ़ बुनियादी ढांचे को गति मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय विकास से संबंधित प्रोजेक्ट्स को समय से पूरा करें। साथ ही, अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य पर फोकस करें जिससे जनता को समय से इनका लाभ मिले। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाए। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचना, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं आवास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं की जरूरत एवं वर्तमान प्रचलन को ध्यान में रखते हुए कार्य करें ताकि बोर्ड की राजस्व में वृद्धि हो सके। साथ ही, हाउसिंग बोर्ड निजी विकासकर्ता से प्रतिस्पर्धा करते हुए आमजन को गुणवत्तायुक्त आवास उचित मूल्य में उपलब्ध करवाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार करे, परियोजनाओं में नवाचार लाए और इनके विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी शामिल करे, ताकि आमजन को ज्यादा से ज्यादा इनका लाभ मिल सके। शर्मा ने कहा कि जयपुर में द्रव्यवती नदी के दोनों ओर से अतिक्रमण को प्राथमिकता के साथ हटाया जाए, इस क्षेत्र का पर्यटन की दृष्टि से उन्नयन किया जाए, ताकि आमजन के साथ ही पर्यटक भी इसका लाभ उठा सकें। उन्हांने कहा कि द्रव्यवती नदी पर पौधारोपण के कार्य में भी गति लाई जाए। बैठक में बताया गया कि जयपुर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए आमजन की सुगम आवाजाही के लिए रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए कार्यादेश जारी किया जा चुका है। साथ ही, अपेक्स सर्किल पर एलिवेटेड रोड के निर्माण की डीपीआर के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को बेहतर नागरिक सुविधाएं जैसे सीवरेज, ड्रेनेज, पार्क, लोक परिवहन हेतु कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना शुरु की जाएगी जिससे प्रदेष के सभी नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या के बढ़ते दबाव का प्रबंधन हो सके। उन्होंने अधिकारियों को इस योजना के क्रियान्वयन के संबंध में नियमित बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न लंबित बजटीय घोषणाओं के एनआईटी, टेण्डर, वर्कऑर्डर तथा डीपीआर बनाने सहित विभिन्न कार्यों को तय समय में पूरा करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्टस को चरणबद्ध पूरा करें। साथ ही, हर चरण पर अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए। शर्मा ने कहा कि जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अम्बाबाडी एवं विद्याधर नगर (टोडी मोड़ तक) मेट्रो संचालित की जाएगी। अधिकारी इसके काम में गति लाएं, ताकि निर्धारित समय में कार्य पूरा हो। उन्होंने जोधपुर के बड़ली में आवासीय योजना लाने तथा भिवाड़ी विकास प्राधिकरण के गठन के संबंध में तेज गति से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 की सभी बजट घोषणाओं में जल्द से जल्द भूमि आवंटित कर कार्य शुरू किया जाए। साथ ही, अधिकारी योजनाओं की अनुमानित लागत के आधार पर योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने बजट की विभिन्न घोषणाओं के अंतर्गत बाड़मेर, धौलपुर, फुलेरा सहित अन्य शहरों की विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में भीम-राजसमंद ड्रेनेज सिस्टम, सूरजगढ़-झुंझुनू में सीवरेज लाईन, दौसा शहर मे सीवरेज मास्टर प्लान तारानगर-चुरु, नगर व सीकरी-डीग में ड्रेनेज के प्रस्तावित कार्यां की समीक्षा भी की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार सीवरेज कार्य भी समयबद्ध रूप से करवाए जाएं, ताकि आमजन को बेहतर यातायात एवं स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने अलवर, पाली, भीलवाड़ा, दौसा, हनुमानगढ़, झुंझुनूं में निर्मित सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का संचालन शीघ्र प्रारम्भ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, किसानों की सहभागिता से इस संबंध में एक सेमिनार भी आयोजित किया जाए। शर्मा ने कहा कि बैठक में शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती देने के लिए तथा ई-बसों के सुगम संचालन हेतु मॉडर्न शेल्टर कम चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं। बैठक में बजट 2024-25 एवं 2025-26 की नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग से संबंधित घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

रेडियो मिर्ची और संजीवनी बिल्डहोम की सेना के जवानों के लिए अनूठी पहल

- "मिर्ची प्लॉट 983" अभियान के तहत सेना के जवानों को एक अनमोल तोहफा दिया जाएगा

जयपुर। रेडियो के इतिहास में पहली बार, मिर्ची और संजीवनी बिल्डहोम लेकर आए हैं "मिर्ची प्लॉट 983", उनके लिए घर, जो रहते हैं सरहद पर।

आम तौर पर रेडियो स्टेशनों में रेडियो मिर्ची का नाम संगीत और मनोरंजन के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को न सिर्फ रेडियो पर बल्कि, ऑन ग्राउंड और डिजिटल मीडियम पर सफलता पूर्वक करने के लिए प्रमुखता से जाना जाता रहा है, लेकिन इस बार रेडियो मिर्ची जयपुर ने एक अनोखी पहल शुरू की है।

संजीवनी बिल्डहोम के साथ मिलकर मिर्ची ने एक ऐसा अभियान चलाया है जो हमारे देश के वीर जवानों को उनकी शानदार सेवाओं के लिए सम्मानित करता है।

इस अभियान के तहत, जिसका नाम "मिर्ची प्लॉट 983" है, देश के लिए दिन-रात सरहद पर खड़े रहने वाले जवानों को एक अनमोल तोहफा दिया जाएगा। कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेकर कोई भी व्यक्ति अपने किसी जानकर, जो भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना या किसी भी भारतीय सेना इकाई का हिस्सा है, वे नॉमिनेट कर सकते हैं।

संजीवनी बिल्डहोम और मिर्ची जयपुर का ये सहयोग एक भाग्यशाली विजेता को जयपुर में एक पूरा प्लॉट जीतने का मौका देगा। ये पहल ना सिर्फ जवानों के लिए सम्मान का प्रतीक है, बल्कि देश के लोगों को उनके योगदान के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास भी है। इस खबर के साथ दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके अपने परिवार या किसी जानने वाले को नॉमिनेट कर सकते हैं।

15 हजार का फरार इनामी बदमाश लाभचंद गिरफ्तार

- आरोपी पूर्व में भी 2.6 क्विंटल अफीम दूध की तस्करी में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के हत्थे चढ़ चुका है

जयपुर। एंटी टैररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) राजस्थान ने लंबे समय से फरार इनामी व मादक पदार्थ तस्करी में वांछित आरोपित लाभचन्द को दबोचा है। आरोपित की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक श्री गंगानगर से 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

एटीएस पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि एटीएस राजस्थान ने ईनामी व मादक पदार्थ तस्करी में वांछित आरोपित लाभचंद (41) निवासी बेंगू जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपित लाभचन्द, पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से पढ़ाई बीच में छोड़कर खेती-बाड़ी करने लगा । पैसों की कमी के चलते जाना चाहता था, पर अन्दर-ही-अन्दर पकड़े जाने का डर भी सता रहा था। आरोपित लाभचन्द न तो पैसे कमा सका और न ही ऐसो आराम की जिंदगी जी पाया। उल्टा फरारी के दौरान पुलिस के भय से दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो गया। आरोपित लाभचन्द को पूर्व में भी लगभग 2.6 क्विंटल अफीम दूध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किया था।

कुमार ने बताया कि एटीएस टीम के विश्लेषण से यह सामने आया कि लाभचन्द अपनी पत्नी के मिलने के लिये अपने दूर के रिश्तेदार के वहां जाता हैं तथा पत्नी को भी वहीं बुला लेता हैं। इस पर एटीएस टीम ने छद्म भेष में लाभचन्द के परिवार के आवागमन पर निगरानी रखनी शुरू की। जहां लाभचन्द की पत्नी बीमार है व उसके ईलाज के लिये उसको भीलवाड़ा डॉक्टर को दिखाने जाता है। एटीएस टीम को सूचना मिली कि लाभचन्द पुलिस के भय से घर के आसपास फरारी काट रहा है, इसी आसूचना के आधार पर उसके संभावित ठिकाने पर दबिश देकर आरोपी को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की।

राजस्थान की दूसरी सेना भर्ती रैली 25 अगस्त से सीकर में होगी

जयपुर । वर्ष 2025-26 के लिए भर्ती क्षेत्र राजस्थान की दूसरी सेना भर्ती रैली, भर्ती कार्यालय (मुख्यालय) जयपुर द्वारा जिला स्टेडियम सीकर में 25 अगस्त से 16 सितम्बर 2025 तक आयोजित की जायेगी। यह रैली जयपुर, सीकर और डीडवाना-कुचामन जिलों के लिए होगी। इस रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंस/एसकेटी, अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वी पास और 10वी पास) श्रेणियों के लिये कॉमन एंट्रेन्स एग्जाम 2025 में शामिल हुए 10 हजार हजार से अधिक अभ्यर्थियों को कोल अप जारी किया गया है। इसके अलावा, सिपाही फार्म, सैनिक तकनीकी नर्सिंग सहायता हवालदार शिक्षा (सूचना और तकनीक / साइबर, सूचनात्मक कार्यवाही और भाषाविद), हवालदार सर्वेयर स्वचलित मानचित्रकार, जूनियर कमीशन अधिकारी कैटरिंग और धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी। की क्षेत्रीय और केन्द्रीय श्रेणी की भर्ती रैली भी 25-26 अगस्त को आयोजित की जाएगी ।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने पकड़ीं प्रतिबंधित दवाइयां

जयपुर। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। टीम ने जयपुर सोडाला से प्रतिबंधित दवाइयां ट्रामाडोल कैप्सूल, अल्प्राजोलम टैबलेट की बड़ी खेप व कोडीन फॉस्फेट की बोतलें पकड़ी हैं। साथ में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 42 हजार की नगदी भी बरामद की है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा नरेश बुन्देल ने बताया कि जयपुर सेल के अधिकारियों को दो व्यक्तियों के बाइक से सोडाला के छाबड़ा रोड पर प्रतिबंधित ट्रामाडोल ले जाने की सूचना मिली थी। इस पर टीम मौके पर गई। संदिग्ध की निगरानी रखी। उन्हें जयपुर के छाबड़ा रोड चंबल पावर हाउस के पास रोका। तलाशी के दौरान वाहन में छुपाए गए 33 डिब्बों में 7 हजार 920 प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल और 118 कोडीन फॉस्फेट की बोतलें मिली। पूछताछ के बाद एक टीम सप्लायर को पकड़ने के लिए रवाना हुई। उसे पेट्रोल पंप वाले बालाजी, के पास रोका। तलाशी में सप्लायर के पास से दवा बिक्री की रकम 42 हजार 780 बरामद की। सप्लायर ने पूछताछ में स्टॉकिस्ट के बारे में बताया। इसके बाद टीम ने सीकर रोड स्थित एक आवासीय परिसर में छापा मारा। ट्रामाडोल की 2184 कैप्सूल, अल्प्राजोलम की 600 गोलियां और कोडीन फॉस्फेट की 97 बोतलें बरामद हुई।

पतंजलि को मिला अंतरराष्ट्रीय स्तर का ए.ई.ओ. टायर-2 प्रमाणपत्र

व्यावसायिक क्षेत्र में उद्यिमता का नया कीर्तिमान स्थापित किया पतंजलि ने : स्वामी रामदेव

नई दिल्ली। देश की आज़ादी के अमृत महोत्सव में भारत के घर-घर में विश्वास का प्रतीक बनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने स्वदेशी इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। वर्ल्ड कस्टम्स ऑर्गेनाइजेशन और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय- भारतीय सीमा शुल्क ने पतंजलि को ऑथोराइज्ड इकोनॉमिक ऑपरेटर टायर-2 (ए.ई.ओ.) प्रमाणपत्र प्रदान किया है।

यह प्रमाणपत्र विश्वस्तरीय व्यापार में ईमानदारी, पारदर्शिता और सप्लाई चेन सुरक्षा के उच्चतम मानकों का प्रतीक है। भारत की सर्वोच्च कंपनियों में केवल गिनी-चुनी कंपनियों के पास ही यह दर्जा है, और एफ.एम.सी.जी. सेक्टर में तो यह गौरवशाली प्रमाणपत्र केवल कुछ ही कंपनियों को प्राप्त है। अब इस सूची में पतंजलि का नाम स्वर्ण अक्षरों में जुड़ गया है।

उल्लेखनीय है कि पतंजलि फूड्स को इस एईओ टायर-2 प्रमाणपत्र से कम्पनी को ड्यूटी डिफर्ड पेमेंट, बैंक गारंटी से छूट, डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी ,24 घंटे और हफ्ते के 7 दिन क्लियरेंस सुविधा के साथ और कुल 28 प्रकार से अधिक अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक लाभ प्राप्त होंगे।

स्वामी रामदेव ने कहा कि यह किसी भी कंपनी की गुणवत्ता, सत्यनिष्ठा, पारदर्शी कार्यप्रणाली और राष्ट्रिहत में योगदान का प्रमाण है। पतंजलि ने अपने गुणवत्ता की प्रामाणिकता ,कर्मयोग, कर्तव्यनिष्ठा और स्वदेशी भावना के बल पर यह विशेष मानक प्राप्त किया है। यह केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक आज़ादी को और मज़बूत करने वाला सम्मान है। स्वामी रामदेव ने कहा कि आज का दिन पतंजलि परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि हर उस भारतीय के लिए गर्व का दिन है, पतंजलि विश्वसनीयता, प्रमाणिकता, प्रतिस्पर्धा व गुणवत्ता के क्षेत्र में प्रतिदिन नई गति से आगे बढ़ रहा है तथा व्यावसायिक क्षेत्र में उद्यिमता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है ,जो भारत को आर्थिक रूप से विश्वगुरु बनते देखना चाहता है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि "यह उपलब्धि पतंजलि के संपूर्ण परिवार, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं की सामूहिक साधना का फल है।

देवनानी जाएंगे अयोध्या

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मंगलवार को दो दिवसीय उत्तर प्रदेश यात्रा पर जाएंगे। देवनानी इस यात्रा के दौरान बुधवार 20 अगस्त को प्रात: 6 बजे अयोध्या के राम मंदिर में पूजा अर्चना कर आरती करेंगे। देवनानी मंगलवार को दोपहर में वायुयान से जयपुर से रवाना होकर लखनऊ पहुँचेंगे। देवनानी लखनऊ से सडक मार्ग द्वारा अयोध्या जायेंगे।

राजस्थान में अन्य सेवाओं से 4 अधिकारी बने आई.ए.एस.

इनमें मुख्यमंत्री कार्यालय में डायरेक्टर स्टेटिस्टिक्स की सेवाएं दे रहे डॉ. नीतीश शर्मा, लेखा सेवा से अमिता शर्मा, सांख्यिकी सेवा से नरेन्द्र कुमार मंघानी तथा नरेश कुमार गोयल शामिल है।

डॉ. नीतिश शर्मा

अमिता शर्मा

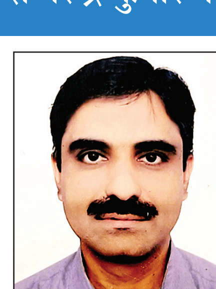

नरेन्द्र कुमार

नरेश गोयल

- बताया जा रहा है कि पिछले महीने दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की बैठक में इन चारों अफसरों के चयन पर अंतिम मुहर लगाई गई थी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में अन्य सेवाओं से चार अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) बनाया गया है। केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने गैर राज्य प्रशासनिक सेवाओं के चार अफसरों को आई.ए.एस. बनाने की अधिसूचना जारी कर दी है। 18 अगस्त को जारी हुई इस अधिसूचना के अनुसार डॉ. नीतेश शर्मा, अमिता शर्मा, नरेंद्र कुमार मंघानी और नरेश कुमार गोयल को आई.ए.एस. बनाया है। डॉ. नीतेश शर्मा सांख्यिकी सेवा और अमिता शर्मा लेखा सेवा की अफसर है।

चारों अफसरों को वर्ष 2022 की वैकेंसी के तहत आई.ए.एस. बनाया गया है। पिछले महीने दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की बैठक में इन चारों अफसरों के चयन पर अंतिम मुहर लगाई गई थी। अब डी.ओ.पी.टी. ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इन अफसरों को अभी प्रोबेशन पर रखा जाएगा। इन्हें नए सिरे से पोस्टिंग दी जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. नीतीश शर्मा वर्तमान में मुख्यमंत्री कार्यालय (सी.एम.ओ.) में डायरेक्टर स्टेटिस्टिक्स के पद पर काम कर रहे है। वे इकोनॉमिक्स में एम.ए. तथा पी.एच.डी. होने के साथ-साथ एम.बी.ए. फाइनेंस भी है। मुख्यमंत्री कार्यालय से पहले डॉ. नीतीश ने चीफ सेक्रेटरी ऑफिस में डायरेक्टर प्रोग्राम मॉनिटरिंग के पद पर 6 साल काम किया है। जिसमें मुख्य सचिव के सीधे निर्देशन में कार्य करते हुए राज्य के सभी कार्यक्रमों, स्कीम्स और प्रोजेक्ट्स की मॉनिटरिंग की है। डॉ. नीतीश को 3 राज्य पुरस्कार भी राज्यपाल व मुख्यमंत्री के हाथों प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें सिविल सिर्विसेज डे पर प्राप्त अवार्ड उल्लेखनीय है।

देवली में 30 लाख से अधिक कीमत की वृक्ष संपत्ति बंदरबाट की भेंट चढ़ी!

मामले की जानकारी लेने पर पालिका के अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा ने चुप्पी साधी

दो साल पहले कोटा रोड पर हरे वृक्षों का झुंड था, जो आज नहीं है।

- दो वर्ष पहले देवली शहर के जयपुर और कोटा रोड का निर्माण देवली पालिका द्वारा करवाया गया था, उस समय दर्जनों प्रतिबंधित एवं गैर प्रतिबंध हरे वृक्ष काटे गए थे

देवली, (निसं)। यहां दो वर्ष पहले देवली शहर के जयपुर और कोटा रोड का निर्माण देवली पालिका द्वारा करवाया गया था। उस समय रोड निर्माण के दौरान दर्जनों प्रतिबंधित एवं गैर प्रतिबंध हरे वृक्ष काटे गए थे। इस मामले पर इन दिनों यहां चर्चाओं का बाजार गरम बना हुआ है। चर्चा यह है कि उक्त दौरान काटे गए लगभग 10 दर्जन हरे वृक्षों की लकड़ियां आखिर गई कहां, क्या हरे वृक्षों की लकड़ियों की नीलामी हुई, अगर नहीं तो फिर लगभग 30 से 35 लाख रुपए कीमत के वृक्ष संपत्ति का क्या हुआ। इस मामले में पालिका के अधिकारी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। वृक्षों की कटाई से प्राप्त लकड़ियों को धरती निगल गई या आसमान खा गया,? के इस सवाल पर मामला यह है कि दो साल पहले लाखों रुपए की बेशकीमती हर वृक्षों की लकड़ी कहीं बंदरबाट की भेंट तो नहीं चढ़ गई।

उल्लेखनीय है कि देवली नगर पालिका ने सत्र 2022-23 में 17 करोड़ की लागत पर ढाई-ढाई किलोमीटर के दो रोड का निर्माण करवाया था। इनमें एक रोड तो टोंक जिले नगर पालिका देवली के अधिकार क्षेत्र का है। तो वहीं दूसरा कोटा रोड जो कि अन्य जिले यानी के भीलवाड़ा जिला क्षेत्र का है। ऐसे में उस दौरान रोड निर्माण की आड़ में कोटा रोड पर से लगभग पांच दर्जन से अधिक हरे भरे विशाल वृक्षों की कटाई कर दी गई थी। रोड निर्माण के उक्त दौरान देवली पालिका और ठेकेदार ने प्रतिबंध नीम, शीशम, पीपल, आम, गुलमोहर और भारी भरकम सफेदा के वृक्ष काटे दिये थे। इसी प्रकार जयपुर रोड निर्माण दौरान लगभग 4 से 5 दर्जन भारी भरकम हरे-भरे वृक्षों की कटाई कर दी गई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि रोड निर्माण दौरान जिन हरे वृक्षों की कटाई की गई, उन भारी भरकम हरे वृक्षों से प्राप्त बेशकीमती लकड़िया देवली पालिका प्रशासन ने कहां सुरक्षित रखवाई। इसलिए कि देवली पालिका परिसर में उक्त रोड निर्माण के दौरान काटे गए वृक्षों की लकड़ियां दिखाई नहीं दे रही है।

इस मामले में लोगों ने जानकारी में बताया कि पालिका ने कोटा रोड और जयपुर रोड पर जिन हरे वृक्षों की कटाई करवाई थी, उन वृक्षों से प्राप्त लकड़ियों की कीमत लगभग 30 लाख रुपए से भी अधिक होनी चाहिये। इसके अलावा कोटा रोड पर ओम मेटल के बाहर रोड किनारे लगे हुए दर्जनों भारी भरकम सफेदा के वृक्ष भी सरकारी भूमि से गायब दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या देवली नगर पालिका प्रशासन ने रोड निर्माण दौरान काटे गए हरे भरे वृक्षों से प्राप्त लाखों रुपए कीमत की लकडियों की नीलामी करवाई है, या भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर तहसील कार्यालय से इनकी नीलाम हुई हो।

इस मामले में जब पालिका के अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा से जानकारी चाही तो अधिकारी सुरेश कुमार मीणा ने फोन रिसीव करना बंद कर दिया। इस पर उनके व्हाट्सऐप पर संदेश भेजकर उक्त मामले की जानकारी चाही गई। यह बताते हुए कि नगर पालिका प्रशासन के द्वारा अभी हाल ही में 2 वर्ष पहले जयपुर और कोटा रोड का फोरलेन निर्माण करवाया गया था। उक्त दौरान देवली पालिका प्रशासन के ठेकेदार ने दर्जनों विशालकाय हरे-भरे वृक्षों की कटाई कर दी थी। उक्त दौरान काटे गये दर्जनों वृक्षों से प्राप्त मोटे तने की लकड़ियों को किस स्थान पर रखवाया गया। या किस कार्य में इस्तेमाल लिया गया, या इनका स्टॉक कहां रखा हुआ है, या इनकी नीलामी कब करवाई गई, अगर नीलामी हुई तो खरीदार द्वारा जमा कराई गई राशि देवली पालिका किस के मद में जमा हुई है एवं काटे गए कितने पेड़ों की लकड़ियों की नीलामी की गई लकडियों की नीलामी से पालिका कोष को कितना धन प्राप्त हुआ। इन सब सवालों के जवाब पालिका अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीना से मांगे गए, लेकिन सुरेश कुमार मीणा ने इस मामले में अब तक कोई जानकारी नहीं दी और अपने आप में चुप्पी साध ली।

प्रतिबंधित दवाइयों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित दवा जब्त की।

- सी.बी.एन. जयपुर सेल के अधिकारियों ने तीन वाहनों व आवासीय परिसर में छापामार कर कार्रवाई की
- प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल, अल्प्राजोलम टेबलेट और कोडीन फॉस्फेट की बोतलें व नकदी बरामद की

कोटा, (निसं)। नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों ने तीन वाहनों व आवासीय परिसर में छापामार कर प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल, अल्प्राजोलम टेबलेट और कोडीन फॉस्फेट की बोतलें जब्त करने के साथ नकद 42,780 रुपये बरामद किए गए। टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति अपनी बाइक से छाबड़ा रोड, सोडाला पर प्रतिबंधित ट्रामाडोल ले जाने वाले हैं। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और उक्त व्यक्तियों को रोकने के लिए टीम को रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखने के बाद, संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की पहचान की गई और उन्हें चंबल पॉवर हाउस, छाबड़ा रोड, जयपुर के पास रोक लिया और टीम ने मौके पर वाहनों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन के ऊपर डिब्बों में छुपाए गए 33 डिब्बों में 7920 प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल और 118 कोडीन फॉस्फेट की बोतलें बरामद की गई।

उपनारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि पूछताछ के बाद एक टीम को सप्लायर को पकड़ने के लिये रवाना किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए पेट्रोल पंप वाले बालाजी, सोडाला के पास सप्लायर को रोक लिया। टीम ने मौके पर सप्लायर की तलाशी लेने पर तलाशी के दौरान अवैध दवा की बिक्री की राशि 42,780 रुपये नकद बरामद किए गए।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने पकड़े गये सप्लायर से पूछताछ के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीकर रोड़ स्थित आवासीय परिसर पर छापामार कार्रवाई करते हुए ट्रामाडोल की 2184 कैप्सूल, अल्प्राजोलम की 600 गोलियाँ और कोडीन फॉस्फेट की 97 बोतलें बरामद की। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद प्रतिबंधित दवाओं सहित 3 मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया गया तथा चार लोगों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

पत्नी और मासूम बेटे पर हमला कर पति ने सुसाइड किया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में सोमवार को एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। पति-पत्नी के आपसी मनमुटाव में पति मरने और मारने तक पहुंच गया। उसने ना केवल अपनी पत्नी और मासूम बेटे पर तलवार से जानलेवा हमला कर दोनों को लहुलूहान कर दिया। तो वहीं खुद ने भी ट्रेन के आगे कूद जान दे दी।

जानकारी के मुताबिक आरएसी बीकानेर में कार्यरत इण्डाली गांव निवासी राजकुमार कांटीवाल की शादी करीब सात साल पहले नयासर गांव की कविता देवठिया के साथ हुई थी। राजकुमार आरएससी में जवान था, तो कविता देवठिया पंचायतराज विभाग में एलडीसी के पद पर कार्यरत है। कुछ सालों से दोनों के बीच मनमुटाव चल रहा था। जो आज अलसुबह खूनी खेल में बदल गया। कविता अपने बच्चे के साथ किसान कॉलोनी की एक बिल्डिंग में किराए पर रहती है। बताया जा रहा है कि कविता और उसके पति राजकुमार के बीच सोमवार सुबह चार बजे अचानक झगड़ा हुआ।

इस दौरान जोर-जोर से झगड़े के बाद राजकुमार ने कविता के उपर तलवार से वार किए। इस दौरान बच्चे पर भी वार किया। दोनों की चीख-पुकार सुनकर पड़ौसी पहुंचे तो राजकुमार वहां से भाग गया। पड़ौसियों ने दोनों मां-बेटे को अस्पताल पहुंचाया। जहां से मां कविता की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर किया गया। हमले में कविता की अंगुली तक कटकर अलग हो गई और पूरे फ्लेट में खून ही खून बिखर गया। पुलिस आरोपी राजकुमार को तलाश कर रही थी कि इस घटना के करीब तीन घंटे बाद राजकुमार की लाश चिड़ावा कृषि मंडी के पास स्थित अंडरपास के समीप रेलवे ट्रेक पर मिली। राजकुमार ने अपनी गाड़ी को इसी अंडरपास के समीप खड़ी की और रेल के आगे कूद गया। रेलवे चालक ने लाश को रतनशहर तक पहुंचाया और फिर लाश को बगड सीएचसी रखवाया गया। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इस मामले में मृतक राजकुमार के परिजनों ने चिडावा पुलिस को रिपोर्ट दी है। जिसमें उन्होंने मामले की जांच की मांग की है।

युवक की संदिग्ध हालत में मौत, परिजनों ने धरना दिया

बीकानेर, (निसं)। बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में बीकाजी की फैक्टरी के पीछे रहने वाले एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। बीठनोक निवासी असगर के घर में शादी होने के कारण वह अपनी पत्नी-बच्चों को लेने बीकानेर गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। 15 अगस्त को उसे गंभीर हालत में 108 एंबुलेंस से पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवा दिया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के विरोध में मृतक के परिजनों ने मुर्दाघर के सामने धरना लगा दिया तथा आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। पुलिस के आश्वासन के बाद धरना उठाया गया। मृतक के भाई जब्बार की रिपोर्ट पर मुक्ता प्रसाद थाने में मृतक की पत्नी जायदा और उसकी मां अन्नू तथा खलील के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना बीछवाल स्थित बीकाजी की फैक्टरी के पीछे की बताई जा रही है। आरोप है कि तीनों ने षड़यंत्र रचकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। जब्बार ने खलील के उसकी भाभी के साथ अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

मुक्ता प्रसाद थाना एसएचओ विजेंद्र सीला ने बताया कि असगर को 15 अगस्त को नशे की हालत में पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उसके शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट का इंतजार है। मुकदमे की जांच एसआई राजेंद्र को सौंपी गई है।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर/सीकर, (निसं)। एसीबी की सीकर टीम ने पटवार हल्का खण्डेलसर तहसील दांतारामगढ़ के पटवारी सुनील कुमार को विरासत का नामांतरण भरने की एवज में परिवादी से तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। आरोपित पटवारी ने परिवादी से नौ हजार रुपये बतौर रिश्वत की मांग करने तथा रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान छह हजार रुपये प्राप्त कर शेष तीन हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी की सीकर टीम को परिवादी ने शिकायत ने दी कि उसके विरासत का नामान्तरण भरने की एवज में पटवारी सुनील कुमार नौ हजार की रिश्वत मांग रहा है जिस पर एसीबी सीकर टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पटवारी को तीर हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

घर में अकेली रहने वाली महिला की मौत

अनूपगढ़, (निसं)। प्रेमनगर में एक महिला का शव उसके घर की छत पर चारपाई पर मिला। मृतका की पहचान गीता देवी (47) के रूप में हुई। वह पति खेताराम मेघवाल से अलग रहकर दिहाड़ी मजदूरी करती थी। गीता देवी 15 अगस्त को सतराना स्थित अपने पिता के घर से लौटी थी। इसके बाद वह दो दिन तक घर से बाहर नहीं निकली। पड़ोसियों को शक होने पर उन्होंने छत पर जाकर देखा। महिला बेसुध अवस्था में मिली। पुलिस को सूचना दी गई। एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव पर फफोले थे और शरीर काला पड़ गया था। एफएसएल टीम ने जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध परिस्थिति नहीं मिली। मृतका के पिता उत्तमा राम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी की मौत हार्ट अटैक से हुई है।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय,
स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक :- एफ/साविम/खु.नि. स्टोर/2025-26/01 दिनांक :- 14/08/2025

खुली निविदा सूचना

महाविद्यालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सफाई कार्य हेतु खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की अंतिम तिथी 28.08.2025 है। निविदा का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.raubikaner.org and http://www.sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा निरस्त करने का अधिकार महाविद्यालय के पास सुरक्षित है।

NIB Code : SKA2526A0024, UBN No. : SKA2526SSRC00041

राज.संवाद/सी/25/8297 अधिष्ठाता

अवैध गांजा की खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध गांजा खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने जीवली गांव के एक खेत से 19.310 किलो गांजे के हरे पौधे जब्त किए हैं। वहीं आरोपी मोहर सिंह (52) को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार थानाधिकारी टीनू सोगरवाल की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि जीवली गांव में एक व्यक्ति गांजे की खेती कर रहा है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। खेत की जांच में पाया गया कि अमरूद और गन्ने के पेड़ों के बीच 5-6 फीट ऊंचे गांजे के पौधे छिपाकर उगाए गए हैं। मौके पर मौजूद मोहर सिंह ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसके पास गांजा उगाने का कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं है। पुलिस ने इलेक्ट्रिक कटर से पौधों की कटाई कर उन्हें प्लास्टिक के कट्टों में सील किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। थानाधिकारी पीलोदा मानसिंह को केस की जांच सौंपी गई है।

पिता का सिर फोड़ा, मौत, बेटा गिरफ्तार

- घायल सुमेर सिंह ने जयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, पुलिस हत्या के आरोपी बेटे से पूछताछ कर रही है

सिंघाना, (निसं)। थाना इलाके में एक बुजुर्ग पिता को उसके ही बेटे ने इतनी बुरी तरह पीटा कि इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। इसी बेटे ने करीब दो महीने पहले ही अपनी फेसबुक पर फोटो के साथ लिखा था कि रो पड़ा वह फकीर भी मेरी हाथ की लकीर देखकर तुझे अपने ही मारेंगे।

जानकारी के मुताकि यह घटना 10 अगस्त की है। मृतक सुमेर सिंह के बड़े बेटे संजय ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि 10 अगस्त को घर पर उसका छोटा भाई राकेश, उसके पिता सुमेर सिंह तथा माता घर पर थे। छोटे भाई राकेश और उसके पिता सुमेर के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद राकेश ने घर में ही रखी लोहे की एंगल से सुमेर सिंह के सिर पर तीन-चार ताबड़तोड़ वार कर दिए। घायल सुमेर सिंह को पहले सिंघाना सीएचसी, फिर झुंझुनूं बीडीके अस्पताल ले जाया गया, जहां से जयपुर एसएमएस के लिए रैफर किया गया। जहां पर सुमेर सिंह का इलाज चला। लेकिन 16 अगस्त को सुमेर सिंह ने जयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने संजय की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अपने पिता की हत्या के आरोप में राकेश को गिरफ्तार कर लिया है।

राकेश की गिरफ्तारी के बाद जब इस मामले का खुलासा हुआ तो सामने आया कि राकेश ने 29 जून को अपनी फेसबुक पर फोटो के साथ लिखा था कि रो पड़ा वह फकीर भी मेरी हाथ की लकीर देखकर तुझे अपने ही मारेंगे। राकेश को किसी अपने ने मारा हो या ना मारा है, लेकिन राकेश ने अपने पिता को जरूर मार दिया। यही नहीं राकेश अपने पिता के साथ जयपुर भी गया बताया। क्योंकि 13 अगस्त को ही उसने जयपुर में भर्ती अपने पिता की फोटो भी फेसबुक पर शेयर की थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कार्यालय नगर परिषद् बांसवाडा (राज.)

फोन : 02962-243714, 247201, फैक्स : 02962-243714 Email Id :palika.bsw@gmail.com

क्रमांक : एफ 5( )निर्माण/न.प.बा./2025-2026/3129-31 दिनांक : 11.08.2025

निविदा सूचना सं. 06/2025-26

(NIB NO DLB2526A4719)

सक्षम स्तर पर पंजीकृत संवेदक से कुल 01 निर्माण कार्य जिसकी कुल लागत 15.00 लाख हेतु ऑनलाईन निविदा डाउनलोड की अवधि दिनांक 13/08/2025 प्रातः 9 बजे एंव दिनांक 23/08/2025 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित अन्य शर्ते एवं विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajsthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. DLB2526WSOB14561

आयुक्त
नगर परिषद्, बाँसवाड़ा

राज.संवाद/सी/25/8313

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 1258 Date :- 14/08/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 24,25/2025-26

Bids for Various works of Project PMKSY 2.0 of estimated value INR (107.98+59.79+46.06+126.98) 340.81 Lacs, 15.51 Lacs are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 24-08-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB Code & UBN No. :- WSC2526A0640, WSC2526WSRC01103 To 01106
NIB Code & UBN No. :- WSC2526A0643, WSC2526WSRC01107

Raj.Samwad/C/25/8314 Superintending Engineer and Project Manager

वैष्णो देवी दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों से भरी पिकअप पलटी, 25 घायल

पुलिस ने अस्पताल में जाकर घायलों से जानकारी ली।

- गंभीर रूप से आठ घायल यात्रियों को भरतपुर जिला अस्पताल रैफर किया, उपचार जारी
- जरैला गांव के निकट गौवंश को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर का संतुलन बिगड़ने से हादसा हुआ

रूपबास, (निसं)। रूपबास उपखण्ड के गांव जरैला के पास वैष्णो देवी दर्शन को जा रहे यात्रियों से भरी पिकअप पलटी गई। हादसे में 25 यात्री घायल हो गए, जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने रूपबास उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जिसमें गंभीर रूप से आठ घायल यात्रियों को भरतपुर जिला अस्पताल रैफर कर दिया है। वहीं हादसे की ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रूपबास थाना प्रभारी चंद्र मोहन, एएसआई हरदम सिंह, कांस्टेबल अमित, श्रीनिवास, अभिषेक तथा आरएसी मय जाब्ता तथा पुलिस वाहन मौके पर पहुंचे तथा गंभीर घायलों को तुरंत रूपबास उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

रूपबास उपजिला चिकित्सालय इंचार्ज बीसीएमओ लखन चौधरी ने बताया कि रूपबास चिकित्सालय में 18 घायलों को लाया गया, जिसमें 8 घायलों को भरतपुर रैफर किया गया है, जिसमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रुपबास के चकसमारी गांव से वैष्णो देवी दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों से भरी पिकअप पलटने से 25 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 15 यात्रियों को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। 4 से 5 यात्री गंभीर घायल हैं। जानकारी के अनुसार भरतपुर से ट्रेन रिजर्वेशन था, इसलिए सभी यात्री एक पिकअप द्वारा आगरा रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए। अचानक जरैला गांव के निकट गौवंश सामने आ जाने से गौवंश को बचाने की कोशिश में पिकअप पलट गई। पिकअप वाहन पलट जाने से सभी यात्री बुरी तरह घायल हो गए। वाहन चालक को भी चोट आई है। उसके हाथ की चार उंगली कट जाने की खबर है तथा और भी सभी यात्रियों को चोटें आईं हैं। जिन यात्रियों को चोट कम आई हैं उन्हें रूपबास उपजिला चिकित्सालय से छुट्टी देकर घर भेज दिया गया है। भरतपुर हॉस्पिटल में घायलों का इलाज चल रहा है।

दस क्विंटल से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त बरामद

- मिनी ट्रक की तलाशी के दौरान खाद के कट्टों के नीचे डोडा-पोस्त के कट्टे मिले
- पुलिस ने मिनी ट्रक चालक और परिचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम की स्पेशल टीम और राजीव गांधी नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चौखा हाइवे पर एक मिनी ट्रक को रूकवाया। ट्रक में खाद भरी होने की जानकारी दी गई, मगर जब तलाशी ली गई तो खाद के कट्टों के नीचे अवैध डोडा-पोस्त के कट्टे मिले। ट्रक से करीब दस क्विंटल से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ है। पुलिस ने मिनी ट्रक के चालक और परिचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ आरंभ की है। अवैध डोडा-पोस्त की अनुमानित कीमत लाखों में बताई जाती है।

राजीव गांधी नगर पुलिस और जिला पश्चिम की स्पेशल टीम ने चौखा हाइवे पर अलसुबह नाकाबंदी की थी। तब डीएसटी वेस्ट को मुखबिर सूचना मिली कि हाइवे से निकलने वाले एक मिनी ट्रक में अवैध डोडा-पोस्त भरा हुआ है। इस पर चौखा हाइवे से निकलने वाले ट्रक को रूकवाकर चालक से पूछताछ किए जाने पर उसने बताया कि उसमें खाद के कट्टे भरे हैं। तब पुलिस ने गाड़ी की तलाशी। खाद के कट्टों के नीचे डोडा-पोस्त के कट्टे मिले। दोपहर तक पुलिस कट्टों की संख्या और अनुमानित वजन करने में लगी थी। प्रथमदृष्टया बताया गया कि मिनी ट्रक से दस क्विंटल से ज्यादा डोडा पोस्त लदा हुआ था।

कपिल सरोवर में बच्चे की डूबने से मौत : बीकानेर में कपिल सरोवर में रविवार रात लापता हुए आठ वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गणेश पुत्र प्रसाद निवासी कुन्हाड़ी कोटा रविवार रात कपिल सरोवर परिसर से अचानक लापता हो गया था। बच्चे की गुमशुदगी की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी, जिसके बाद तलाश शुरू की गई। पुलिस और परिजनों की कोशिशों के बावजूद बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। बच्चे के कपिल सरोवर में डूबने की आशंका जताने पर एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। टीम ने कपिल सरोवर में सर्च अभियान चलाकर बच्चे का शव बाहर निकाला। पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और शव को कोलायत सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया।

कार्यालय नगर परिषद बारां

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक.-न.प.बारां/मेला शाखा/2025/4022-23 दिनांक : 14.08.2025

अभिव्यक्ति की अभिरूचि (Expression of Interest-EOI) का आमत्रण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हर वर्श की भांति नगर परिषद बारां द्वारा डोल मेला 2025 का आयोजन दिनांक 03.09.2025 से किया जा रहा है। डोल तालाब में नांव संचालन (पेडल बोट व मोटर बोट) हेतु EOI आमंत्रित की जाती है जिसमें इच्छुक निविदादाता एक मुश्त दर बन्द लिफाफे में भरकर नगर परिषद बारां कार्यालय (मेला शाखा) में दिनांक 20.08.2025 को दोपहर 02.00 बजे तक जमा करा सकते है। निविदा दिनांक 20.08.2025 को 04.00 बजे खोली जायेगी। यह कार्य मेला अवधि के लिये किराये की निविदादाता संवेदक को संलग्न शर्तो की पालना करना अनिवार्य है।

विस्तृत अभिव्यक्ति की अभिरूचि (EOI) नगर परिषद कार्यालय तथा वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त/डाउनलोड़ की जा सकती है।

UBN No. : DLB2526SSOB14659

राज.संवाद/सी/25/8268 आयुक्त

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन,त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन-0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/1489 दिनांक- 05.08.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-32/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर एवं श्री गंगानगर में कुल रू. 257.72 लाख के 15 स्वास्थ्य केन्द्रो पर विद्युत कार्यो हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त विद्युत श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त विद्युत श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN - 1. NRH2526WSOB00853, 2. NRH2526WSOB00854, 3. NRH2526WSOB00855, 4. NRH2526WSOB00856, 5. NRH2526WSOB00857, 6. NRH2526WSOB00858, 7. NRH2526WSOB00859, 8. NRH2526WSOB00860, 9. NRH2526WSOB00861, 10. NRH2526WSOB00862, 11. NRH2526WSOB00863, 12. NRH2526WSOB00865, 13. NRH2526WSOB00867, 14. NRH2526WSOB00868, 15. NRH2526WSOB00869

(शिम्भू राम जाटव)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर

DIPR/C/11528/2025

परिसीमन के नाम पर लंबे समय तक स्थगित नहीं रख सकते पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव : हाईकोर्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि परिसीमन के नाम पर लंबे समय तक पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्थगित नहीं रखे जा सकते। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि परिसीमन प्रक्रिया समय पर पूरी हो, ताकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार समय पर चुनाव कराए जा सके। जहां पंचायत भंग होती है, वहां आदर्श रूप से छह माह के भीतर चुनाव होने चाहिए।

■ ''अदालत ने कहा कि जहां पंचायत भंग होती है, वहां आदर्श रूप से 6 माह के भीतर चुनाव होने चाहिए। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि परिसीमन प्रक्रिया समय पर पूरी हो।''

अदालत ने कहा कि निवर्तमान सरपंचों को अपनी पंचायतों के दैनिक कार्य के प्रबंधन के लिए प्रशासक लगाया गया और पंचायतों के विघटन के छह माह बाद उन्हें प्रशासक पद पर बने रहने की अनुमति दी गई, लेकिन बाद में उन्हें तय प्रक्रिया का पालन किए बिना हटा दिया गया।

अदालत ने याचिकाकर्ता प्रशासकों को पद से हटाने के आदेश को रद्द करते हुए पंचायती राज कानून की धारा 38 के तहत याचिकाकर्ताओं पर कार्रवाई की छूट दी है। अदालत ने कहा कि दो माह में याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनने के बाद मामले में कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अदालत ने आशा जताई है कि राज्य सरकार मामले में गौर करेगी। वहीं अदालत ने आदेश की कॉपी केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग और मुख्य सचिव को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश महावीर प्रसाद गौतम व 16 अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा व अन्य ने बताया कि सरपंचों का कार्यकाल पूरा होने के बाद विभाग ने चुनाव में देरी को देखते हुए गत 16 जनवरी को अधिसूचना जारी कर निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगा दिया। वहीं बाद में उन्हें बिना जांच और सुनवाई का मौका दिए प्रशासक पद से हटा दिया गया। याचिका में कहा गया कि उनकी नियुक्ति की अधिसूचना वैधानिक रूप से मान्य थी। ऐसे में उन्हें बिना जांच हटाना अवैध है। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि उन्हें दैनिक कार्यों के प्रबंधन के लिए प्रशासक लगाया गया था और जिस परिपत्र से उन्हें नियुक्त किया गया था, वह वैधानिक नहीं था। वहीं याचिकाकर्ताओं के खिलाफ जांच लंबित है। ऐसे में याचिकाओं को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रशासकों को पद से हटाने के आदेश को रद्द करते हुए अन्य दिशा-निर्देश दिए हैं।

सार-समाचार

स्पीच ड्राइंग प्रतियोगताओं का आयोजन

जयपुर । 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर माइनॉरिटी एजुकेशन अवेयरनेस मीट सीजन 2 की ओर से लगातार चल आ रहे क्विज कंपटीशन में इस बार एक साथ चार स्कूलों ने पार्टिसिपेट कियीं मदरसा फैज़ ए आम के क्विज कंपटीशन में चांद बीबी टीम ने बाजी मारीं फातिमा शेख दूसरे स्थान पर और सुरैया बी तीसरे स्थान पर रही। दूसरी ओर मदरसा इकरा तालीमुल कुरान मिडिल स्कूल की मौलाना अबुल कलाम आजाद रही अव्वल,सुरैया बी रही दूसरे स्थान और जीनत महल तीसरे स्थान पर रही। इसके साथ ही राज पब्लिक स्कूल और मदरसा तालीमुल कुरान में ड्राइंग कंपटीशन के साथ स्पीच कंपटीशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा को मेहमानों का दिल जीता। क्विज कंपटीशन के सभी सवाल की प्रोग्राम मैनेजर सारा इस्माईल ने बच्चों सवाल किया।

कारों के शीशे तोड़ने वाले 2 गिरफ्तार

जयपुर । शास्त्री नगर थाना इलाके में रविवार देर रात घर के बाहर खड़ी कारों के शीशे तोड़ने और हवा निकालने की वारदात का पर्दाफाश करते हुए एक नाबालिग को निरुध करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि समाज में वर्चस्व कायम करने एवं लोगों में भय पैदा करने के लिए तीनों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। बताया जा रहा है कि मुल्जिमान के खिलाफ पूर्व में मारपीट,लड़ाई एवं एनडीपीएस के आधा दर्जन मामले दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी नशे का कारोबार भी करते है। पुलिस उपायुक्त आईपीएस करण शर्मा ने बताया कि रविवार को राणा कॉलोनी में रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने घरों के बाहर खड़ी कारों के शीशे तोड़कर उसकी हवा निकाल दी थी और मौके से फरार हो गए। रविवार सुबह लोगों ने अपनी-अपनी कारों के शीशे टूट देख पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया। पुलिस ने कार के शीशे तोड़ने और हवा निकाल कर आंतक फैलाने के आरोप में परवेज (21) पुत्र नवाब अली ,व्यास कॉलोनी ,बरकती मस्जिद शास्त्री नगर निवासी व इमरान उर्फ टुंटया (19) पुत्र मोहम्मद असलम उर्फ लादेन व्यास कॉलोनी ,निवासी को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को निरुद्ध किया । करण शर्मा ने बताया कि शनिवार सुबह मामला दर्ज होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरु किया। जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी सहायता के आधार पर दोनो आरोपियों सहित एक नाबालिग को निरुद्ध किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि बदमाशों ने अपना वर्चस्व कायम करने के लिए पहले तो राणा कॉलोनी में घरों के बाहर खड़ी कारों के शीशे तोड़े। इससे कुछ दिन पहले ही अशोक नगर इलाके में स्थित अल्फा क्लब के बाहर खड़ी कारों के शीशे तोड़े।

सराफ ने किया सड़क का उद्घाटन

जयपुर । मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 148 में मोती डूंगरी गणेश मंदिर पर नई सीसी रोड का रिबिन काटकर उद्घाटन किया। पार्षद महेश सैनी ने बताया कि काफी समय से मंदिर मार्ग की यह रोड टूटी हुई थी जिससे मंदिर दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों को काफी परेशानी होती थी,लोगों की यह मांग थी कि गणेश चतुर्थी से पहले सड़क का निर्माण हो जाए, विधायक सराफ के प्रयास से नगर निगम ग्रेटर के द्वारा नई सीसी रोड का कार्य करवाया। स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों ने सराफ का माला एवं साफा पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमार सैनी जयपुर शहर उपाध्यक्ष,राजेश शर्मा,अजय सैनी,विजय सैनी वार्ड अध्यक्ष,नंदलाल सैनी.जानू राणा नरेश.पप्पू कुमावत, धनंजय, सोनू शर्मा,रामलाल सैनी, घनश्याम सैनी,मंगेश, शंकर आदि गणमान्य निवासी उपस्थित है।

अधेड़ ने एयरपोर्ट स्टाफ से की छेड़छाड़

जयपुर (कासं)। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्यरत युवती से एक अधेड़ पैसेंजर ने छेड़छाड़ की। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी यात्री को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी 16 अगस्त की रात बैंकॉक जाने के लिए एयरपोर्ट पर आया था। पुलिस के अनुसार युवती एयरपोर्ट पर अपना काम कर रही थी। आरोप है कि इस दौरान उसने युवती से छेड़खानी की। सीआईएफएफ के जवानों ने अधेड़ यात्री को पकड़कर एयरपोर्ट थाना पुलिस को सौंप दिया। इस संबंध में 20 वर्षीय पीड़िता ने मामला दर्ज करवाया है। प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि आरोपित एक प्राइवेट स्कूल में टीचर है। वह बैंकॉक जाने के लिए एयरपोर्ट पर आया था। उसका बैंकॉक घूमने का प्लान था। पुलिस ने बताया कि ज्योति नगर निवासी 54 साल का व्यक्ति बैंकॉक की फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट आया था। एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर खरीदारी के दौरान आरोपित ने युवती के साथ छेड़छाड़ की। आरोपित शराब के नशे में था। युवती के शोर मचाने पर सीआईएफएफ के जवानों ने आरोपित को पकड़ा और एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। एयरपोर्ट थानाधिकारी संदीप बसेरा ने बताया कि सीआईएफएफ की ओर से उन्हें आरोपित सौंपा गया था, जिसे शांति भंग में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पीड़ित युवती की शिकायत पर छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़िता के बयान पर मौका मुआयना (नक्शा) और अन्य कागजी कार्रवाई की जा रही है। आरोपित पुलिस कस्टडी में है। कार्रवाई के बाद छेड़छाड़ के मुकदमे में गिरफ्तार किया जाएगा।

अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों का राष्ट्रीय अधिवेशन 10-11 सितंबर को जयपुर में

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार और सहकार भारती के संयुक्त तत्वावधान में अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों का राष्ट्रीय अधिवेशन 10 और 11 सितंबर को जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में होगा। अधिवेशन में देशभर के 500 अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों के तकरीबन 1000 प्रतिनिधि भाग लेंगे। इनमें अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशक मुख्य कार्यकारी अधिकारी की भी उपस्थिति रहेगी। आयोजन में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक के साथ-साथ कई विशिष्ट अतिथि होंगे। दो दिवसीय अधिवेशन में बैंकिंग क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और चुनौतियां, भविष्य की संभावनाए. वित्तीय जोखिम, साइबर सुरक्षा, बैंक क्षेत्र में नवाचार के प्रयोग जैसे विषयों पर चर्चा तथा विशेषज्ञो का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। अधिवेशन में भाग लेने के लिए पंजीयन की प्रक्रिया जारी है। आयोजन के पांच सदस्यीय टीम गठित की गई है।

अनूप मिश्रा मुख्यालय शाखा अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

जयपुर । राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के द्वितीय चरण के चुनाव में शाखा मुख्यालय के शाखा अध्यक्ष पद पर अनूप मिश्रा निर्विरोध निर्वाचित हुए। संघ के संयुक्त महासचिव गोविन्द नाटाणी ने बताया कि 18 अगस्त को मुख्यालय शाखा अध्यक्ष पद के लिए मण्डल मुख्यालय में चुनाव पर्यवेक्षक सुभाष चंद यादव, दारा सिंह, सरोज जैन द्वारा कराये गए। चुनाव में एक मात्र आवेदन प्राप्त होने पर अनूप मिश्रा को शाखा अध्यक्ष मुख्यालय पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। निर्वाचित अध्यक्ष मिश्रा को संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष दशरथ कुमार द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। महामंत्री प्रदीप शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद द्वारा नव निर्वाचित मुख्यालय अध्यक्ष अनुप मिश्रा को शुभकामनाएं दी गई।
मिश्रा द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि मण्डल हित एवं कर्मचारी हित में अपना योगदान देते रहेंगे एवं समय-समय पर मण्डल हित एवं कर्मचारी हित के लिये आवाज उठाते रहेंगे। इस अवसर पर जयपुर स्थित वृत्त कार्यालयों के शाखा अध्यक्षों सहित प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहन सिंह, संयुक्त महासचिव रमेश चन्द शर्मा, संगठन मंत्री रामदयाल गुर्जर, कार्यालय मंत्री मो. युसूफ खान और प्रचार मंत्री मनुज ठाकुर सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार ने 411 लाख रु.रिलीज किए

जयपुर । भारत सरकार की केंद्रीय प्रवर्तित योजना-राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत राजस्थान सरकार के पशुपालन विभाग को लाइवस्टॉक हेल्थ डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के लिए 411.03 लाख रुपए की राशि केंद्र सरकार ने रिलीज कर दी है। इस संबंध में राज्य के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने विगत दिनों नई दिल्ली में केंद्रीय पशुपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उक्त राशि रिलीज करने के संबंध में डीओ लेटर सौंपा था।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह के आदेश पर यह राशि जारी की गई है। पशुपालन मंत्री कुमावत ने बताया कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत राजस्थान में खुरपका-मुंहपका रोग, बुरसेला रोग, पीपीआर रोग उन्मूलन कार्यक्रम व क्लासिकल स्वाइन फीवर रोग नियंत्रण कार्यक्रम के लिए इस राशि का उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष-2025-26 के लिए अब तक कोई राशि नहीं प्राप्त हुई थी।

मुरलीपुरा में स्कॉर्पियो कार से मजदूर को कुचलने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । मुरलीपुरा इलाके में कार से एक मजदूर को कुचलने वाले चालक और अन्य के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम आरोपितों की तलाश में सीकर के श्रीमाधोपुर, नागौर और दिल्ली में दबिश दे रही है। हालांकि पुलिस टीम ने स्कॉर्पियो कार को जब्त कर कार चलाने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि कार से एक मजदूर को कुचलने वाले चालक और अन्य के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

साथ ही कार चलाने वाले आरोपित कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया हैं। वहीं मारपीट करने वाले सुभाष और एक अन्य व्यक्ति की तलाश पुलिस टीमें कर रही हैं। इस घटना के बाद आरोपित कार लेकर जयपुर से बाहर निकल गए थे। पुलिस की तीन टीम जगह-जगह आरोपित युवकों की तलाश में दबिश दे रही है। ब्रिजा कार के शीशे तोड़ने वाले, हथियार दिखाकर धमकाने वाले और मजदूर पर जानकर बूझकर कार चढ़ाने वालों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। वारदात मे शामिल सभी आरोपी जल्द से जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इस मामले में दो मामले दर्ज है जिसमें ब्रेजा कार चालक राजेश यादव की रिपोर्ट पर अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है तो वहीं एक अन्य एफआईआर मृतक यूपी निवासी चंद्रशेखर की पत्नी की ओर दर्ज की गई हैं। जिसमें कार चालक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया हैं।

'स्वदेशी 4 जी तकनीक पर आधारित सेवाओं से बीएसएनएल ग्राहकों को मिलेगा बेहतर अनुभव'

जयपुर । बीएसएनएल बोर्ड के निदेशक संदीप गोविल ने जयपुर में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का आंकलन करने हेतु ड्राइव टेस्ट किया। इस दौरान उन्होंने मोबाइल कॉल्स को विभिन्न परिस्थितियों में परखा और वास्तविक उपभोक्ता अनुभव का जायज़ा लिया। गोविल ने बीएसएनएल के स्वदेशी सहयोगी टीसीएस, तेजस एवं सी-डॉट के साथ गहन बैठक की तथा नेटवर्क सुधार और उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राहक शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर मोबाइल डेटा और वॉइस सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

बीएसएनएल बोर्ड के निदेशक संदीप गोविल ने जयपुर में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का आंकलन करने के लिए ड्राइव टेस्ट किया।

निदेशक ने आईएमएस सेंटर का भी दौरा किया। यह केंद्र बीएसएनएल राजस्थान के 4जी उपभोक्ताओं को न्र्दथ्ऊ सेवाएं प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर बीएसएनएल राजस्थान के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने बताया कि बीएसएनएल ने अपने 4जी नेटवर्क के परीक्षण के लिए अगस्त माह में मात्र 1 रु. का 'फ्रीडम प्लान' लॉन्च किया है। इस योजना के अंतर्गत ग्राहकों को एक माह तक प्रतिदिन 2 जीबी डेटा एवं अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मालवीय ने कहा कि बीएसएनएल राजस्थान, स्वदेशी तकनीक पर आधारित 4जी सेवाओं से ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी विस्तार व्र उपभोक्ता अनुभव सुधारने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह पहल 'कनेक्टिंग द अनकनेक्टेड' मिशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बैंगलुरू भेजा जा रहा 749 किलो अवैध मांस जयपुर एयरपोर्ट से जब्त

जयपुर । ग्रेटर नगर निगम की पशु प्रबंधन टीम ने सांगानेर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए 749 किलो अवैध मांस को जब्त किया और डंपिंग यार्ड में डलवाकर नष्ट किया। बताया जा रहा है कि पशु प्रबंधन टीम को सूचना मिली थी कि जन्माष्टमी पर सांगानेर एयरपोर्ट पर अवैध रूप से बकरे का मांस 19 कार्टून में भरकर बेंगलुरू भेजा जा रहा है, इस पर टीम ने यहां कार्रवाई की। निगम टीम ने मौके पर पहुंचकर बकरे के मांस से भरे 749 कार्टन जब्त किए और एयरपोर्ट अथॉरिटी से इन्हें वापस लेकर डंपिंग यार्ड पर डलवाकर रसायनिक विधि से नष्ट कराया। कार्रवाई के दौरान एयरपोर्ट पर तैनात प्राइवेट सिक्यूरिटी एजेंसी के गार्ड ने निगम टीम ने दुर्व्यवहार भी किया, परन्तु प्रभारी अधिकारी डॉक्टर राकेश कलोरिया पीछे नहीं हटे। उन्होंने बहादुरी दिखाते हुए अवैध मीट को डंपिंग यार्ड में ले जाकर नष्ट कराया। इस प्रकार की यह पहली कार्रवाई है कि अवैध रूप से जा रहे मीट को एयरपोर्ट से जप्त किया गया, इनके पास किसी भी प्रकार का कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। कार्यवाही के दौरान टीम में प्रभारी एवं कर्मचारीयों का सराहनीय योगदान रहा।

ग्रेटर नगर निगम की पशु प्रबंधन टीम ने सांगानेर एयरपोर्ट पर दबिश देकर अवैध मांस से भरे 19 कार्टन जब्त कर नष्ट कराये।

बिंदायका पेट्रोल पंप पर सैल्समेन से मारपीट

जयपुर । बिंदायका इलाके में पेट्रोल पंप पर सेल्समैन से मारपीट कर रुपए लूट की वारदात की गई। युवक बोतल में पेट्रोल भरवाने की जिद कर रहा था। सेल्समैन ने मना किया तो दोस्तों को बुलाकर वारदात की। यह मामला सिरसी रोड पर मामा फिलिंग स्टेशन का है। एक युवक को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार पेट्रोल पंप मालिक जगदीश मामला दर्ज करवाया है कि बाइक से एक युवक आया और बोतल में पेट्रोल डालने की जिद करने लगा था। सेल्समैन ने पेट्रोल देने से मना कर दिया। इसके बाद बाद युवक बाइक को छोड़कर अपने दोस्त बुलाकर लाया। कार से आए उसके दोस्तों ने पहले सेल्समैन के साथ मारपीट की।

दो करोड़ की मिट्टी खुदाई के टैंडर में 2 फर्मों की समान रेट आई, अब ठेका पाने की जुगाड़ में जुटे दोनों ठेकेदार

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के 2 करोड़ की मिट्टी खुदाई के काम में एक ही टैंडर दो समान रेटों पर खुल गया। अब समान दर डालने वाले ठेकेदार इसे पाने की जुगाड़ में जुट गए हैं। इसके लिए-अपने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहे है।

■ वित्त निदेशक 2 बार इसी तरह के टैंडर ज्यादा दर आने के कारण कर चुके हैं निरस्त, अब भी करें तो होगा जे.डी.ए. को फायदा

सूत्रों के मुताबिक जयपुर विकास प्राधिकरण की जोन-12 में अवंतिका विहार योजना है। यहां जेडीए की योजना में बसी कालोनी में प्लाटों का लेवल करने के लिए लगभग 2 करोड़ का टैंडर निकाला गया था। बताया जा रहा है कि जयपुर विकास प्राधिकरण जल्द ही खुली नीलामी के जरिए इन स्कीम में जमीनें बेचेगा। ऐसे में यहां जमीनों के समतलीकरण के लिए भी एक फर्म को केदार विहार में काम दिया हुआ है, जिसे सरकारी जमीन की ऊंची और उबड़-खाबड़ जमीन को समतल करने तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों से मिट्टी खोदकर खड्डे अथवा निचले क्षेत्रों में जेडीए के प्लॉट्स में डालनी है।

बताया जा रहा है कि इस काम को लेने के लिए पांच ठेकेदारों ने टैंडर भरा था। ऐसे में करीब 35 फीसदी कम रेट ठेके में सामने आयी। परंतु दो फर्मों ने एक समान रेट भरी, जिसमें निशिता एंटरप्राइजेज 35.99 और आर्यन कंस्ट्रक्शन की रेट 35.99 आई है। अब ये दोनों फर्मे टैंडर लेने की जुगाड़ में जुटी हुई है। इन्होंने पहले ही निर्धारित दर से कम रेट पर बिड डाली है। अब दोनों फर्में इससे भी कम रेट पर नेगोशिएशन को तैयार है। इसका कारण यहां बड़ी मात्रा में मिट्टी के टीले होना है। ये दोनों ठेकेदार किसी भी स्तर पर ये ठेका लेना चाहते है। सूत्रों का कहना है कि वित्त निदेशक 2 बार इसी तरह के टैंडर ज्यादा दर आने के कारण कर निरस्त चुके हैं। ऐसे में अब भी यहां ठेका निरस्त किया जायेगा तो जेडीए को राजस्व का फायदा होना तय है। इसके पीछे सीधा सा कारण यह है कि इस टैंडर में शामिल होने वाली तमाम फर्मों की रेट खुल चुकी है, ऐसे में अगर दुबारा टैंडर किए जाते हैं तो संभावना है कि दरें और भी कम प्राप्त हो, जिससे जेडीए को राजस्व का फायदा होगा।

गौरलब है कि जोन-12 स्थित केदार विहार और अवंतिका विहार में इन दिनों मिट्टी के अवैध खनन और रेत माफिया द्वारा मिट्टी के डंपर भरकर बाहर ले जाने का मामला भी सामने आया है।

डॉक्टरों ने दुर्लभ ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित महिला का इलाज किया

जयपुर । इक्कीसवीं सदी में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में दुर्लभ बीमारियों और उनके उपचार विकल्पों के बारे में जागरूकता बढ़ी है। इसके बावजूद, कुछ ऐसी स्थितियाँ हैं जो तब तक छिपी रहती हैं जब तक कि वे अक्षम और जानलेवा न हो जाएँ।

सीकर निवासी 42 वर्षीय गृहिणी अनीता चौधरी अपने परिवार और बच्चों की देखभाल में व्यस्त रहती थीं। उन्हें दाहिनी आँख में दृष्टि संबंधी गड़बड़ी दिखाई देने लगी, जो महीनों से बहुत ही सूक्ष्म थी, लेकिन पिछले एक महीने से दाहिनी आँख की दृष्टि में तेजी से गिरावट आई और बाईं आँख में भी दृष्टि संबंधी गड़बड़ी शुरू हो गई। उनको आँख की रोशनी में कमी के साथ साथ सिरदर्द, व्यक्तित्व में बदलाव और सूंघने की क्षमता के कमी भी महसूस होने लगी।

उनके परिवार के सदस्यों के अनुसार, गिरते स्वास्थ्य के कारण उन्हें न केवल परिवार के सदस्यों की, बल्कि खुद की भी देखभाल करने में कठिनाई होने लगी थी। उन्होंने सीकर में परामर्श लिया और एमआरआई ब्रेन में कपाल के अग्र भाग में 6.5 सेमी का विशाल ब्रेन ट्ययूमर दिखा। ट्यूमर प्रमुख

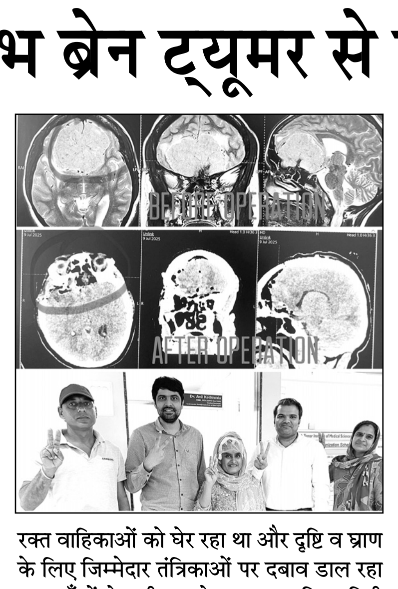

रक्त वाहिकाओं को घेर रहा था और दृष्टि व घ्राण के लिए जिम्मेदार तंत्रिकाओं पर दबाव डाल रहा था। आँखों के परीक्षण से पता चला कि दाहिनी आँख में लगभग अपरिवर्तनीय क्षित हुई है और बाईं आँख में सूजन बढ़ रही है। रोगी ने उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में कई डॉक्टर से राय ली, लेकिन उसे सलाह दी गई कि यह उच्च जोखिम

■ सर्जरी से आंख की रोशनी वापस पाने में मदद मिली

वाली सर्जरी है और अगर ब्रेन ट्ययूमर निकाल भी दिया जाए, तो भी दृष्टि में सुधार की संभावना न के बराबर होगी।

जयपुर में डॉ. अनिल कोठीवाला (न्यूरोसर्जन) और डॉ. रवि जाखड़ (न्यूरोलॉजिस्ट) की देखरेख में कंट्रास्ट स्कैन और एंजियोग्राफी के माध्यम से रोगी का विस्तार से मूल्यांकन किया गया। आगे के उपचार के जोखिमों और लाभों पर चर्चा करने के बाद, रोगी और उसके परिवार के सदस्य ब्रेन ट्ययूमर की सर्जरी कराने के लिए सहमत हो गए। 10 घंटे तक चली सर्जिकल प्रक्रिया में सभी महत्वपूर्ण रक्त वाहिकाओं और तंत्रिकाओं को सुरक्षित रखते हुए ट्ययूमर को सफलतापूर्वक जड़ से हटा दिया गया। सर्जरी के उसी दिन रोगी राहत की साँस लेकर होश में आई। ऑपरेशन के अगले दिन रोगी ने स्वयं डॉ. अनिल कोठीवाला को बताया कि वह दो फीट तक देख पा रही है, जो रोगी और उसके परिवार के सदस्यों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था।

जयपुर के एनएचबीएच अस्पताल में कार्यरत डॉ. रवि जाखड़ (न्यूरोलॉजिस्ट) ने बताया कि इस तरह के ट्ययूमर सुबह के सिरदर्द, भूलने की बीमारी जैसे बहुत हल्के लक्षणों के साथ आते हैं, जिन्हें अक्सर व्यस्त जीवन शैली में नजरअंदाज कर दिया जाता है। डॉ जाखड़ ने कहा कि आंख की रोशनी में गड़बड़ी, उल्टी या व्यक्तित्व की गड़बड़ी के साथ सिरदर्द को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। डॉ. अनिल कोठीवाला (न्यूरोसर्जन) ने बताया कि माइक्रोन्यूरोसर्जिकल ट्यूमर एक्सीजन ज्यादातर मामलों में उपचारात्मक इरादे से सुरक्षित रूप से किया जा सकता है। डॉ. कोठीवाला ने 10 घंटे लंबी सर्जरी के लिए न्यूरोलॉजी और एनेस्थीसिया ऑपरेशन थिएटर टीम से अच्छे सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने आगे बताया कि ट्ययूमर सर्जरी के साथ-साथ योजना इस तरह से बनाई गई थी कि माथे पर अच्छे कॉस्मेटिक परिणामों के साथ खोपड़ी के बाल भी बचे रहे। मरीज दो-तीन हफ्तों में सामान्य जीवन में फिट होने में सक्षम है।

परकोटे के विकास के लिए अब तक बनाई गई योजनाओं और कार्रवाई का ब्यौरा पेश करे राज्य सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि वह शहर के परकोटे के विकास के लिए अब तक बनाई गई सभी योजनाओं व उन पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्रमबद्ध तरीके से 17 सितंबर तक अदालत में पेश करें। अदालत ने कहा कि यह मामला केवल हल्दियों के रास्ते सहित अन्य जगहों पर आवासीय इलाके में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अदालत अब पूरे परकोटे के विकास व उसमें आने वाली समस्याओं को इस याचिका के तहत सुनेगी। जिससे कि इसी मामले में परकोटे में जलभराव, पार्किंग की समस्या व ट्रैफिक सहित अन्य समस्याओं का निवारण हो सके।

जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश परकोटे के हल्दियों के रास्ते सहित अन्य जगह पर आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों के मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान न्यायमित्र अधिवक्ता शोभित तिवाडी ने कहा कि यह मामला पूर्व में परकोटे के रिहायशी क्षेत्र में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों तक सीमित था, लेकिन बाद में इसमें अवैध निर्माण को भी शामिल किया गया। जिस पर खंडपीठ ने कहा कि इस मामले को परकोटे के विकास व समस्याओं के निवारण तक बढ़ाया जाना उचित होगा। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने हल्दियों के रास्ते में व्यावसायिक गतिविधियों के मामले में 25 फरवरी को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह पूरी तरह से अवैध तौर पर चिन्हित 19 भवनों को तत्काल सील करे। इसके साथ ही कहा था कि रिहायशी क्षेत्र में अवैध निर्माण होना व व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना कानूनी प्रावधानों की अवहेलना है। हाईकोर्ट के प्रसंज्ञान के बाद निगम ने परकोटे के भवनों की 3 सूची बनाई थी।

Honouring the Spirit of Flight

National Aviation Day, observed annually on August 19, celebrates the history, achievements, and future of aviation. Established in 1939 by President Franklin D. Roosevelt, the day coincides with the birthday of Orville Wright, one of the pioneers of powered flight. It recognizes the technological advancements that transformed travel, commerce, and global connectivity. On this day, people reflect on the progress from early experimental aircraft to modern aviation innovations, while educational events and museum visits inspire interest in aerospace careers. National Aviation Day highlights human ingenuity and the enduring quest to explore the skies.

#DNA

The Story of Khutulun

The Badass Granddaughter of Genghis Khan.

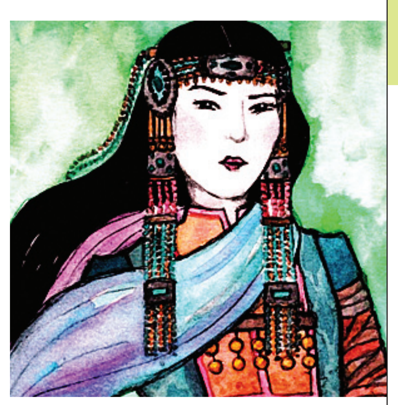

When people think of Genghis Khan, the fearsome Mongol conqueror who built one of the largest empires in history, they often imagine battles, horses, and a relentless army of warriors. But behind the mighty conqueror was a family of fierce individuals, none more badass than his granddaughter, Khutulun, a Mongol princess and warrior whose legacy rivals that of any legendary fighter.

A Warrior Princess Like No Other

Born in the 13th century, Khutulun was the daughter of Kaidu, a grandson of Genghis Khan, and grew up amid the vast Mongol steppes, a place where strength and skill in battle were the keys to survival. From a young age, Khutulun proved herself to be an exceptional horsewoman, archer, and wrestler, a rare combination even among Mongol men.

Her physical prowess was legendary. Historical accounts, including those of the Venetian explorer Marco Polo, describe how Khutulun challenged suitors to wrestling matches and promised to marry only the man who could defeat her. Unsurprisingly, none succeeded. Instead, as a wager, she demanded that each defeated suitor give her his horse, amassing a stable of over 10,000 horses, an incredible symbol of her dominance and independence.

Defender of the Mongol Empire

Khutulun was not just a sportswoman; she was a key military leader and strategist. She fought alongside her father in battles to defend their territory and played a critical role in maintaining the power of their faction during turbulent times. Her reputation as a fearless warrior struck fear into enemies and earned her respect among allies.

Unlike many women of her time, Khutulun commanded troops, participated in warfare, and had significant influence in Mongol politics. She challenged the traditional gender roles of the era, carving out a space for women in leadership and combat.

Legacy of Strength and Independence

Khutulun's story is not just one of strength but also of fierce independence. She chose her path on her own terms, rejecting marriage proposals unless her suitor proved his worth, and prioritizing her role as a warrior and leader over societal expectations. Her legacy has inspired countless stories, books, and films that celebrate her as one of history's most badass women. She stands as a testament to the fact that courage and leadership know no gender.

Why Khutulun Matters Today

In a world still grappling with gender norms and the recognition of female strength, Khutulun's story resonates powerfully. She was a woman who not only survived but thrived in a male-dominated world, reshaping what it meant to be a leader and warrior. By remembering Khutulun, we honour a lineage of women warriors and leaders who have been too often forgotten by history. She reminds us that power, skill, and bravery are universal qualities that transcend time and culture.

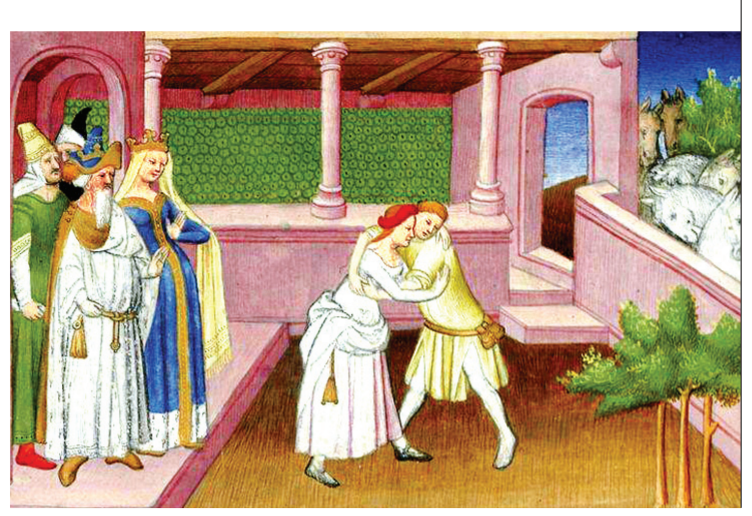

Leonid operates on himself.

The team of people helping her sew her wound back up after taking the sample.

Dr. Evan O'Neill Kane.

Self catheterization by Werner Frossmann.

Surgery? Do It Yourself!

Leonid Rogozov successfully performed an appendectomy on himself during a Soviet Antarctic expedition as he was the only physician available. He was a twenty-seven-year-old and was to serve on the team of thirteen as their only doctor. After several weeks on the expedition, he noticed symptoms of weakness, fever, nausea and pain in his right lower quadrant of the belly: all classic signs of appendicitis. As a surgeon who had routinely performed appendectomies, he could identify the symptoms easily and he knew that the only way to treat his ailment was to undergo an operation. He faced two problems, he was the only medically qualified person on the expedition and he could not be flown out because of several severe storms. As the days passed, his condition worsened and the available treatments (cooling, antibiotics) did nothing to rectify his deteriorating status.

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

Have you ever wondered who amongst us human beings will use a sharp instrument against another? For me, there are only two types that come to the mind readily. The person must be either a demented person capable of murder or a surgeon. The murderer has got such a deranged mind that this action is done deliberately and without remorse. The action is premeditated to do harm or kill. For a surgeon, on the other hand, the moment they first wield the scalpel is a complex and often overwhelming experience, a confluence of awe, responsibility and a touch of trepidation. It's a rite of passage that marks the culmination of years of rigorous training and the beginning of a profound journey into the intricate world of the human body.

I recall the first time I wielded my scalpel on a human being. I was already a resident and in the second year of my training as a surgeon. I had by the time watched and assisted many surgeries. It began with lancing an abscess to major surgeries requiring many hours. This process gradually calmed the qualms of doing harm to the human body. Seeing blood flow from the wound created did not evince the common response of having done harm but a feeling of a controlled effort to do good! Alongside the awe, a palpable fear is almost universally present. It's not a paralysing fear, but a healthy dose of apprehension. The fear is of making a mistake or causing unintended harm and of not living up to the immense responsibility. Every incision carries consequences and the young surgeon is acutely aware of the patient's vulnerability and the trust they have placed in them. This fear often drives meticulousness and a heightened sense of focus.

It is an experience which is hard to describe. For a common person, the skin is soft delicate surface which is easily damaged. It comes as a surprise when the scalpel is wielded on the skin that it is not so delicate after all. A fair amount of controlled force is required to breach it. The first act of surgery is to learn the right amount of force required. With practice, it becomes such a smooth step that the observer never realises the internal bracing that the surgeon has to go through each time an incision is made. The incision is not all. In the later phases, the surgeon learns to recognise each tissue and organ by feel, touch and vision. The handling takes a long time to learn. Therefore, in the surgeon's circle, the recognition of being good is determined in the gentleness and respectful manner each tissue is dealt with. The healing also will be reflected by the tissue handling. While perhaps, not an immediate burst of elation, there is a profound sense of satisfaction and a quiet joy. It's the joy of finally being able to apply their knowledge and skills to directly help another human being. It's the culmination of a long and arduous journey and the first cut signifies the practical application of their life's calling. There's also immense relief. A sense of 'I can do this' that gradually builds as they navigate the initial steps of the procedure. For many, it's a moment of intense focus, almost meditative. The noise of the operating room fades and the surgeon becomes acutely aware of the delicate dance between their hands and the patient's tissues. It's a moment that irrevocably changes them, marking their transformation from student to healer.

Normally, surgery is done by surgeon on a patient. There are a few occasions when the surgeon operates upon oneself. While highly unusual and generally discouraged due to the inherent risks and ethical considerations, there have been rare and remarkable instances of surgeons performing procedures on themselves. This is often out of necessity or in extreme circumstances. These acts highlight an extraordinary level of courage, self-reliance, and sometimes, desperation.

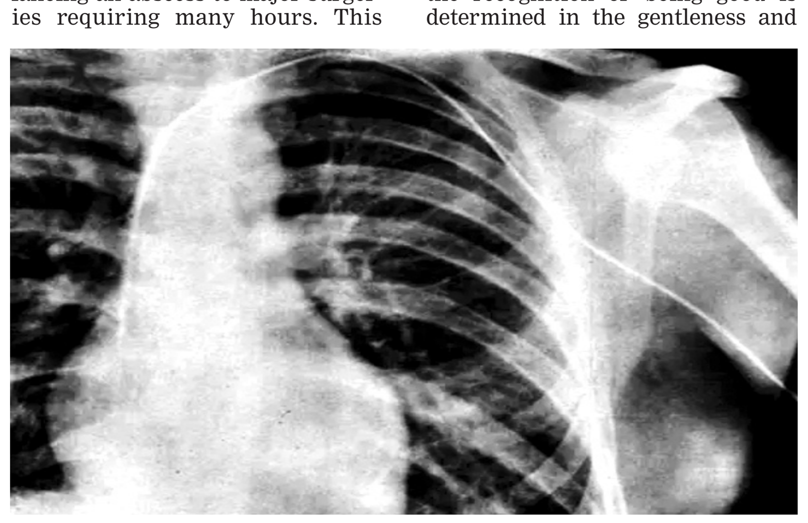

Werner Forssmann catheter almost at the required site, an operation on himself.

#THE BRAVE

Leonid Rogozov.

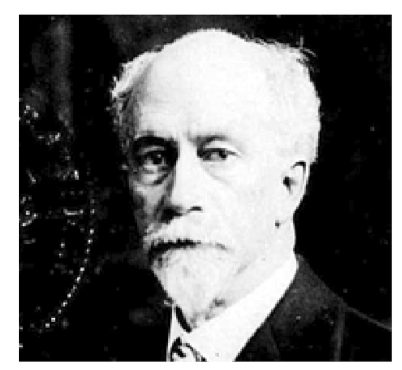

Dr. Evan O'Neill Kane.

Werner Forssmann.

Leonid Rogozov successfully performed an appendectomy on himself during a Soviet Antarctic expedition as he was the only physician available. He was a twenty-seven-year-old and was to serve on the team of thirteen as their only doctor. After several weeks on the expedition, he noticed symptoms of weakness, fever, nausea and pain in his right lower quadrant of the belly: all classic signs of appendicitis. As a surgeon who had routinely performed appendectomies, he could identify the symptoms easily and he knew that the only way to treat his ailment was to undergo an operation. He faced two problems, he was the only medically qualified person on the expedition and he could not be flown out because of several severe storms. As the days passed, his condition worsened and the available treatments (cooling, antibiotics) did nothing to rectify his deteriorating status.

His extenuating circumstances and unwillingness to die without trying to live left him with one choice, he was to perform the surgery on himself.

He began instructing his expedition team on how to create an operating theater out of his living space, moving all unnecessary objects out and sterilising the instruments he would need to operate. He selected three crew members to be in the room with him while he operated: one to hold a mirror and adjust the table lamp, one to hand him tools, and one as a reserve in case the other two were overcome with nausea. He sterilised his instruments himself and instructed them on how to revive him with epinephrine, if he lost consciousness. On May 1, 1961 at about 2 A.M. local time, he injected himself with a local anesthetic, made the first 10-12 cm incision and the surgery began. About 30-45 min into the surgery, he grew very weak and began taking 20-25 mnts breaks every 4-5 min until he found the appendix. Upon identifying it, he found a dark stain at its base, indicating to him that if it had not been taken out, it would have ruptured within the next day.

The day after the surgery, his temperature rose slightly and his condition was described as poor, but after two weeks on an antibiotic regimen, all signs of local peritonitis disappeared and he was able to go back to work. The team returned to Leningrad more than a year later. Until his death in 2000, he taught and worked in the Department of Surgery in the First Leningrad Medical Institute. When asked about the surgery he performed on himself, Dr. Rogozov would simply smile and respond, "A job like any other, a life like any other."

Dr. Jerri Nielsen (1999), American physician, stationed at the Amundsen-Scott South Pole Station discovered that she had breast lump looking like a cancer. Trapped at the isolated base during the Antarctic winter, she performed a biopsy on herself using limited medical supplies and with the remote guidance of doctors in the United States. She then administered her own chemotherapy. While not a full surgical operation, it was a remarkable act of self-diagnosis and self-treatment under extreme conditions. It remains another great chapter in 'Self-Surgery.'

Dr. Evan O'Neill Kane (1921 and 1932), An American surgeon famously performed an appendectomy on himself in 1921 to prove the efficacy of local anesthesia. He repeated a similar feat in 1932, at the age of 70, by repairing his own inguinal hernia. These acts were not born of necessity but rather a desire to demonstrate medical advancements and to understand the patient's experience.

These extraordinary cases underscore the unique dedication and resilience that can be found within the medical profession, pushing the boundaries of what is considered possible when faced with no other alternative. However, it's crucial to reiterate that such self-surgery is an extreme measure, almost always fraught with higher risks than if performed by another skilled professional.

Werner Theodor Otto Forssmann was the father of cardiac catheterisation. In 1922, he attended the University of Berlin to study medicine. During his training, one of his professors, Dr. Kopsch, suggested the idea of reaching the heart 'atraumatically via the vasculature.' He pursued this idea, and during his time in Berlin, he developed a technique for catheterising the heart. He was interested in finding a way to decide definitively whether a mitral valve defect should be operated on or not. He believed there was a way to find a safe pathway to the heart without giving general anaesthesia or surgically entering the chest. After discovering an article in which the inside of a horse's ventricle (heart) was reached via the internal jugular vein in the neck, he decided that using a ureteric catheter (a thin pipe which is used to enter the urinary passage through an endoscope) via the cubital (elbow) vein would be the best approach.

He formulated a detailed plan and presented it to the chief of surgery, who refused to approve experimental surgery on his patients. He then approached the operating room nurse with his idea, who agreed to oversee the surgical equipment he would need for this procedure. She offered her support and even volunteered to be the first subject to be catheterised. But he did not accept her proposal.

In 1929, Dr. Forssmann set out on the procedure on himself. Only after he had advanced the catheter about 30 cm and covered the wound with sterile tissue, he decided to go to the X-ray Department to check the position. After the first set of images, he saw the catheter was at his shoulder level. So, he advanced it about a further 30 more cm until he could see the tip of his right heart cavity.

Although Forssmann was scolded for proceeding without approval, he was commended and allowed to catheterize a terminally ill woman to administer medication to the right ventricle in a way that was more effective than intravenous administration. He submitted a controversial report on his catheterisations and it was published later the same year. Forssmann was dismissed from residency without notice only to be reinstated soon after. He was let go again because he did not meet scientific expectations. Three years later, he was given a post as surgeon in Basle. To his surprise, a fully functioning catheterisation laboratory was running in the institution. He participated in their studies of the heart and presented research at various conferences.

In 1956, he was awarded the Nobel Prize for Physiology and Medicine, jointly with André Cournand and Dickinson W. Richards.

Self-surgery, especially when performed by those who are knowledgeable in the discipline of surgery, is an incredible feat in and of itself. There is a time and a place where 'self-surgery' may be necessary due to circumstances. The act of one taking on the role of both surgeon and patient, either to save their own life or alleviate their own discomfort is truly unique. In these cases, self-surgery has allowed surgeons to gain perspective of what it is like to be under the knife. Doing this has not only made memorable historical accounts but has also made changes to the way that surgery is performed and anesthesia is administered. All of these historical self-surgeries have contributed to surgical knowledge and advanced the field of surgery. In the end, with the advances the need for self surgery has not arisen for nearly seventy years.

rajeshsharma1049@gmail.com

Physician Jerri Nielsen at the ceremonial South Pole marker.

#CULTURE

The Diamonds Of Vijayanagara

A Glimpse into a Forgotten Gem Trade Empire!

In the heart of southern India, the grand city of Vijayanagara once stood as a beacon of wealth, culture, and power. Among the many marvels of this medieval empire was its legendary diamond trade, which drew the attention of merchants, explorers, and chroniclers from across the world. One such visitor was the 15th-century Italian traveler Niccolò de' Conti, who left behind vivid accounts of the city's immense prosperity, highlighting, in particular, its dazzling wealth in diamonds.

Conti's travels took him across Asia between 1414 and 1439, and his writings provide one of the earliest European glimpses into South India's trading prowess before the Portuguese arrived. When he reached the Vijayanagara Empire, then at the height of its glory, Conti was astonished by the city's opulence. Among the many wonders he described, the diamond markets of the region left a lasting impression.

According to Conti, the kingdom had access to incredibly rich diamond mines, and the gems were not only plentiful but of extraordinary quality. While he didn't specify the exact locations, it is widely believed he was referring to the famed mines of the Krishna River Valley, including Kollur and nearby regions in present-day Andhra Pradesh. These mines were among the only known diamond sources in the world at the time, long before diamonds were discovered in Africa or Brazil. The diamonds of Vijayanagara were traded extensively across India, the Middle East, and as far as Europe and Southeast Asia. Merchants from Persia, Arabia, and even China are recorded to have visited the empire's bazaars to obtain these precious stones. Diamonds, in the Vijayanagara context, were more than just luxury items. They were used in religious ceremonies, temple ornamentation, royal gifts, and diplomatic exchanges. Inscriptions and temple carvings from the time often depict diamond-studded crowns, jewelry, and deities adorned with gem-encrusted ornaments.

Italian traveler Niccolò de' Conti.

Conti's observations align with those of other foreign travelers like Domingo Paes and Fernão Nunes, who visited Vijayanagara in the 16th century. They too described the vibrant markets, the display of unimaginable wealth, and the presence of diamond dealers from across the globe. The city's immense riches were a direct result of its control over key trade routes, its strategic alliances, and its dominance of southern India's mineral resources.

Sadly, the Vijayanagara Empire met a tragic end in 1565 at the Battle of Talikota, when it was sacked and left in ruins by a coalition of Deccan sultanates. The diamond trade gradually declined, and many of the mines were eventually exhausted or fell out of use. However, the legacy of this once-great empire, and the sparkling gems that once flowed through its hands, lives on in historical accounts like those of Niccolò de' Conti.

Today, his writings offer more than a romantic tale of distant riches; they serve as a testament to India's long and complex history of global trade, craftsmanship, and cultural exchange. The diamonds of Vijayanagara were not just stones, they were symbols of an empire's brilliance, ambition, and enduring legacy.

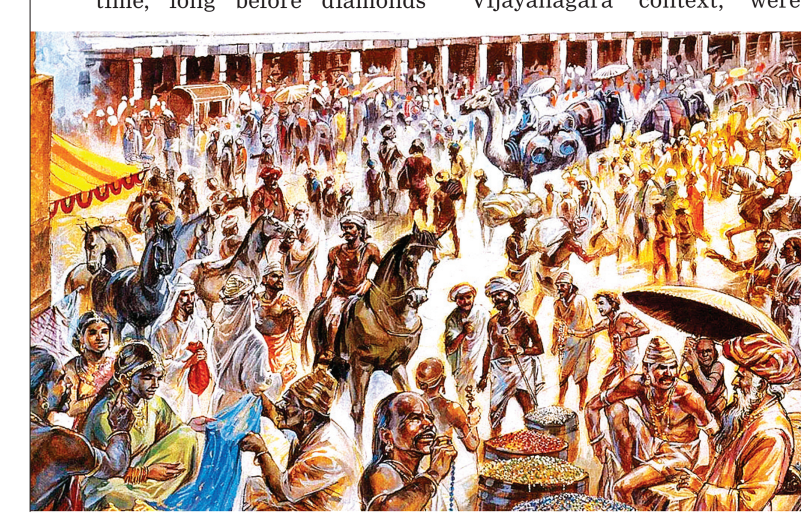

THE WALL

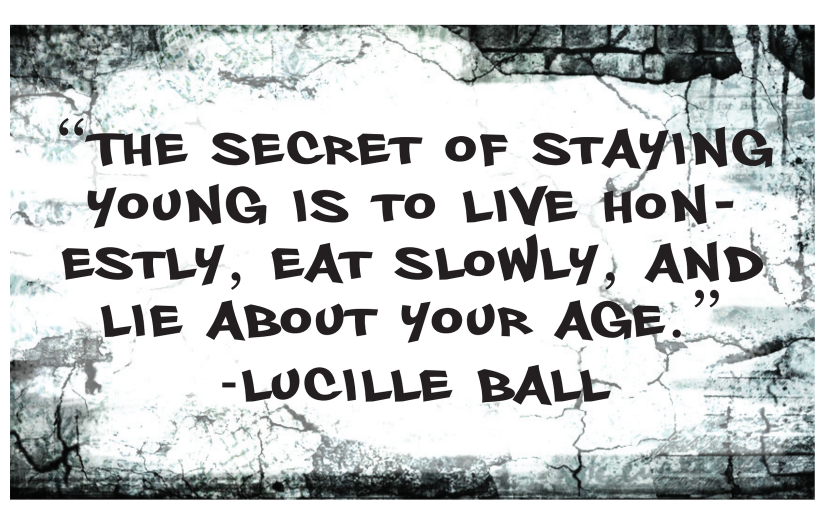

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

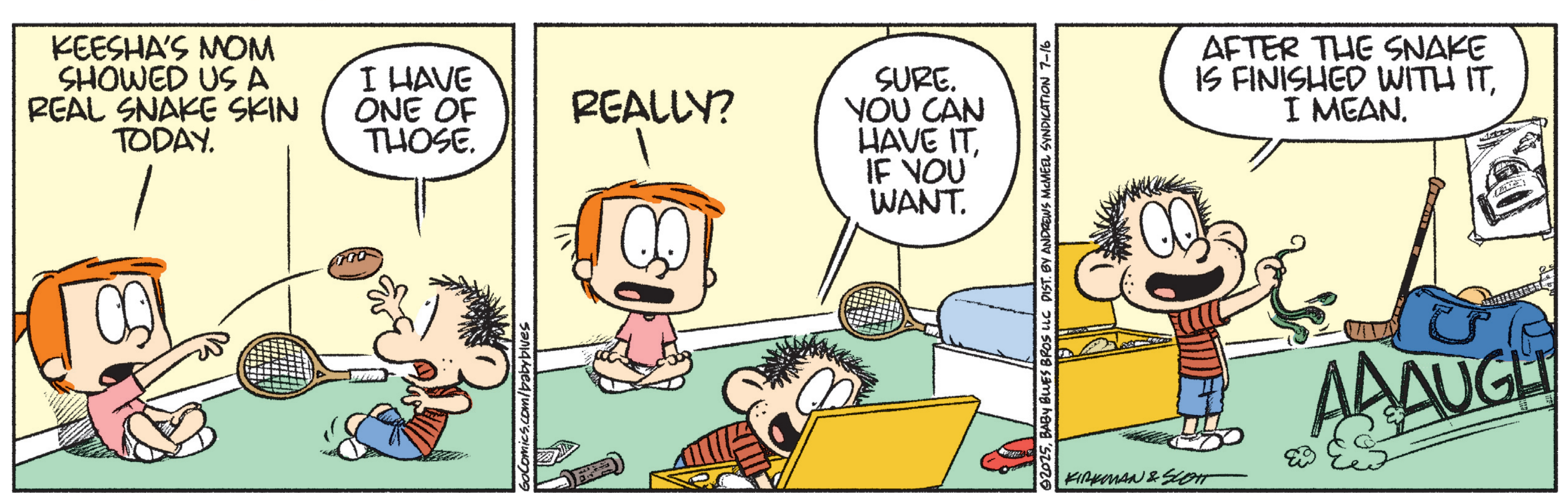

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

बालोतरा के डोली गांव में जोजरी नदी बचाओ रैली निकाली

रैली में पहुंचे सांसद हनुमान बेनीवाल, कलेक्ट्रेट के आगे धरने पर बैठे

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के डोली गांव में आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में जोजरी नदी बचाओ रैली निकाली गई। रात को तीन बजे डोली से हनुमान बेनीवाल ने अपने समर्थकों के साथ बालोतरा कलेक्ट्रेट पर कूच किया। कलेक्ट्रेट के आगे धरने पर बैठ गए। थोड़ी देर बाद कलेक्टर और एसपी ने धरना स्थल पर आकर उनका मांग पत्र लिया। प्रशासन व सरकार स्तर पर जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। सुबह साढ़े तीन बजे बेनीवाल ने धरना समाप्त किया।

जानकारी के अनुसार डोली-अराबा-कल्याणपुर समेत आसपास के गांवों में प्रदूषित पानी के स्थाई समाधान करने व वैकल्पिक तौर पर समाधान की मांग को लेकर आरएलपी सुप्रीमो अपने समर्थकों और ग्रामीणों के साथ धरना दिया। रात दस बजे तक अलग-अलग दौर में हुई वार्ता के बाद मांगों पर सहमति नहीं बन पाई। रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल धरनास्थल पर ही बैठे रहे। सांसद हनुमान बेनीवाल ने प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन से वार्ता के लिए भेजा। कई दौर की वार्ता हुई। इस दौरान सांसद ने कहा कि वार्ता के बाद तय करेंगे कि हमारा कूच बालोतरा कलेक्ट्रेट होगा या फिर जोधपुर कमिश्नरेट। रविवार देर रात करीब 1.30 बजे हनुमान बेनीवाल सैकड़ों समर्थकों के साथ डोली से बालोतरा जिला मुख्यालय के लिए रवाना हुए।

ुबह दो बजे कलेक्ट्रेट पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और घेराव किया। माहौल देर रात भी आक्रोश और विरोध से गूंजता रहा। सूचना मिलते ही कलेक्टर सुशील कुमार यादव और एसपी रमेश कुमार मौके पर पहुंचे। करीब आधे घंटे चली वार्ता के दौरान रालोपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। वार्ता के बाद सहमति बनी कि फिलहाल गंदे पानी की आवक तुरंत रोकी जाएगी, नए पानी की सप्लाई बंद होगी और स्थायी समाधान के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर निस्तारण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही बेनीवाल ने अनिश्चितकालीन धरना समाप्त करने की घोषणा की।

जोधपुर जिले की फैक्ट्रियों का दूषित पानी विगत 16 सालों से जोजरी के रास्ते बालोतरा जिला के डोली कलां, डोली राजगुरां, साहिबनगर, डोली खुर्द, अराबा दुदावतां, अराबा चैहान, अराबा पुरोहितान, निम्बाखेड़ा, अराबा नागणेचा, कल्याणपुर, सीतली, धतरवालों की ढाणी गांवों व खेतों में प्रवाहित हो रहे दूषित पानी से जनजीवन व पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर क्षति पहुंचा रहा है। दूषित पानी धवा, डोली, अराबा, कल्याणपुर क्षेत्र के गांवों में आ रहा है। इस रसायनिक दूषित पानी की पूर्ण रोकथाम की व्यवस्था निर्धारित समय में की जाए। जोजरी नदी में दूषित रसायनिक पानी को छोड़ने वाली समस्त औद्योगिक ईकाईयों पर बीएनएस की धारा 279 व अन्य धाराओं में कार्रवाई की जाए समेत विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

कलेक्टर और एसपी ने धरना स्थल पर पहुंचकर हनुमान बेनीवाल का धरना समाप्त कराया।

- कलेक्टर और एसपी ने धरना स्थल पर आकर मांग पत्र लिया, प्रशासन व सरकार स्तर पर जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया, इसके बाद हनुमान बेनीवाल ने धरना समाप्त किया

अवैध खनन पर कार्रवाई, चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

बौंली-बामनवास, (निसं)। बौंली पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध बजरी खनन, परिवहन एवं अवैध देशी शराब के खिलाफ बौंली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है एवं अवैध देशी शराब के 56 पव्वों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि थाना प्रभारी राधा रमन गुप्ता के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल उप निरीक्षक राजेंद्र गिरी, सहायक उप निरीक्षक मुरारीलाल एवं हैड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह की अलग-अलग गठित टीमों ने कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी खनन व परिवहन कर रही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को ग्राम जटावती, हरषोता व जलालपुरा से चार ट्रैक्टर-ट्रालियों को अवैध बजरी के साथ जब्त कर बौंली थाने में खड़ा करवाया। कार्रवाई के दौरान चालक आरोपी लेखराज गुर्जर निवासी पीपलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। अन्य चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। वहीं बौंली पुलिस ने गश्त के दौरान ग्राम कोडियाई से आरोपी सरोज कुमार मीणा निवासी पीलूखेड़ा खुर्द थाना मित्रपुरा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी शराब जब्त कर आबकारी एक्ट में मामला दर्ज किया है।

- एक आरोपी को गिरफ्तार किया, अन्य फरार हो गये
- वहीं अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया

बौंली पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त करने की कार्रवाई की।

चूड़ा कारोबारी ने दुकान में फांसी लगाई, मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के एक चूड़ा कारोबारी ने संदिग्ध परस्थितियों में फंदा लगाकर जान दे दी। घटना सदर बाजार स्थित उनकी दुकान में हुई। घटना का पता तब चला जब उनका बेटा दुकान पर पहुंचा। शव को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। कोतवाली पुलिस ने मृतक के बेटे की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मामले की जांच हैड कांस्टेबल महावीर प्रसाद को सौंपी गई है।

कोतवाली के ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल कृष्णलाल भारी ने बताया कि चेताली एन्कलेव निवासी 63 वर्षीय रणवीर मिढ़ा का सदर बाजार में राधे राधे जनरल स्टोर के नाम से चूड़ा का कारोबार है। उनके बेटे नीरज मिढ़ा ने परिवाद देकर मर्ग दर्ज करवाई है। बेटे के अनुसार उनके पिता हमेशा की तरह सुबह करीब नौ बजे घर से दुकान के लिए रवाना हुए थे। दोपहर 12 बजे तक उनको फोन किए तो रिप्लाई नहीं आया। इस पर वह दुकान पहुंचा। दुकान की प्रथम मंजिल में पंखे पर फंदा लगाकर पिता लटकते दिखाई दिए। इस पर उनको फंदे से उतारकर जिला अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। इस बीच चर्चाओं में आया कि व्यापारी रणवीर मिढ़ा की ओर से एक सुसाइड नोट भी लिखा गया है। लेकिन इस संबंध में कोतवाल पृथ्वीपाल भाटी ने कहा कि उनके पास परिवार की ओर से ऐसी कोई जानकारी न तो लिखित में दी है न ही सुसाइड नोट सौंपा है।

दूसरी ओर ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल कृष्णलाल भारी ने भी बताया कि उनके सामने परिजनों की ओर से ऐसा कोई तथ्य नहीं लाया गया। बेटे ने मर्ग दर्ज करने को परिवाद दिया था। मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम करवा दिया तलाशी में हमें शव से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला और न ही परिवार की ओर से सौंपा गया है।

- चर्चा है कि व्यापारी की ओर से एक सुसाइड नोट भी लिखा गया है

सेब से भरे कार्टनों का गबन करने वाला चालक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। ट्रक मालिक ने सेबों से भरे कार्टनों का गबन कर ट्रक को पलटा बताकर व्यापारी को कॉल कर बताया कि ट्रक के पलटने के बाद ग्रामीण सारा गेहूं लूटकर ले गए हैं। इसके बाद व्यापारी ने भाबरु थाना पुलिस थाने पहुंच शिकायत की।

भाबरु थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि राहुल पुत्र राधेमोहन निवासी सुविधा कुंज प्रीतमपुरा थाना मंगोलपुरी जिला नॉर्थ दिल्ली ने भाबरु थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया था कि 13 अगस्त को 713 सेबों से भरे कार्टूनों का ट्रक पराला मंडी हिमाचल प्रदेश से बैंगलोर के लिए रवाना किया था। जिसके बाद 16 अगस्त को ट्रक मालिक तौफीक ने फोन कर बताया कि ट्रक पलट गया है व सेब के कार्टूनों को आसपास के लोग उठ कर ले गए।

सूचना के बाद मौके पर सर्वेयर को भेजा गया, जहां ट्रक में सेब के 180-190 कार्टून ही होना पाया गया। बाकी का माल नहीं मिला ज्यों कि ट्रक मालिक द्वारा खुर्द बुर्द कर दिया गया। जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। इस पर भाबरु थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी का पीछा करते हुए मुलजिम तौफीक खान पुत्र अजीम खान निवासी मिर्जापुर थाना किशनगढ़ को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी चालक द्वारा गबन किए हुए 523 कार्टून सेबों से भरे हुए तथा घटना में प्रयुक्त वाहन टक जप्त किया गया। जप्तशुदा सेब के कार्टून तथा ट्रक की बाजार की कीमत 60 लाख रुपए है।

- सेब से भरे 523 कार्टन बरामद कर ट्रक भी जब्त किया

राज्य सरकार की मदद से छोगालाल का खेत हुआ समृद्ध

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार के नेतृत्व में राज्य सरकार के अंतिम छोर पर खड़े असहाय व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़कर उनकी प्रगति एवं विकास का लक्ष्य अब धरातल पर साकार होते हुए नजर आ रहा है। जिले की शाहपुरा तहसील के मालखेड़ा निवासी छोगालाल कुमावत ने अपने संघर्षों के मध्य राज्य सरकार के माध्यम से प्राप्त सहायता के जरिए लाभान्वित होने की अपनी सफलता की कहानी को स्वयं साझा किया है।

छोगालाल ने बताया कि उनके खेत पर सिंचाई का कोई स्त्रोत नहीं होने व सिचाई की व्यवस्था नहीं होने से उपजाऊ खेत होने के बाद भी वे रबी फसल में कोई उत्पादन नहीं होने से उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा था। जिले में कृषि विभाग में पदस्थापित कृषि पर्यवेक्षक कृष्ण कुमार मीणा के सम्पर्क में आने पर उन्हें खेत पर खेत तलाई का निर्माण कर वर्षा जल संग्रहण का सुझाव दिया गया। खेत तलाई अनुदान आवेदन की सलाह मिलने के पश्चात छोगालाल द्वारा खेत तलाई आवेदन पश्चात पूर्व सत्यापन व प्रशासनिक स्वीकृति जारी हुई जिसके बाद उन्होंने खेत पर खेत तलाई का निर्माण कराया, जिसके लिए कृषि विभाग द्वारा उन्हें 63 हजार रू. का अनुदान भी प्रदान किया गया। इस वर्ष वर्षा से उनके खेत पर खेत तलाई पूर्ण रूप से भर चुकी है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत 15 वर्षीय नाबालिग युवती के साथ एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने विराटनगर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। जिस पर विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पोक्सो एक्ट में अभियुक्त मुकेश उर्फ ग्यारसीलाल उर्फ गोरख्या पुत्र मानाराम बावरिया की गहनता से तलाश की जाकर गिरफ्तार किया गया। वहीं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया कि 13 अगस्त को एक परिवादी ने मामला दर्ज करवाया था कि अभियुक्त मुकेश उर्फ ग्यारसीलाल उर्फ गोरख्या व उसकी पुत्री पहाड़ी पर बकरियां चराने जाते हैं। 13 अगस्त को अभियुक्त मुकेश उर्फ ग्यारसीलाल उर्फ गोरख्या ने उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया व पहले भी 5- 7 बार दुष्कर्म कर चुका है। जिस पर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

- 13 अगस्त को एक परिवादी ने मामला दर्ज करवाया था

अस्पताल के दरवाजे पर हुई बुजुर्ग की मौत

अंतिम संस्कार के लिए पैसे नहीं होने पर पत्नी ने बेबसी जताई

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। यह बुजुर्ग बीते एक महीने से अस्पताल परिसर में ही अपनी पत्नी के साथ लावारिस के तौर पर रह रहा था। मौत के बाद पत्नी का कहना है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार कैसे करवाए, क्योंकि उसके पास पैसे भी नहीं है और न हीं वह लोगों को जानती है। इसके साथ ही उसने अपने बेटे पर भी घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया है। इसके बाद जनसहयोग के जरिए अंतिम संस्कार करवाने की तैयारी शुरू की गई।

मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की चौकी के कॉन्स्टेबल राजकुमार स्वामी का कहना है कि बारां जिले के नारेडा निवासी गोपाल यादव और उसकी पत्नी लीलाबाई बीते एक महीने से अस्पताल परिसर में ही लावारिस की तरह रह रहे थे। जैसे-तैसे ही भोजन का जुगाड़ करके यहां पर दिन निकाल रहे थे। गोपाल यादव को टीबी था ऐसे में उसे अस्पताल में कई बार भर्ती भी करवाया गया। अस्पताल में उपचार के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया जाता था। इसके बाद भी वे अस्पताल परिसर को नहीं छोड़ रहे थे। उन्हें अस्पताल परिसर से जाने के लिए भी कहा गया था और आर्थिक मदद की बात भी कही गई थी लेकिन बाद में वह नहीं गए। आज अस्पताल में गेट नंबर चार इमरजेंसी के बाहर गोपाल यादव की मौत हो गई। इसके बाद उसकी पत्नी लीलाबाई ने आकर कहा कि बेटे ने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया था और अब उसके पास अंतिम संस्कार का पैसा भी नहीं है।

- यह बुजुर्ग बीते एक महीने से अस्पताल परिसर में ही अपनी पत्नी के साथ लावारिस के तौर पर रह रहा था

बड़ी मां के सामने बच्ची को बोलेरो कैंपर ने कुचला

बीकानेर, (निसं)। यहां तेज रफ्तार बोलेरो कैंपर ने बड़ी मां के सामने सात साल की बच्ची को रौंद दिया। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। बड़ी मां ने बच्ची के शव के बिखरे चीथड़े देखे तो बेसुध हो गई। बस में मौजूद लोगों ने उसे संभाला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जानकारी ली और बच्ची के शव को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया। हादसे के बाद ड्राइवर बोलेरो कैंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बोलेरो कैंपर की तलाश में जुटी है। मामला खाजूवाला थाना इलाके का है।

एसएचओ सुरेंद्र प्रजापत ने बताया कि खाजूवाला इलाके के 17 केएचएम गांव निवासी मनीषा (7) अपनी बड़ी मां राजू देवी (40) पत्नी मालाराम भील के साथ प्राइवेट बस में खाजूवाला से अपने गांव जा रही थी। राजू देवी मनीषा का हाथ पकड़कर बस के गेट पर खड़ी थी। उन्होंने बताया कि 18 केजेडी नहर चौराहे पर अचानक बस बेकाबू हो गई और मनीषा का हाथ बड़ी मां राजू देवी से छूट गया और वह बस से नीचे सड़क गिर गई। इस दौरान तेज रफ्तार बोलेरो कैंपर ने उसे रौंद डाला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बोलेरो के रौंदने से मासूम के शव के चीथड़े बिखर गए।

एसएचओ ने बताया कि हादसे के बाद बोलेरो कैंपर का ड्राइवर गाड़ी भगा ले गया। पुलिस की टीम आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी भी करवाई है।

- बच्ची के शव के चीथड़े देख बेसुध हो गई महिला, मौके पर मोजूद लोगों ने महिला को संभाला

नशीली टेबलेट के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

सूरतगढ़, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान सोमवार को मेडिकेटेड नशा तस्कर को 160 नशीली टेबलेट के साथ गिरफ्तार किया है।

थाना के उप निरीक्षक ओमप्रकाश मान ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अमृता दुहन के निर्देश पर जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस की ओर से 'ऑपरेशन सीमा संकल्प' अभियान चलाया जा रहा है। इसी को लेकर वे जब थाना स्टाफ के कॉन्स्टेबल हनुमान राम, कुंभाराम, कनीराम, रणजीत सिंह, दिनेश कुमार आदि के साथ गश्त करते हुए सिद्धू वाला से सरदारपुरा बीका गांव की ओर जाने वाली सड़क आम पर पहुंचे तो वहां पुलिस के वाहन को देख एक युवक ने भागने की कोशिश की। संदेह होने पर युवक को जाब्ते की मदद से काबू कर भागने का कारण जाना तो वह घबरा गया। युवक की तलाशी ली तो 160 नशीली टेबलेट ट्रामाडोल बरामद की।

लूणी क्षेत्र में लकड़बग्गों ने दस लोगों को घायल किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती लूणी तहसील के गांवों में पिछले तीन दिन से लकड़बग्गों ने आतंक मचा रखा है। लकड़बग्गों ने अब तक करीब दस लोगों पर हमला कर घायल कर दिया है।

पुलिस और वन विभाग की टीमें लकड़बग्गों के पीछे लगी हुई है। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने दो लकड़बग्गों को मार दिया। तीन-चार और भी आसपास के गांवों में बताए जाते हैं। इनसे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में दहशत बनी हुई है। आज सुबह भी एक व्यक्ति पर लकड़बग्गे ने हमला किया था। वह जख्मी हो गया। ग्रामीण की तरफ से वीडियो बनाकर डाला गया। पहले इनको लेकर ग्रामीणों द्वारा कयास लगाया जा रहा था कि वह अज्ञात जानवर है, मगर धीरे-धीरे स्थिति स्पष्ट होने पर उसका लकड़बग्गे अथवा भेड़िए के होना पता लगा है।

वन्य जीव बचाव दल उड़नदस्ता के अधिकारी गणपत सिंह फॉरेस्टर के अनुसार शिकारपुरा में मृत अवस्था में पाया जानवर भेड़िया अथवा लकड़बग्गा है।

इसके अलावा रविवार रात को काकाणी में मृत अवस्था में भेड़िया मिला था, दोनों को जोधपुर रेस्क्यू सेंटर ले जाया गया है। आज सुबह लूणी नदी क्षेत्र में तीसरा भेड़िया दिखाई दिया है, जिसको सर्च किया जा रहा है। पांच-छह लकड़बग्गा अथवा भेड़िए हो सकते हैं।

- पुलिस और वन विभाग की टीमें लकड़बग्गों को पकड़ने के पीछे लगी हुई है
- सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने दो लकड़बग्गों को मार दिया

हिजाब पहनने को लेकर टोंक के जनाना अस्पताल में डॉक्टर व इंटर्नशिप छात्रा में बहस

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र (जनाना अस्पताल) टोंक में महिला डॉक्टर और इंटर्नशिप कर रही छात्रा में हिजाब को लेकर बहस हो गई, जिसके अन्तर्गत महिला डॉक्टर ने छात्रा को ड्यूटी के दौरान हिजाब नहीं पहनने के लिए कहा तो छात्रा ने धार्मिक आस्था का विषय बताकर हिजाब में ही ड्यूटी करने की बात कही।

मामला शनिवार का है, जिसका रविवार को वीडियो वायरल होने पर मामले का खुलासा हुआ है, जिसमें डॉक्टर कह रही है कि इंजेक्शन लगाने वाले का चेहरा मरीज को दिखना चाहिए, आपको चेहरा दिखाने में दिक्कत है तो काम नहीं करना चाहिए। घटना पर कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी जताते हुए अस्पताल पहुंचकर एमसीएच प्रभारी डॉक्टर विनोद परवेरिया से महिला डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की मांग की। जिस पर डॉ. परवेरिया ने नियमानुसार जांच और उचित कार्यवही का आश्वासन दिया।

इस पर डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि मरीज को किसने इंजेक्शन लगाया, इसकी जानकारी मरीज को होनी चाहिए, रिएक्शन हो गया तो कैसे पता चलेगा कि किसने इंजेक्शन लगाया। हिजाब अस्पताल में नहीं पहना जा सकता है, ऐसा बिल्कुल नहीं चलेगा। चेहरा हर समय साफ दिखना चाहिए, इसे मजहब से न जोड़े।

इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में डॉक्टर बिन्दु गुप्ता के सर्मथन में उतकर भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में जनाना अस्पताल में यूनानी इन्टर्न डाक्टर द्वारा लैबर रूम के अंदर वीडियो बनाकर, बिना पहचान के इलाज करने की जिद करने, डाक्टर्स के लिए निर्धारित वेशभूषा, पहचान हेतु नाम पट्टी नहीं लगाने, किसी महिला की गरिमा के खिलाफ वीडियो बनाने, साम्प्रदायिक शान्ति बिगाड़ने एवं उस वीडियो को वायरल करने के आवश्यक विभागीय व कानूनी कार्रवाई की आज भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मांग की।

भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि टोंक शहर में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ कर धर्म के नाम पर अस्पताल में अव्यवस्था फेलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संबंध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को अवगत कराया है।

भारतीय जनता पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

- महिला डॉक्टर ने छात्रा को ड्यूटी के दौरान हिजाब नहीं पहनने के लिए कहा तो छात्रा ने धार्मिक आस्था का विषय बताकर हिजाब में ही ड्यूटी करने की बात कही
- मामला शनिवार का है, जिसका रविवार को वीडियो वायरल होने पर मामले का खुलासा हुआ

महिला की संदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आया

चिड़ावा, (निसं)। करीब एक महीने पहले पिलानी स्थित एक बैंक की असिस्टेंट मैनेजर संगीता की मौत में अब नया मोड़ आ गया है। इस मामले में मृतका असिस्टेंट मैनेजर की मां ने संगीता के पति और जलदायकर्मी मनोज बराला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि पैसों और संपत्ति की लालच में मनोज बराला ने उसकी बेटी की हत्या कर दी। इससे पहले भी कई बार वह उससे मारपीट कर चुका था। मनोज बराला और उसकी मां-बहनों की प्रताड़ना से उसकी बेटी संगीता प्रताड़ित थी। यही कारण था कि मनोज बराला को तो उसके परिवार ने संपत्ति से बेदखल कर रखा था। दर्ज करवाई गई रिपोर्ट में बताया गया है कि पिचानवां निवासी मनोज के साथ सगीता की शादी 30 नवंबर 2018 को हुई थी। शादी के बाद से ही मनोज की मां और चार बहनें लगातार संगीता को प्रताड़ित कर रही थी। कई बार संगीता घर छोड़कर अपनी मां के पास भी आ गई। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि मनोज बराला उसकी बेटी के सैलेरी, प्रोपर्टी और गोल्ड पर एक करोड़ रूपए का लोन लेने के दबाव बना रहा था। क्योंकि मनोज बराला को सटोरियों को भुगतान करना था। लोन लेकर पैसे ना देने पर जान से मारने की धमकी भी देता था। 23 अप्रेल को भी लगातार मनोज के दबाव के कारण उसकी बेटी संगीता ने एक प्लॉट अपने पैसों का लेकर मनोज के नाम करवाया था।

एफआईआर में मां ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी ने बताया था कि मनोज अकसर गूगल पर ऐसी चीज या दवा को भी सर्च करता था, जिससे किसी की जान चली जाए और पता भी नहीं चल सके। संगीता ने उसे जब ऐसी चीजें सर्च करने के लिए पूछा तो मनोज बहाना बना देता था। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को भी मनोज ने उसकी बेटी संगीता को ऐसी ही कोई चीज या दवा खिलाकर उसकी हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार 25 जुलाई को मृतका संगीता को पिलानी बैंक में ड्यूटी उसका पति मनोज छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान अचानक तबियत बिगड़ जाने के कारण संगीता की मौत हो गई थी। उस दिन भी दाह संस्कार को लेकर ससुराल-पीहर पक्ष में काफी जद्दोजहद हुई थी। इसके बाद संगीता का दाह संस्कार पीहर चिड़ावा में ही किया गया था। संगीता एक निजी बैंक में असिस्टेंट मैनेजर थी, जो पहले चिड़ावा थी। इसके बाद उसका तबादला पिलानी हो गया था।

किसानों का सिंचाई के पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन

अनूपगढ़, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में सोमवार को अनूपगढ़ में किसानों ने एडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। किसानों ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना में सिंचाई पानी की मांग को लेकर एडीएम अशोक सांगवा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

- किसानों ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

किसान नेता सुनील गोदारा ने बताया कि पोंग डैम के केचमेंट एरिया में लगातार बारिश हो रही है। सरकार लाखों क्यूसेक पानी पाकिस्तान भेज रही है। राजस्थान कैनाल में 13 हजार क्यूसेक पानी होने के बावजूद तीन में से केवल एक समूह में नहरें चल रही हैं। अनूपगढ़ क्षेत्र में अत्यधिक तापमान और बारिश न होने से फसलें झुलस रही हैं। किसानों ने आईजीएनपी में चार में से दो समूह में सिंचाई पानी की मांग की है। साथ ही गंगनहर में शेयर के मुताबिक पूरा पानी देने की मांग रखी है। किसान नेता राजू जाट ने कहा कि पोंग डैम को 1410 फीट तक भरा जाए। उन्होंने मांग की कि लिंक चैनल के बजाय गंग कैनाल से क्षेत्र के किसानों को पानी दिया जाए।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

कोटपूतली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर सेवा सप्ताह के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सेवा सप्ताह के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार बंसल के नेतृत्व में सरस्वती आदर्श बालिका विद्या मंदिर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधे लगाये गये। कार्यकर्ताओं ने वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी एवं उनके आदर्शों का स्मरण किया। प्रधानाचार्य मुरलीराम गुर्जर ने अटल बिहारी वाजपेयी के सशक्त, समृद्ध व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनके योगदान को स्मरण करते हुये कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा। भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयराम गुर्जर ने वाजपेयी की विदेश नीति, परमाणु परीक्षण और मजबूत नेतृत्व क्षमता की चर्चा करते हुये कहा कि पोखरण परीक्षण के माध्यम से उन्होंने भारत को परमाणु संपन्न राष्ट्रों की श्रेणी में प्रतिष्ठित किया, जिसकी गूंज पूरे विष्व में सुनाई दी।

खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। बार एसोसिएशन की और से कोर्ट परिसर में आयोज्य तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। अध्यक्ष रूपेश शर्मा ने बताया की एडवोकेटप्रमोद शर्मा, रविकांत शर्मा, सुरेश गोडेश्वर, दीपक खटाना की देखरेख में आयोजित केरिम बोर्ड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दिव्या बागड़ा व काजल शोभानी, द्वितीय रेणु शर्मा व अजीता रही। लूडो में प्रथम स्थान पर सीमा वैष्णव व द्वितीय वर्षा शर्मा व तृतीय संगीता वैष्णव रही। कुर्सी दौड़ में प्रथम स्थान पर कोमल कुमावत, द्वितीय सलोना अगरवाल रही। पुरुष वर्ग केरिम बोर्ड में प्रथम स्थान पर मुकेश टीकर, द्वितीय गोवर्धन सिंह राठौड़ व तृतीय प्रमोद शर्मा एवं पियूष धाभाई बराबर रहे। शतरंज में प्रथम स्थान पर हंसराज बाकोलिया, द्वितीय सुरेश गोडेश्वर व तृतीय स्थान पर शिवा पवार रहे। शतरंज रेफरी किशोरीलाल ने सहयोग किया। इस दौरान एडवोकेट रविकांत शर्मा, पियूष धाभाई, रामसिंह मीणा, कोमल कुमावत सहित कईअधिवक्ता उपस्थित रहे।

नियमित परीक्षार्थियों की परीक्षा मंगलवार से

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी जी महाविद्यालय के स्नातक भूगोल विषय के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के नियमित परीक्षार्थियों की परीक्षा मंगलवार 19 अगस्त से प्रारम्भ होगी। विज्ञान संकाय के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा 21 अगस्त से होना प्रस्तावित है। संबंधित विद्यार्थी महाविद्यालयधविभाग के सूचना पट्ट पर अपनी प्रायोगिक परीक्षा का बैच नम्बर, दिनांक एवं समय देखकर प्रायोगिक परीक्षा के समय उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

खोया पाया

मेरा नाम विजय कुमार जैन पुत्र श्री निर्मल कुमार जैन प्रो. जैना स्टील कॉरपोरेशन जयपुर निवासी फ्लैट नं. 304 पर्ल अवन्तिका सी स्कीम महावीर मार्ग जयपुर का रहने वाला हूँ। मेरे प्लॉट नं. 69 व 98 एवं 302 है। जो कि प्रत्येक 200 गज है। जो रामेश्वर धाम-एन, ग्राम दादनपुरा तह. चाकसू जिला जयपुर में स्थित है। जिसके मूल कागजात (रजिस्ट्री) कहीं रास्ते में गुम हो गये है। अतः किसी को भी मिले तो निम्न नम्बरों पर संपर्क करें। मो. 9829013277, 930901114

मेरे मकान 1/939 मालवीय नगर जयपुर का मूल नियमितीकरण एवं अदैय प्रमाण पत्र संख्या-2514 दिनांकित 06.01.1994, मालवीय नगर में कहीं गिर गए है। मिलने पर सूचित करें-नीलम-7414806738

मेरे मकान नंबर 7-ट-10, जवाहर नगर जयपुर का मूल कब्जापत्र एवं अदैय प्रमाण पत्र जवाहर नगर में कहीं गिर गए हैं। मिलने पर सूचित करें-प्रीति-8107504789

हमारे भूखण्ड सं.B-1 से B-5 एवं B-24 से B-29 तक अमृतपुरी गृ नि.स. समिति की योजना गणपति नगर विस्तार गोल्यावास के मूल कागजात का बेग गुम हो गया जिसे भी मिले इस पते पर लौटाए रणवीर सिंह C-124 डॉ राजेन्द्र प्रसाद नगर जयपुर-9829062194

आवास संख्या 4/117 का मूल कब्जा पत्र गिर/गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें-संजय गुप्ता-9649216000

नम्बर मिलाइए 9587884433

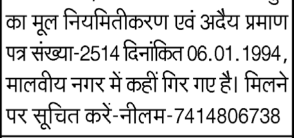

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अलवर कला कॉलेज में डॉ. अंबेडकर की खंडित प्रतिमा का विरोध

- पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ने हथेली काट ली खून से लिखा जय भीम

अलवर । अलवर शहर के बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की खंडित प्रतिमा का विरोध प्रदर्शन करते समय पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ने खुद की हथेली पर कट लगा कर दीवार पर खून से जय भीम लिख दिया । कॉलेज परिसर में पिछले एक साल से प्रतिमा खंडित है। नई प्रतिमा लगाने की मांग करते हुए छात्रों ने प्रदर्शन किया।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुदीप डीगवाल ने बताया कि सुबह छात्रों ने जब प्रतिमा को देखा तो कॉलेज प्रशासन को जानकारी दी। इसके बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थी आट्र्स कॉलेज के अंदर जमा हो गए और नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों की मांग है कि अब खंडित प्रतिमा की जगह अष्टधातु की नई प्रतिमा लगाई जाए। उनका कहना है कि अगर कॉलेज प्रशासन और शासन-प्रशासन ने जल्द ही नई प्रतिमा स्थापित नहीं की तो गांव-गांव से युवा आकर बड़ा आंदोलन करेंगे। 2020 में यह प्रतिमा रातोंरात लगी थी। तब पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुदीप डीगवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। जेल भी जाना पड़ा था। अब उसी छात्र

अलवर शहर के बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की खंडित प्रतिमा का विरोध प्रदर्शन किया।

नेता ने अपने खून से जय भीम लिखा और खंडित प्रतिमा को तुरंत बदलवाने की प्रशासन से मांग की।कला कॉलेज में डॉ भीमराव अंबेडकर की ये प्रतिमा खंडित है। बाएं हाथ पर दरार है। यह प्रतिमा 10 जून 2020 को अचानक रात को लगाई गई थी। उस समय प्रतिमा लगाने के बाद पूर्व छांत्रसंघ अध्यक्ष को गिरफ्तार भी किया गया था। उनको जेल भी जाना पड़ा था। अब उसी छात्र नेता ने अपने खून से जय भीम लिखा और प्रशासन से अष्टधातु प्रतिमा लगाने की मांग की है।

कला कॉलेज में डॉ भीमराव अंबेडकर की ये प्रतिमा खंडित है। बाएं हाथ पर दरार है। यह प्रतिमा 10 जून 2020 को अचानक रात को लगाई गई थी। उस समय प्रतिमा लगाने के बाद पूर्व छांत्रसंघ अध्यक्ष को गिरफ्तार भी किया गया था। उनको जेल भी जाना पड़ा था। अब उसी छात्र नेता ने अपने खून से जय भीम लिखा और प्रशासन से अष्टधातु प्रतिमा लगाने की मांग की है।

इसी बीच पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुदीप डिग्वाल ने अचानक प्रतिमा के नीचे जाकर अपनी हथेली पर ब्लेड से बड़ कट लगा लिया और खून से प्रतिमा के नीचे जय भीम लिखकर विरोध दर्ज कराया। छात्रों ने इसे बाबा साहब के सम्मान की लड़ाई बताया।

छात्रों ने चेतावनी दी है कि उनकी मांग पूरी नहीं होने पर बड़ा आंदोलन होगा। फिलहाल कॉलेज प्रशासन ने उच्च अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत करा दिया है ।

मंदिरों में सजीव झांकियां सजी

पावटा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर कस्बे के मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया। भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं को सुंदर वस्त्र पहनाकर श्रृंगार किया गया तथा लाइटिंग व फूलों से भव्य सजावट की गई।

शाम ढलते ही कृष्ण-कन्हैया के भजन पूरे कस्बे में गूंजने लगे। कस्बे के गोपाल भैया मंदिर, भूतनाथ जोहड़ा धाम, मुरलीधर मंदिर, सीताराम मंदिर, रानी सती मंदिर, हखडेत हनुमान मंदिर, नरसिंह मंदिर सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर विशेष साज-सज्जा की गई और भगवान श्री कृष्ण व भगवान भोले नाथ, रामदरबार की सजीव झांकियों का सुंदर चित्रण किया गया।

घर-घर में भी भक्तों ने श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का श्रृंगार कर झांकियां सजाईं। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्म होते ही मंदिरों में महाआरती का आयोजन हुआ और प्रसाद वितरण किया गया।

:आम सूचना:-

सर्व साणारण सूचित हो की हमारे स्वामित्व का प्लाट न.B-72,त्रिवेणी नगर गौपालपुरा जयपुर, उक्त प्लाट बिकाऊ नही है,अगर कोई भी व्यक्ति,संस्था या दिगर व्यक्ति इस प्लाट को क्रय या विक्रय करता है, तो स्वयं जिम्मेदार होगा! 9001577631

विनोद कवंर पत्नी हिम्मत सिंह
मरुधर कवंर पत्नी श्रवण सिंह

आम सूचना मेरी अभिभाष्या मोहनी देवी गुप्ता पत्नि स्व. श्री घनश्याम लाल गुप्ता निवासी 2/383, सेक्टर-2, न्यू विद्याधर नगर, जयपुर के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरी अभिभाष्या का पुत्र सौरभ गुप्ता एवं उसकी पत्नि अन्तिमा जैन मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं है। ये दोनों आये दिन मेरी अभिभाष्या से अमर्यादित व्यवहार, गाली-गलौच लड़ाई-झगड़ा करते है जो अब मेरी अभिभाष्या के लिये असहनीय हो गया है एवं उनकी इन्हीं हरकतों एवं दुर्व्यहार से परेशान होकर मेरी अभिभाष्या ने अपने पुत्र सौरभ गुप्ता व पुत्रवधु अन्तिमा जैन से सभी सम्बन्ध समाप्त करते हुये उनको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के पश्चात मेरी अभिभाष्या का उक्त पुत्र एवं पुत्रवधु से कोई लेना-देना व सरोकार नहीं रह गया है, उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिये मेरी अभिभाष्या जिम्मेदार नहीं होगी, कोई भी व्यक्ति इनसे संव्यवहार करता है तो वह अपनी रिस्क पर करेगा, सूचित रहें।
दिनांक-18.08.2025 **(अरविन्द सिंह बैस), एडवोकेट** **मो.नं. 9636419170**

आम सूचना

मेरा अभिभाष्य नासिर खान पुत्र श्री फकीर मोहम्मद निवासी- प्लॉट सं. 277, केसर वाटिका, खौ-नागौरियान, जगतपुरा, जयपुर में रहता है। मेरे अभिभाष्य ने आप प्रेषिति शंकर लाल यादव पुत्र श्री लादूराम यादव निवासी- लड़ी वालो की बगीची, आगरा रोड़, घाटगेट, जयपुर, राज. को वर्ष 2005-06 में मेरे अभिभाष्य द्वारा विकसित सोसायटी मित्र गृह निमार्ण समिति लि. जो कि ग्राम खेरवाल, जिला दौसा मे स्थित प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 1000 वर्गगज एवं वर्ष 2007 में फिजा नगर (नांगल बैरसी मेन रोड) में स्थित 3500 वर्गगज जमीन 200/- रू वर्गगज के हिसाब से एवं सुमेर नगर, खैरवाल दौसा में निर्मित नागरिक गृह निमार्ण सहकारी समिति में स्थित 1000 वर्गगज जमीन 400/-रू वर्गगज का बेचान किया गया था। जिसे मेरे अभिभाष्य ने आप प्रेषिति से वर्ष 2010 में उपरोक्त 3500 वर्गगज जमीन पुनः 450/- रूपये प्रति वर्गगज व उपरोक्त वर्णित नागरिक गृह निमार्ण सहकारी समिति में स्थित 1000 वर्गगज जमीन 1000/- रूपये प्रति वर्गगज के अनुसार एवं उपरोक्त वर्णित मित्र गृह निमार्ण समिति लि. मे स्थित 1000 वर्गगज जमीन 6,00,000/- रूपये में क्रय कर ली थी। जिसके संबंध में मेरे अभिभाष्य द्वारा कुल 40,75,000/- रूपये दिनेश कुमार व आप प्रेषिति के बड़े पुत्र के हरते को पूर्णतः अदा कर दिये गये है, जिसकी मेरे अभिभाष्य के पास रिकॉर्डिंग मौजूद है, साथ ही 6,00,000/- रूपये के ऐवज में केसर वाटिका, जगतपुरा, खौ- नागोरियान में स्थित प्लॉट संख्या 246-247 मे से एक प्लॉट आप प्रेषिति के कहे अनुसार अदा कर दिया गया था। इसके पश्चात् मेरा अभिभाष्य आज दिन तक उक्त समस्त जमीन पर काबिज चला आ रहा है। परंतु पूर्व में मेरे अभिभाष्य द्वारा आप प्रेषिति, आपके रिश्तेदार संजय कुमार यादव, अन्य परिवारजनों व आपके स्टाफ के व्यक्तियों के नाम से उपरोक्त वर्णित समस्त जमीन के दिये हुए पट्टे/ दस्तावेज आज दिन तक आप प्रेषिति ने मेरे अभिभाष्य को नहीं लौटाये है। पूर्व में मेरे अभिभाष्य द्वारा आप प्रेषिति व उपरोक्त वर्णित अन्य परिचित व्यक्तियों के नाम से जारी किये गये समस्त पट्टे/ दस्तावेज निरस्त माने जायेंगे। यदि आप प्रषिती द्वारा उक्त पट्टे/ दस्तावेज को किसी अन्य व्यक्ति, फर्म, संस्थान व कंपनी के साथ किसी भी प्रकार का कोई सौदा एवं संव्यवहार किया जाता है तो उसे शुनिकरण माना जायेगा तथा समस्त पट्टे/ दस्तावेज का दुरुपयोग करना निषेध है। सूचित रहे।
भवदीय- (अनिल मोहता) एडवोकेट, मो.नं. 9314021355

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः 1675 **जाहिर आम-सूचना** दि. 17.04.25
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवासीय भूखण्ड संख्या 181/314 (HIG), (एरिया 269.70 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री आदित्य अग्निहोत्री पुत्र श्री एन.एल. अग्निहोत्री को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 14734 दिनांक 13.02.2014 संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 136 दिनांक 09.04.2014 एवं संशोधित आवंटन पत्र 1871 दिनांक 13.06.2014 को जारी किया गया। श्री आदित्य अग्निहोत्री के पक्ष में उक्त आवासीय भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 29.05.2017 को उप पंजीयक- जयपुर- चतुर्थ के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्री आदित्य अग्निहोत्री द्वारा श्री नितिन कुमार जैन पुत्र श्री विमल कुमार जैन को दिनांक 04.02.2022 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री नितिन कुमार जैन द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवासीय भूखण्ड उक्त वर्णित प्लाट में से उत्तरी हिस्सा प्लाट जिसकी माप पूर्व से पश्चिम में 12.40 मीटर तथा उत्तर से दक्षिण 7.258 मीटर कुल 90.00 मीटर को दिनांक 14.12.2023 के द्वारा श्री प्रभुनारायण शर्मा पुत्र श्री सी. आर. शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक- चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री प्रभुनारायण शर्मा द्वारा आवासीय भूखण्ड स. 181/314 क्षेत्रफल 90.00 वर्गमीटर का पंजीकृत क्रय करने पर इनके द्वारा उक्त आवासीय भूखण्ड का उप विभाजन हेतु आवेदन करने पर मुख्य नगर नियोजक महोदय के उप विभाजन आदेश क्रमांक 15 दिनांक 08.04.2024 द्वारा उक्त आवास को तीन भागो में विभाजित कर तीसरा भाग आवासीय भूखण्ड स. 181/314 (उत्तरी) भाग साईज एवं क्षेत्रफल 7.25X12.40= 89.90 वर्ग मीटर के रुप में उप विभाजित किया गया। श्री प्रभुनारायण शर्मा द्वारा आवासीय भूखण्ड स. 181/314 में से उत्तरी हिस्सा प्लाट जिसकी नाम पूर्व से पश्चिम 12.40 वर्ग मीटर तथा उत्तर से दक्षिण 7.258 मीटर कुल क्षेत्रफल 90.00 वर्गमीटर को पंजीकृत विक्रय दिनांक 06.09.2024 को श्री हरिश गेरा पुत्र श्री राम किशन गेरा के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री हरीश गेरा पुत्र श्री राम किशन गेरा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जायेगा। **सम्पदा प्रबन्धक वृत्त- प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर**

आम सूचना दि. 18.08.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री पुनेंदु सिंह पुत्र स्व. श्री यशवीर सिंह, निवासी फ्लेट नं. सी- 912, फ्लोर- 9, शुभ आंगन पुष्प, सी-ब्लॉक, वाटिका, जयपुर- 303905 (राज.) स्वयं की माताजी श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व. श्री यशवीर सिंह के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति आवासीय यूनिट/ फ्लेट नं. C-901, 9th फ्लोर, सी-ब्लॉक, शुभ आंगन पुष्प, प्लाट नम्बर GH-4, पदम वाटिका, ग्राम वाटिका, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर (राज.) जिसका कुल सुपर बिल्टअप एरिया 354 वर्गफीट है जिसे मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल के पुत्र श्री हिमांशु त्यागी पुत्र श्री पूर्नादू सिंह त्यागी तथा मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्री यशवीर सिंह ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण खाता संख्या 627147534 है, मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व. श्री यशवीर सिंह का स्वर्गवास 24.12.2022 को हो चुका है तथा मेरे मुवक्किल के पिताजी श्री यशवीर सिंह पुत्र श्री खचेडू सिंह का स्वर्गवास दिनांक 23.03.2022 को हो चुका है, उक्त श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व. श्री यशवीर सिंह के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में मेरे मुवक्किल श्री पुनेंदु सिंह पुत्र स्व. श्री यशवीर सिंह, श्री संजय कुमार पुत्र स्व. श्री यशवीर सिंह, श्रीमती अलका पत्नी श्री अशोक कुमार पुत्री स्व. श्री यशवीर सिंह तथा श्रीमती प्रीति पत्नी श्री संजीव कुमार पुत्री स्व. श्री यशवीर सिंह है, इनके अलावा स्वर्गीय श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व. श्री यशवीर सिंह का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नहीं है, चूंकि मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल के पुत्र श्री हिमांशु त्यागी पुत्र श्री पूर्नादू सिंह त्यागी तथा मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व. श्री यशवीर सिंह के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ. सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की माताजी अर्थात उक्त श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व. श्री यशवीर सिंह के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी- 25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरूद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट, 6/48, मालवीय नगर, जयपुर-302017, मो.9829218044

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नं.15712897A रैंक LNK सत्यवीर सिंह तोमर निवासी ग्राम नावली, पोस्ट-लाल जीत का पुरा, तहसील-अम्बाह, जिला-मुरैना, मध्य प्रदेश ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकाई में अपनी पत्नी का नाम सरोज तोमर से बदलकर सरोज कर दिया है।

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम Anushka है और पिता का नाम Deepak Choudhary और माता का नाम Sunita Choudhary गलत दर्ज है। मेरा सही नाम Anushka Jhajhria है, पिता का नाम Deepak Chaudhary और माता का नाम Sunita Chaudhary है। पता 66-ए, आनंद नगर, सिरसी रोड, जयपुर

मैं सविता एच जाधव पत्नी JC NO. 779019K रैंक Nb Sub जाधव हणमंत नामदेव निवासी पोसेवाडी, तालुका-खानापुर, जिल्हा-सांगली, महाराष्ट्र-415307 ने अपना नाम सविता एच जाधव से बदलकर संविता हणमंत जाधव कर लिया है शपथ पत्र दिनांक 25.06.2025 खानापूर विटा महाराष्ट्र

मैं आर्मी नं. 15712897A रैंक LNK सत्यवीर सिंह तोमर निवासी ग्राम नावली, पोस्ट-लाल जीत का पुरा, तहसील-अम्बाह, जिला-मुरैना, मध्य प्रदेश ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकाई में अपनी माताजी का नाम उमा देवी से बदलकर उमा बाई और जन्मतिथि 06.07.1972 से बदलकर 01.01.1970 कर दिया है।

मैं वाहिदा बानो पत्नी मो. महमूद खान जाती कायमखानी निवासी मदीना मस्जिद वार्ड नं. 13 चूरू की हूँ यह कि मेरे पुत्र नुमेर खान (NUMER KHAN) का नाम स्कूल कक्षा 8 में भूलवंश नुमेर (NUMER) दर्ज करवा दिया था जो कि गलत है इसका सही नाम नुमेर खान (NUMER KHAN) है तथा स्कूल में यही नाम दर्ज करवाना चाहती हूँ। अब भविष्य में इसे नुमेर खान (NUMER KHAN) के नाम से जाना व पहचाना जावें। वाहिदा बानो

I ic/army no. 153663225H Ex Rect Anand Kumar Gour S/o Dungar singh gaur resident of plot no. 206 AK Gopalan Nagar Khatipura Jaipur that I want change my spouse/dependent name & DOB which is wrongly entered my service record from SAROJ GOURI (DOB 1 July 1970) To SAROJ GOUR (18.01.1969) vide affidavit dated 13 aug. 2025 before district sub majistrate Jaipur city north.

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 04/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम श्रीमति अंजू अग्रवाल पत्नि स्व. दिनेश कुमार अग्रवाल जाति महाजन विवाद स्थान प्लाट नं. 45, राधा-बाग कॉलोनी, चौमूं
मृतक स्व. दिनेश कुमार अग्रवाल की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 12.09.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. दिनेश कुमार अग्रवाल पुत्र राधेश्याम अग्रवाल जाति महाजन निवासी प्लाट नं. 45, राधा-बाग कॉलोनी, चौमूं का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 09 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 13 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-10, जयपुर महानगर द्वितीय मुख्यालय-चौमूं

उत्तराखण्ड में भोनावास का जवान लापता

पावटा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में 5 अगस्त 2025 को बादल फटने की भीषण घटना ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में कोटपुतली बहरोड़ जिले के ठाम भोनावास का जवान भीम सिंह पुत्र महेश सिंह लापता है। जवान भीम सिंह सिंह भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में तैनाती के दौरान 5 अगस्त के बाद से लापता है। पूरा परिवार चिंतित है और जवान की सूचना का इंतजार कर रहा है। इस हादसे में लापता जवान के माता-पिता, भाई सहित पूरा परिवार चिंतित है। जवान भीम सिंह की मां विनोद कंवर हाथों में बेटे की तस्वीर लिए पूरे दिन घर के मुख्य दरवाजे पर नजर गड़ाए ही बैठी हैं। पिछले 12 दिन से गांव में शांति छाई हुई है। गांव में जवान भीम सिंह के घर पर परिजनों को ढांढस बधाने के लिए दिनभर लोगों का ताता लगा रहता है। मां रो-रोकर बुरा हाल है। बूढ़ी मां का रो रोकर बुरा हाल है उसे इंतजार है कि कब अपने लाल की सुखद खबर आए। वही सरपंच प्रतिनिधि संदीप सिंह, हवलदार बृजपाल सिंह,मोनू, अजय सिंह सहित ठामीणों ने एकत्रित होकर सांसद राव राजेंद्र सिंह से जवान को सकुशल ढूंढ कर जल्दी वापस लाने की गुहार लगाई है।

टैक्नीशियन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

टैक्नीशियन कर्मचारियों ने जांचों के निजीकरण पर पुनर्विचार कर निरस्त करवाने की मांग को लेकर अति. जिला कलेक्टर रामरतन सोंकरिया को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

टोंक। अखिल राजस्थान लैबोरेट्री टैक्नीशियन कर्मचारी संघ टोंक के जिलाध्यक्ष भंवरलाल जाट के नेतृत्व में तत्वाधान में टैक्नीशियन कर्मचारियों ने जांचों के निजीकरण पर पुनर्विचार कर इसे निरस्त करवाने की मांग को लेकर अति. जिला कलेक्टर रामरतन सोंकरिया को मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में बताया कि हब एंड स्पोक मॉडल के अंतर्गत जनता को अधिक जांचों की उपलब्धता हेतु सरकार द्वारा निजीकरण के आदेश जारी किए गए हैं, लेकिन पीएचसी से लेकर सीएचसी व कई चिकित्सालयों में अनेकों ऐसी जांचे हैं, जिनके लिए सुपर स्पेशलिटी चिकित्सक तक नही है। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में प्रदेश भर के लैब टेक्नीशियन जांच रिपोर्ट समय पर उपलब्ध करा रहे हैं, जांचों के निजीकरण (हब एंड स्पोक मॉडल) में देने से जांच कराने के बावजूद भी मरीज को इलाज हेतु अनावश्यक रूप से परेशानी का सामना ही करना पड़ेगा। उन्होने बताया कि सरकार की एमएनजेवाई योजना में वृद्धि की जगह हब एंड स्पोक मॉडल में जांचों में दो से तीन गुना वृद्धि होने से उल्टा राज्य सरकार पर ही आर्थिक भार बढ़ेगा जिसका सीधा असर जनता और सरकार पर पड़ेगा।

सेवादल से जुड़ने वाले लोगों से मुलाकात

अलवर । पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के निर्देशन में राजस्थान प्रदेश काँठोस सेवादल के संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत जी एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष योगेश मिश्रा द्वारा जो सेवादल संगठन से जुड़ने वाले इच्छुक लोगों से मुलाकात की।

कांग्रेस प्रवक्ता रिपु दमन गुप्ता ने बताया कि मौजपुर हॉउस पर सेवादल संगठन में जुड़ने के इच्छुक लोगों का सेवादल प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत एवं कांठोस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने संगठन को लेकर साक्षात्कार लेकर बॉयोडाटा लिया।

उन्होंने संगठन को ओर अधिक सशक्त करने के उद्देश्य से समन्वयको की नियुक्ति की, तिजारा में राजेश कृष्ण सिद्ध, किशनगढ़ में डालचंद व जी. एस. नरुका, मुंडावर में धर्मपाल यादव व पुष्पेंद्र कुमार, अलवर शहर में मोहित जैन व तरुण शर्मा, अलवर ठामीण में जमशेद खान व रहमत खान, रामगढ़ में नवीन शर्मा, राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ में जसवंत यादव, थानागाजी में फूलचंद शर्मा व अनवर साजिद खान, कठूमर में हुकुम सिंह को नियुक्त किया है।

हेमसिंह शेखावत एवं योगेश मिश्रा ने सभी समन्वयकों को अपने-अपने प्रभार वाले विधानसभा क्षेत्र में जाकर विधायक, विधायक प्रत्याशी, वरिष्ठ

आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं

भीलवाड़ा । खाकुल देव मंदिर पुजारी के साथ मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी ना होने से नाराज लोग सड़कों पर उतर आए। आसींद कस्बे के मुख्य बाजारों में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित लोग कर नारेबाजी कर रहे हैं। यहां से आगे निकल कर उपखंड कार्यालय के बाहर पहुँच कर जनसभा करेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप चावला ने बताया कि अगर आरोपियों की समय रहते गिरफ्तारी नहीं होगी तो आसींद कस्बे को बंद किया जाएगा और उपखंड कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन कारी लोग फिर आसींद उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देंगे। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व

संजय घीया अध्यक्ष बने

ब्यावर (निसं) श्री खंडेलवाल वैश्य संस्थान के सत्र 2025-2027 के द्विवार्षिक चुनाव व साधारण बैठक खंडेलवाल समाज भवन में रविवार को आयोजित हुई। जिसमें संजय घीया को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, राकेश जी कूलवाल को मंत्री के रूप में चुना गया।

दोनों नवीन पदाधिकारियो ने प्रकाश मेठी को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना।बैठक का शुभारंभ संत सुंदरदास , संत बलराम दास और सरस्वती माता के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात गायत्री मंत्र के उपरांत समाज के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं यथा बजट आदि पर चर्चा हुई।निवर्तमान अध्यक्ष नितिन बड़गोती ने पूरी कार्यकारिणी व समाज को गत दो वर्षों में उनके कार्यकाल के दौरान हुए सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। निवर्तमान मंत्री प्रशांत पाबूवाल ने बैठक का संचालन किया। सभी उपस्थित सदस्यों की सहमति से समाज बंधुओ ने एक और संरक्षक के रूप में राधाकृष्ण जी टोडवाल के नाम के प्रस्ताव का अनुमोदन किया, पूर्व में संरक्षक ओमप्रकाश घीया भी वरिष्ठ संरक्षक के रूप में रहेंगे।साधारण बैठक में सत्यनारायण दुसाद, नितेश कूलवाल, ओमप्रकाश कूलवाल, कपिल बड़गोती, विपुल मामोड़िया, राधेश्याम आमेरिया, श्याम सुंदर डंगायच,राजेंद्र बड़ागोती, अमित कूलवाल, संदीप कूलवाल, अनुज दुसाद, ज्योति प्रकाश बूसर, गोविंद बिहारी कूलवाल, कृष्णगोपाल कूलवाल, रामनिवास कूलवाल, सुदेश खूंटेटा आदि उपस्थित रहे। नवीन पदाधिकारियों को उपर्णा व माला पहनाकर स्वागत किया गया।

टीमों का सर्वे जारी

भीलवाड़ा । राजनीतिक चंदे के मामले में भीलवाड़ा में लगातार आयकर टीमों का सर्वे जारी है। अब एक और टैक्स प्रेक्टिशनगर आयकर के रडार पर आ गया है। सोमवार सुबह चंद्रशेखर आजाद नगर में भागचंद बाकलीवाल के आवास पर टीम पहुंची और कार्यवाही शुरू की। दोपहर तक भी टीम की ओर से कार्यवाही जारी रही। दरअसल जयपुर से आयकर की टीम भीलवाड़ा पहुंची और अपना सर्वे कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई भी बोगस क्लेम और राजनीतिक चंदे को लेकर की जा रही है। भीलवाड़ा इन दिनों वैसे भी बोगस क्लेम और राजनीतिक चंदे में फर्जीवाड़े

लहरिया महोत्सव मनाया

मदनगंज-किशनगढ (निस)। वैष्णव महिला मण्डल द्वारा आजाद नगर स्थित वैष्णव समाज भवन में लहरिया महोत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। अध्यक्ष आशा वैष्णव ने बताया की नृत्य संगीत व सुमधुर भजनो के बिच आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कशिश चतुर्भुजा, द्वितीय मानवी टिलावत, तृतीय वैशाली सुरसुरानंदी रही। चिरमी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विमला लालतुरंगी, द्वितीय गीता दिवाकर, तृतीय शतरूपा चित्रानागा रही। कुर्सी दौड़ में प्रथम उर्मिला टिलावत, द्वितीय चंपा घमंडी, तृतीय सुनीता दिवाकर रही। लहरिया बणी ठणी में प्रथम ज्योति पीपावत, द्वितीय कविता श्याम दामोदरी, तृतीय संगीता दिवाकर रही। एकल नृत्य में प्रथम भव्य टिलावत, द्वितीय ज्योति वैष्णव, तृतीय अवंतिका श्यामदामोदरी रही। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर हौसला बढ़ाया। वयोंवृद्ध लादी टिलावत बुहारु, भगवती घमंडी, गीता देवमुरारी, गीता दिवाकर, सावित्री चित्रानागा, सुवा रामरावली, दुर्गा दिवाकर व रुकमा हरिव्यासी का भी सम्मान किया। अध्यक्ष आशा वैष्णव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

गोवंश के लिए जान का जोखिम बना अस्थाई डंपिंग यार्ड

- डंपिंग यार्ड में गंदगी एवं कचरा डालने से रोका
- पालिका क्षेत्र में जगह-जगह कचरों के ढेर, बीमारियां फैलने का भी अंदेशा

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में कस्बा पावटा गोपाल भैया मंदिर के पीछे नदी बहाव क्षेत्र में स्थित नगरपालिका का अस्थाई डम्पिंग यार्ड जरूरी व्यवस्थाओं के अभाव में एक तरफ गोवंश के लिए जानलेवा स्थान बना हुआ है तो दूसरी ओर क्षेत्र में बसने वाली आबादी के लिए सांस का संकट। पालिका क्षेत्र सहित आस पास गांवों का कूड़ा-करकट और मृत पशु एवं अपशिष्ट तक यहां लाकर डाल दिए जाते हैं। पावटा कस्बा जैसी पुरानी विरासत क्षेत्र में यह अस्थाई डम्पिंग यार्ड जिम्मेदारों की अनदेखी की ज्वलंत मिसाल बन गया है। जहां तक नजर जाती है, बेशुमार प्लास्टिक, मृत पशुओं के शव, खाद्य

गौ रक्षकों व ग्रामीणों ने कचरे की गाड़ियों को वापस लौटाया।

पदार्थों का अपशिष्ट ही दिखता है। दुर्गंध इतनी तीक्ष्ण कि, सांस लेना भी मुश्किल होता है। यहां दिनभर गोवंश मंडराता रहता है। वे प्लास्टिक, होटलों आदि का बचा हुआ बासी भोजन और मृत पशुओं के अवशेष खाकर बीमार हो रहे हैं और काल के गाल में भी समा रहे हैं। इस यार्ड की हालत लंबे समय से बदतर है। यहां चारदीवारी, गेट और निगरानी जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं तक नहीं हैं। डम्पिंग यार्ड में शहर क्षेत्र से मृत पशु भी लाकर खुले में डाल दिए जाते हैं। इनकी सड़न से आसपास दुर्गंध और संक्रमण का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। भोजन की तलाश में भटकता गोवंश, इन सामग्रियों को खाकर बीमार पड़ रहा है। क्षेत्र के गौ रक्षकों व ग्रामीणों ने इस समस्या के स्थाई समाधान को लेकर कई बार अपनी बात नगरपालिका प्रशासन तक पहुंचाई है। लेकिन आज तक समाधान की दिशा में आगे नहीं बढ़ा जा सका है। गौ रक्षकों का कहना है कि इस यार्ड की वजह से गांव का पशुधन मर रहा है और लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। यार्ड में प्लास्टिक और जहरीले कचरे से बड़ी संख्या में गायों की मौत हो रही है। हमने अपनी ओर से प्राथमिक प्रयास किए हैं, लेकिन प्रशासन को स्थाई समाधान करवाना होगा। उन्होंने बताया कि गौ रक्षा के लिए मोहनदास महाराज के सान्निध्य में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया है। वही रविवार को कचरे की गाड़ी खाली करवाने को लेकर वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत व प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के काफी समझाइश के बाद भी गौ रक्षक व ग्रामीण नहीं माने व पालिका की कचरे से भरी हुई गाड़ियों को गौ रक्षकों व ग्रामीणों ने वापस लौटाया।

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक : न.नि.भ./नियमन/2025-26/ **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : ....

योजना विजय नगर, जसवन्त नगर फेज-2, भरतपुर में आवासीय भूखण्ड संख्या 304 क्षेत्रफल 133.73 वर्गगज आराजी खसरा नम्बर 14 रकवा 0.20 एयर में 3/4 हिस्सा में से 1/11 हिस्सा वाके ग्राम श्रीनगर कस्बा भरतपुर में स्थित है। श्री पूरन पुत्र श्री सम्पत जाति जाटव निवासी-नगला हीरादास, भरतपुर ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 27.10.1987 के द्वारा श्री खैमचन्द पुत्र श्री भगवानदास जाति खटीक निवासी मथुरागेट अन्दर, भरतपुर को विक्रय कर दिया। श्री खैमचन्द पुत्र श्री भगवानदास ने उक्त भूखण्ड का मुख्त्यारआम श्री दौलत सिंह पुत्र श्री रामस्वरूप को कर दिया। श्री दौलत सिंह पुत्र श्री रामस्वरूप वाहैसियत मुख्त्यारआम श्री खैमचन्द पुत्र श्री भगवानदास ने जरिये अपंजीकृत इकरारनामा दिनांक 27.06.1997 के द्वारा श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री प्रकाश चन्द जाति जाटव निवासी ग्राम दाहिना गांव तह० रूपवास, जिला भरतपुर को विक्रय कर दिया। आवेदिका श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री प्रकाश चन्द जाति जाटव निवासी ग्राम दाहिना गांव तह० रूपवास, जिला भरतपुर द्वारा उक्त कृषि भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरण पट्टा जारी कराने हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरण पट्टा जारी करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है।

इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद हाल आराजी खसरा नम्बर 14 वाके चक ग्राम श्री नगर कस्बा भरतपुर योजना विजय नगर, जसवन्त नगर फेज-2 भरतपुर भूखण्ड संख्या 304 का आवासीय रूपान्तरण पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

सचिव, नगर निगम, भरतपुर

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(नन्दपुरी रेल्वे अण्डरपास के पास, जगतपुरा, जयपुर)
क्रमांक :- जसअ/2025/172 दिनांकः 14.08.2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 54 से 56/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपर्युक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम ग्रेटर, जयपुर के पंजीकृत निविदाताओं से अधिशाषी अभियन्ता जगतपुरा जोन से संबंधित विकास कार्यो हेतु निविदाए आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व ड़ाउनलोड़ की जा सकती है। उक्त निविदाओं को (sppp.rajasthan.gov.in) पोर्टल पर अपलोड करवा दिया गया है।
UBN NO:- JMC2526WSOB01186 to JMC2526WSOB01188

अधिशाषी अभियन्ता
जगतपुरा जोन
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राज.संवाद/सी/25/8324

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)
E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com
क्रमांक :- जसअ/2025/170 दिनांकः 14.08.2025

निविदा सूचना संख्या 58-60/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम ग्रेटर जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number JMC2526WSOB01183 से JMC2526WSOB001185 है।

अधिशाषी अभियंता
सांगानेर जोन
नगर निगम जयपुर ग्रेटर

राज.संवाद/सी/25/8325

संक्षिप्त

खैरथल में 20 ई-मित्र केन्द्रों जुर्माना

खैरथल । सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की टीम ने उपनिदेशक के निर्देशन में खैरथल नगरपालिका क्षेत्र में संचालित ई-मित्र केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान 20 से अधिक ई-मित्र केन्द्रों पर रेट लिस्ट और को-ब्रांडेड बैनर का चस्पा न होना, ओवरचार्जिंग करना, पहचान पत्र (आई.डी. कार्ड) न पहनना जैसी विभिन्न अनियमितताएं पाई गईं। इन अनियमितताओं पर विभागीय कार्रवाई करते हुए लगभग 20,000 रुपये का दंड (शास्ति) आरोपित किया गया। निरीक्षण दल में महेश यादव, सहायक प्रोग्रामर; विजय कुमार, सहायक प्रोग्रामर; तथा वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, सहायक प्रोग्रामर शामिल थे। उन्होंने बताया गया कि ई-मित्र से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायतें आमजन 181 हेल्पलाइन पर दर्ज करवा सकते हैं।

अन्तिम तिथि 20 अगस्त

कोटपूतली । स्थानीय हंस कॉलेज में प्रथम राजस्थान बटालियन जयपुर के द्वारा संचालित एन.सी.सी. ईकाई भर्ती के फॉर्म भरने की अन्तिम तिथि 20 अगस्त हैं। इच्छुक विद्यार्थी एनसीसी फॉर्म भरकर कॉलेज में जमा करवाये। एनसीसी भर्ती 22 अगस्त शुकवार को महाराजा कॉलेज मैदान जयपुर में सुबह 06:30 बजे होगी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस.के. शर्मा ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने आवेदन फॉर्म भरकर जमा करवाया हैं। उन विधार्थियों को 10 वीं, 12 वीं की अंकतालिका, आधार कार्ड व कॉलेज आई.डी. के साथ महाराजा कॉलेज में उपस्थित होना होगा। एनसीसी अधिकारी लैफ्टिनेंट विजय सिंह ने बताया कि एनसीसी भर्ती में उन्ही विद्यार्थियों को शामिल किया जायेगा। जिन्होंने महाविद्यालय में एनसीसी का आवेदन किया है।

अवैध धारदार हथियार जप्त

फुलेरा । अवैध धारदार हथियार छुर्रा लेकर घूमने व आमजन मे भय का माहौल पैदा करने पर व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फुलेरा थानाधिकारी चंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने अवैध हथियार रखने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए जिले के समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया था, जिसके तहत फुलेरा थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए श्री बैकुन्टधाम बगीची फुलेरा के पास आने जाने वाली रोड़ पर एक व्यक्ति द्वारा अवैध धारदार हथियार छुर्रा लेकर घूमने व आमजन मे भय का माहौल पैदा करने पर रोहित राय (24) पुत्र हरिशंकर जाति कोली निवासी मिश्र कॉलोनी फुलेरा के कब्जे से बिना लाईसेंस के एक अवैध धारदार हथियार छुर्रा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है तथा आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

अलवर शहर में गंदगी मिलने पर अधिकारियों की टीम ने नाराजगी जताई

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन पर सोमवार प्रातः शहर के वार्ड प्रभारी प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आमजन से फीडबैक लेकर नगर निगम की टीम को सफाई व्यवस्था में सुधार हेतु दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आवंटित वार्ड में कचरा पृथक्करण के लिए स्थानीय निवासियों की जागरूकता एवं समझाइश पर भी बल दिया तथा गंदगी मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए सुधार के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर के निर्देशन में शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने आवंटित वार्डों की फील्ड विजिट कर साफ-सफाई व्यवस्था का सघन निरीक्षण किया जिसमें एनईबी व सुभाष नगर, आदर्श कॉलोनी आदि क्षेत्र में वार्ड नंबर 45 से 55 का अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर बीना महावर ने निरीक्षण कर एरिया कैप्टन (सफाई जमादार) को निर्देश दिये कि ऑटो टिपर द्वारा नियमित रूप से डोर टू डोर कचरा एकत्रित किया जावे।

- क्लीन अलवर पोर्टल व कंट्रोल रूम पर कर शिकायत दर्ज कराने के लिए आमजन से की अपील।

अलवर में अधिकारियों की टीम ने भ्रमण कर सफाई का जायजा लिया।

उन्होंने ने निर्देश दिए कि आमजन से समझाइश करें कचरा से ठोगेशन के अनुसार ही ऑटो टिपर में डाले। आमजन से समय-समय पर सफाई व्यवस्था का फीडबैक लेवे तथा फीडबैक के आधार पर सफाई व्यवस्था में सुधार करें वहीं यूआईटी सचिव स्नेहल धींगदे नाना ने वार्ड नंबर 23 से 33 तक का निरीक्षण कर साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अखैपुरा मौहल्ला क्षेत्र के वार्डों में मैन रोड पर साफ-सफाई संतोषजनक मिली तथा गलियों में अपेक्षाकृत कम साफ-सफाई मिली।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र ने वार्ड नंबर 33 से 44 का निरीक्षण किया। उन्होंने अम्बेडकर नगर में नाले की सफाई अपेक्षाकृत कम मिलने पर उन्होंने निर्देश दिये कि नालों में कचरा इकट्ठा नहीं होवे इसके लिए नियमित रूप से नाले व वार्डों की साफ-सफाई करावे। उन्होंने फोन करके ऑटो टिपर की लोकेशन की जांच की। उन्होंने निर्देश दिये कि ऑटो टिपर समयबद्ध रूप से वार्डों में आए।

यूआईटी के उप सचिव सोहन सिंह नरूका द्वारा बुध विहार व विजय नगर क्षेत्र में वार्ड नंबर 1, 10 व 4 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने पर गन्दगी के ढेर मिलने पर उन्होंने एरिया कैप्टन सफाई जमादार को निर्देश दिये कि वार्डों में बार-बार एक ही स्थान पर लोग कचरा डाल रहे हैं उन कचरा पॉइन्टों को स्थाई रूप से खत्म करें तथा सुनिश्चित करें कि लोग वहां पुनः कचरा नहीं डाले। घरों व प्रतिष्ठानों में इकट्ठा होने वाला गीला व सूखा कचरा पृथक करके ही ऑटो टिपर में डाले। उन्होंने घरों व दुकानों में आमजन से बातचीत कर साफ-सफाई का फीडबैक लिया। उन्होंने दुकानदारों से कहा कि दुकानों के बाहर डस्टबिन का उपयोग करें।

उपखण्ड अधिकारी अलवर माधव भारद्वाज ने वार्ड नंबर 12 से 22 का निरीक्षण करने पर जगन्नाथ मंदिर क्षेत्र में नालियों में अपेक्षाकृत कम सफाई मिलने पर उन्होंने निर्देश दिये कि नियमित रूप से नालियों की साफ-सफाई करावे। उन्होंने वार्डवासियों से बातचीत कर कहा कि वार्ड की नियमित रूप से समुचित साफ-सफाई हेतु नगर निगम की टीम से सफाई व्यवस्था से समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग कर ऑटो टिपर में डालकर शहर की सफाई व्यवस्था में सहयोग करें।

वहीं वार्ड नंबर 56 से 65 का प्रशिक्षु आईएएस सुश्री ऐश्वर्यम प्रजापति ने 60 फुट रोड पर कचरा सेठोगेशन के लिए गीला-सूखा कचरा अलग-अलग डालने हेतु जन जागरूकता व समझाइए करने के निर्देश दिये। साथ ही नालियों में जल निकास में भराव की स्थिति, कचरा पॉइंट्स को खत्म कराने एवं वार्ड में समुचित सफाई व्यवस्था के लिए निर्देश दिये।

भाजपा संगठन की मजबूती का आव्हान

फुलेरा । भारतीय जनता पार्टी फुलेरा मण्डल की ओर से समीपवर्ती श्रीदादू पालका भैराना धाम में कार्यकर्ता सम्मेलन एवं गोठ का आयोजन फुलेरा भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रणव अठावाल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष श्योजी राम कुमावत रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि पूर्व पालिकाध्यक्ष रतन राजौरा रहें। मुख्य अतिथि श्योजीराम कुमावत ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती और जन-जन तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने का आव्हान किया। इस अवसर पर महिलाओं व पुरुषों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। भाजपा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष आलोक तिवाड़ी ने संयोजक व संचालक के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष गोविंदसिंह बडगूजर, मनीष गगरानी, कमल शर्मा, राजेंद्र वर्मा, हरगोपाल साहू और विनोद अरोड़ा, महामंत्री संजय वार्ष्णेय व एडवोकेट महेंद्र कुमावत, मंत्री संजू प्रजापत, गीता शर्मा, पूनम कुमावत, दिलीप सुरोलिया, ताराचंद आमेरिया, यादराम जोशी, गिरधारीसिंह शेखावत, मनोहर सिंह, नटवरलाल शर्मा, श्यामलाल सैनी, शेषनारायण सैनी सहित बडी संख्या में पदाधिकारी व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोटपूतली के अनिल कुमार शर्मा को स्टेनों के क्षेत्र में मिला टीचर ऑफ दा ईयर अवार्ड

कोटपूतली । देशभर से शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशिष्ठ योगदान दे रहे करीब 150 से अधिक शिक्षकों एंव शिक्षण संस्थानों का नाम ना केवल हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। बल्कि शिक्षकों को टिचर्स ऑफ दा ईयर अवार्ड 2025 से भी नवाजा गया। कार्यक्रम में विधायक बालमुकुन्दाचार्य व बेस्ट मोटीवेटर कपिल शर्मा सहित देशभर की कई नामचीन हस्तियों ने शिरकत की ।

इस दौरान उन्होंने हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकार्ड्स के चीफ एडीटर अभिषेक सोनी को आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए शिक्षकों को ही राष्ट्र का स्तभं बताते हुए कहा कि एक शिक्षक ही है जो खुद वहीं रहता है लेकिन अपने छात्र के लिए हर वो प्रयास करता है जो उसे बुलन्दियों तक पहुंचाता है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भले ही शिक्षा एक व्यवसाय बनकर रह गया है। लेकिन ऐसे समय में भी हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकोर्ड्स जैसी संस्था ने निस्वार्थ भावी शिक्षकों को तलाश कर उन्हें एक मंच पर लाकर बड़ा ही सराहनीय कार्य किया है। वक्ताओं ने शिक्षकों से अपील की है कि वे शिक्षा को व्यवसाय नही सेवा समझ कर अपना योगदान दें और देश की भावी पीढ़ी

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को लेकर टीचर ऑफ दा ईयर अवार्ड का आयोजन किया गया।

- कोटपूतली के अनिल कुमार शर्मा को अभिषेक सोनी ने सम्मानित किया।
- शिक्षकों से अपील की है कि वे शिक्षा को व्यवसाय नही सेवा समझ कर अपना योगदान दें और देश की भावी पीढ़ी को आगे बढ़ाने में मदद करें।

को आगे बढ़ाने में मदद करें। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस दौरान स्टेनों के क्षेत्र में गरीब व असहाय परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने पर कोटपूतली के लाल कोठी स्थित न्यू स्टेनों इण्डिया स्टेनों ग्राफर इंस्टिट्युट का नाम ना केवल हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। अपितु संस्था के निदेशक वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार शर्मा व मोहम्मद रसीद खान को टीचर ऑफ दो ईयर अवार्ड - 2025 से नवाजा गया। इसी प्रकार देशभर के करीब 150 से अधिक संस्थाओं के निदेशक व साहित्यकार तथा पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया है।

सार-समाचार

बीकानेर में पुराने शहर में 4 घंटे गुल रही बिजली

बीकानेर । पश्चिम के बड़े हिस्से में रविवार की रात बिजली गुल रही। रात 10 बजे बंद हुई बिजली आपूर्ति रात 2 बजे फिर से शुरू हो चुकी। चार घंटे के इस अंतराल में आम आदमी परेशान होता रहा, लेकिन बिजली कंपनी बीकेईएसएल ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। यहां तक कि बिजली बिलों पर दिए गए फोन नंबर 'अमान्य' बताते रहे। बीकेईएसएल के प्रवक्ता अशोक शर्मा ने बताया कि पूगल रोड पर 132 केवी ग्रिड सब स्टेशन पर एक ट्रांसफार्मर में ब्लास्ट के कारण बिजली गुल हुई थी। विद्युत प्रसार निगम के इस ग्रिड सब स्टेशन से बिजली मिलने पर ही शहर में इसकी आपूर्ति की जा सकती है। पूगल रोड सब स्टेशन से बीकानेर पश्चिम के अधिकांश हिस्से को आपूर्ति होती है। ऐसे में मुरलीधर व्यास नगर, जवाहर नगर, अंत्योदय नगर, मुक्ता प्रसाद नगर रोड, जस्सूसर गेट, परकोटे में बसे अधिकांश हिस्से, नत्थूसर गेट सहित बड़े हिस्से में 4 घंटे तक बिजली नहीं रही। शर्मा ने बताया कि प्रसारण निगम ने इस तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए एक घंटे समय बताया था, लेकिन बाद में ये समय बढ़ता ही चला गया। बीच में एक बार बिजली आपूर्ति फिर से शुरू हुई लेकिन एक मिनट बाद ही फिर गुल हो गई। जो फिर से 2 बजे शुरू हो सकी।

महावीर इंटनेशनल केंद्र का स्थापना दिवस मनाया

नोखा । महावीर इंटरनेशनल नोखा केंद्र ने रविवार को अपना 28वां स्थापना दिवस पारख भवन में मनाया। केंद्र चेयरमैन सुरेंद्र कुमार हीरावत की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। नोखा उपखंड अधिकारी गोपाल जांगिड़ ने केंद्र के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि फिजियोथैरेपी सेंटर, वृक्षारोपण और बेबी किट वितरण जैसे कार्य आम जनता को राहत पहुंचाते हैं। महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिलकुमार बांठिया ने अपेक्स बॉडी की जानकारी साझा की। केंद्र चेयरमैन सुरेंद्र कुमार हीरावत ने अपने दो वर्षों के कार्यकाल का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रो. सत्यनारायण राजपुरोहित और अशोक कुमार बैद को नए सदस्य के रूप में शामिल किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के सहयोगी भामाशाहों को सम्मानित किया गया। सीए पंकज चांडक, अनिल जैन और भंवर लाल बुच्चा को सेवा सम्मान मिला।

रेलवे डबल लाइन के लिए 12 गांवों की भूमि अधिग्रहण

टोंक । निवाई में रेलवे डबल लाइन परियोजना के लिए तहसील कार्यालय सभागार में बैठक हुई, बैठक में उपखंड अधिकारी रामकरण सिंह, तहसीलदार नरेश गुर्जर और रेलवे के निर्माण अधीक्षण अभियंता चंद्रशेखर तथा रेलवे के सहायक अभियंता रोहित नगरवाल सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य डबल लाइन के लिए कृषि भूमि के किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया को आगे बढाना था। जिस हेतु ग्रामीण अपनी कृषि भूमि के जमाबंदी सहित अन्य दस्तावेज लेकर बैठक में पहुंचे। रेलवे दोहरीकरण योजना के तहत भूमि आवत अधिनियम 20 और रेलवे भूमि अधिनियम 2008 के अनुसार 12 गांवों की भूमि अधिग्रहित की जाएगी। प्रभावित गांवों में ब्रजलालपुरा, चनानी, महाराजपुरा, चौनपुरा, साजिया, नला, बाढ़ दामोदरपुरा, मुंडिया, खेड़ी मोहनपुरा, बहकावा, आलियाबाद और श्योसिंहपुरा शामिल हैं, इन गांवों के किसानों को रेलवे द्वारा मुआवजा दिया जाएगा।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

बीकानेर । आज सीपीआईएम के जिला कमेटी सदस्य अशोक पुरोहित ने बताया कि आज बिजली उपभोक्ता संघर्ष समिति ने राज्यव्यापी आव्हान के तहत सिटी कोतवाली एईएन कार्यालय पर प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर एईएन के नाम ज्ञापन दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जिला सचिव सुंदरलाल बेनीवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की मिली भगत से निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने तथा उपभोक्ताओं को लूटने की नीयत से सरकार स्मार्ट मीटर लगा रही है जिसका बिजली उपभोक्ता संघर्ष समिति पूरे जिले में विरोध करेगी। प्रदर्शन को द्वारका प्रसाद गहलोत, अश्विनी कुमार सोलंकी, विजय कुमार धवल, शिवरतन मारु, ऋषि पुरोहित, भँवरलाल रावत ने भी सभा को संबोधित किया।

वन्यजीव शिकार की घटनाओं पर आक्रोश

श्रीगंगानगर । जिले के जैतसर क्षेत्र में वन्यजीव शिकार की बढ़ती घटनाओं को लेकर बिश्नोई समाज ने पुलिस थाने में ज्ञापन सौंपा है। श्रीगुरू जम्भेश्वर सेवा समिति के सदस्य और जीव प्रेमी राजेश तेतरवाल के नेतृत्व में समाज के लोग थाने पहुंचे। उन्होंने थानाधिकारी को बताया कि 8 अगस्त को 4 बीपीएम की रोही में शिकारियों ने वन्यजीवों का शिकार करने का प्रयास किया। वन विभाग के अधिकारी और जीव रक्षा के सदस्यों ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की, तो शिकारियों ने धमकियां दीं।

ग्राहकों की संतुष्टि व्यापार वृद्धि का मूल मंत्र : गणपत लाल

जयपुर टेण्ट डीलर्स समिति की ओर से जिले की टेंट एंड इवेंट समिति से जुडे सभी व्यवसाईयों का एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन मयूर परिसर में किया गया।

सांभरझील, (निसं)। जयपुर टेण्ट डीलर्स समिति की ओर से जिले की टेंट एंड इवेंट समिति से जुडे सभी व्यवसाईयों का एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन मयूर परिसर में किया गया। समिति के महामंत्री अनिल शर्मा सहित अनेक पदाधिकारियों ने आने वाले सभी टेंट व्यवसाईयों को व्यापार से जुड़ी हित संबंधी अनेक बातें बताई। इस मौके पर अध्यक्ष गणपत लाल सैनी ने कहा कि की टेंट और इवेंट का एक ऐसा व्यवसाय है जो लोगों की भावनाओं से काफी जुड़ा होता है क्योंकि शादी समारोह एवं अन्य कार्यक्रमों में जब ग्राहकों को हमारी ओर से सेवाएं दी जाती है, तो हमारे कार्य की गुणवत्ता को देखकर जब उनको संतुष्टि मिलती है तो यही हमारे व्यापार बढ़ोतरी का मूल मंत्र होता है। इसके अलावा हमारे कार्य के प्रति समर्पण की भावना और सही समय पर कार्य को प्रदान करना यह सबसे महत्वपूर्ण विषय है जिस पर हमें और अधिक फोकस करना चाहिए। महामंत्री अनिल शर्मा ने कहा कि यह हमारे गौरव का विषय है कि जयपुर टेण्ट डीलर समिति ने अपनी जो पहचान बनाई है उसकी प्रतिष्ठा को और मजबूत करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अनेक रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। मौजूद जनों से पूछे गए रोचक सवालों ने लोगों को गुदगुदाया। तुरंत उत्तर देने वालों को तत्काल मौके पर ही पुरस्कार दिया गया।

- कार्यक्रम में टेंट व्यवसाईयों को व्यापार से जुड़ी हित संबंधी अनेक बातें बताई।
- टेंट और इवेंट का एक ऐसा व्यवसाय है जो लोगों की भावनाओं से काफी जुड़ा होता है क्योंकि शादी समारोह एवं अन्य कार्यक्रमों में जब ग्राहकों को हमारी ओर से सेवाएं दी जाती है, तो हमारे कार्य की गुणवत्ता को देखकर जब उनको संतुष्टि मिलती है तो यही हमारे व्यापार बढ़ोतरी का मूल मंत्र होता है।

इसके पश्चात समिति की तरफ से लक्की ड्रा भी निकला गया जिसमें सांभर के टेंट व इवेंट अध्यक्ष हनुमान लाल कुमावत को प्रथम बंपर पुरस्कार, उपाध्यक्ष वकील सुनील शर्मा को द्वितीय पुरस्कार मिला। इसी प्रकार इवेंट के अब्दुल सईद, प्रद्युम्न सिंघानिया, मुकेश प्रजापति को भी लक्की ड्रा में पुरस्कार प्राप्त हुए तो सांभर के टेंट व्यवसाययों में जबरदस्त खुशी की लहर दौड़ गई। इस मौके पर सांभर टेंट महामंत्री नाथूलाल तंवर, संजय टेलर कार्यक्रम में शामिल खास मेहमान शैलेश माथुर सहित सभी ने जयपुर टेंट डीलर समिति का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे कार्यक्रमों का समय समय पर आयोजन कराने के लिए अपनी तरफ से हर संभव सहयोग का विश्वास दिलाया।

किसान महापड़ाव की चेतावनी

बीकानेर । यहां इंदिरा गांधी नहर से किसानों को सिंचाई के लिए पानी देने की मांग को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट के सामने कांग्रेस नेताओं ने धरना देकर प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस नेता और किसानों ने कलेक्ट्रेट से लेकर संभागीय आयुक्त ऑफिस तक रैली निकाली।

संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने आश्वासन दिया गया कि 21 अगस्त तक किसानों के हक में फैसला होगा। इसके बाद पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा- यदि 21 तक किसानों के हक में फैसला नहीं आता है तो 22 अगस्त से किसानों का महापड़ाव शुरू होगा।

इससे पहले कलेक्ट्रेट के सामने हुए धरना प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश सचिव रामनिवास कूकना ने कहा कि बड़े नेता तो इशारा कर दें, अगर इस सरकार से लड़ना है तो हम लड़ेंगे। सरकार के लाठी और फायरिंग से हम नहीं डरते। जरूरत पड़ने पर हम भगत सिंह भी बन सकते हैं। बीकानेर में किसान चार मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसमें पहली मांग है- इंदिरा गांधी नहर के रेगुलेशन को बदलने की। 12 अगस्त को जारी रेगुलेशन में किसानों को एक बारी पानी दिया गया, जिसके बजाय किसान चार में से दो बारी पानी चाहते हैं।

पोंग डेम का लेवल 1400 फीट तक ले जाया जाए। दरअसल, लेवल कम होने के कारण हरिके बैराज को पानी कम मिलता है और फिर आगे इंदिरा गांधी नहर के किसान को पानी कम मिलता है। हरिके बैराज का पोंड लेवल डीपलीट नहीं करके पाकिस्तान जाने वाले पानी को इंदिरा गांधी नहर में चला जाए। दरअसल, हरिके बैराज में पानी अधिक होने की स्थिति में डेम और नहर को नुकसान होने की आशंका होती है। ऐसे में उसके लेवल को कम किया जाता है ।

वित्तीय साक्षरता शिविरों में बैंक अधिकारी पूर्व तैयारी के साथ आएं : कलेक्टर

टोंक जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने सोमवार को सोनवा ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया।

टोंक। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वित्तीय साक्षरता को लेकर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, इस दौरान जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने सोमवार को सोनवा ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया।

उन्होंने अग्रणी जिला प्रबंधक कल्याण जाखड़ को पूर्व तैयारी के साथ शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि जिस ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाने हैं, वहां के बैंक खातेदारों की संख्या, री केवाईसी से शेष लोगों का डाटा, इसके लिए पूर्व में सूचना एवं लिए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में खाता धारकों को बताया जाएं। जिला कलेक्टर ने आमजन से भी लंबे समय से अक्रियाशील खातों को बंद करने की समझाइश की। उन्होंने साइबर फ्रॉड को लेकर लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

- जिस ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाने हैं, वहां के बैंक खातेदारों की संख्या, री केवाईसी से शेष लोगों का डाटा, इसके लिए पूर्व में सूचना एवं लिए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में खाता धारकों को बताया जाएं। जिला कलेक्टर ने आमजन से भी लंबे समय से अक्रियाशील खातों को बंद करने की समझाइश की।

एलडीएम ने कहा कि शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के तहत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण एवं प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत नये खाते खोले जाएंगे तथा निष्क्रिय खातों के लिए री-केवाईसी की जाएगी। आयोजित शिविर स्थल पर आस-पास के नागरिक पहुंचकर लाभ ले सकते है। शिविर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, एसीईओ ललित कुमार समेत स्थानीय बैंक अधिकारी मौजूद रहे।

ऋण आवेदन के लिए जागरूकता शिविर आयोजित

बीकानेर । राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड द्वारा बीकानेर समाचार पत्र वितरक संघ के सहयोग और संयुक्त तत्वावधान् में अनुसूचित जाति, जनजाति, सफाई कर्मचारी, अन्य पिछडा वर्ग, द्विव्यांगजन वर्ग के आशार्थियों को स्वरोजगार प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं में ऋण देने हेतु आवेदन पत्र वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए जागरूकता एवं एकमुश्त सामाधान योजना के शिविर सोमवार को बीकानेर राजपूत प्रांतीय सभा भवन प्रातः 10 से सांय 5 बजे तक आयोजित हुआ। जागरूकता शिविर में राष्ट्रीय निगम योजना के तहत 101 रजिस्ट्रेशन किए गए।

जागरूकता शिविर में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी, दिव्यांगजन एवं अन्य पिछडा वर्ग के व्यक्तियों के स्वरोजगार हेतु ऋण आवेदन शिविर स्थल पर निःशुल्क ही भरवाये गये, साथ ही जिन ऋणियों के द्वारा पूर्व में लिया गया ऋण चुकता कर दिया गया है, उनको बकाया नहीं है का प्रमाण पत्र जारी किया गया।

कार्यक्रम में परियोजना प्रबंधक कविता स्वामी, सहायक परियोजना प्रबंधक वाजिद खान, बीकानेर समाचार पत्रक वितरक संघ अध्यक्ष पुखराज स्वामी, कोषाध्यक्ष बालेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष भंवरलाल साहू, ओमप्रकाश कुमावत, नवल सिंह, हनुमान गहलोत, संरक्षक सिराजुदीन कोहरी तथा गजेन्द्र सिंह सांखला ने सेवाएं दी। इस दौरान संगीता सेन, लक्ष्मी कुमावत, शांतिदेवी खारोल, सुमन मेहरा, रिया सेन, मनीष गिरी आदि मौजूद रहे।

अगर हमारे फिजियो किसी खिलाड़ी को काम के बोझ के प्रबंधन के लिए कह रहे हैं तो मुझे लगता है कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझते हैं। - चेतन शर्मा

पूर्व भारतीय गेंदबजा, जसप्रीत बुमराह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी सानिया चंडोक

मुंबई की हाई-प्रोफाइल सोसाइटी में नाम सानिया चंडोक इन दिनों खासी चर्चा में है। दरअसल, सानिया भारतीय क्रिकेट के महान दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की मंगेतर हैं। बल्कि इसलिए भी कि वह एक ऐसे कारोबारी घराने से आती हैं जिसकी पहचान भारत के हॉस्पिटैलिटी और फूड इंडस्ट्री में दशकों से स्थापित है। सानिया का परिवार बैकग्राउंड, शिक्षा और खुद के बिजनेस वेंचर उन्हें एक अलग पहचान दिलाते हैं। सानिया चंडोक मुबई के मशहूर घई परिवार से है। उनके नाना रवि इकबाल घई ठाविस हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के चेयरमैन हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में आठ खिताबों (सात वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय) के साथ भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। श्रीलंका छह खिताबों के साथ दूसरी सबसे सफल टीम है।

आज हो सकता है एशिया कप और महिला विश्वकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

मुम्बई 18 अगस्त। अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। इसके अलावा नीतू डेविड की अगुवाई वाली चयन समिति 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला विश्वकप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम चुनेगी।

चयनकर्ता एशिया कप के लिए टीम चुनने के लिए मंगलवार को मुंबई में बैठक करेंगे।ऐसा माना जा रहा और टीम का चयन पारंपरिक ज्ञान और आम उम्मीदों से हटकर हो सकता हैं। ऐसे में इंग्लैंड दौरे में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल हो सकता है।

चयनकर्ताओं से अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की मौजूदा जोड़ी को ही चुनने की उम्मीद है। तीसरे सलामी बल्लेबाज के लिए हमेशा जगह होती है, और गिल का नाम चर्चा होनी तय है, लेकिन यशस्वी जायसवाल इस भूमिका के लिए मजबूत दावेदार हैं।

टीम में अन्य बल्लेबाजों में तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह शामिल हो सकते हैं, एक और बल्लेबाजी स्थान पर अभी फैसला होना बाकी है। शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। जितेश शर्मा के दूसरे विकेटकीपर की जगह लेने की उम्मीद है। एंडरसन-तेंदुलकर श्रृंखला में अपने जोशीले प्रदर्शन से सबसे अधिक विकेट लेने वाले और वर्तमान में देश के चहेते सिराज को जगह पाने में संघर्ष करना पड़ सकता है, क्योंकि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आक्रमण की अगुवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

शुभमन गिल को नहीं मिलेगा एशिया कप के लिए मौका?

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान मंगलवार, 19 अगस्त को होगा। भारतीय टीम में 17 खिलाड़ियो को मौका मिल सकता है। अगर 15 खिलाड़ियों का चयन हुआ तो चयनकर्ताओं को काफी माथापच्ची करनी होगी। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा और विराट

कोहली ने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। वहीं एशिया कप के लिए भारतीय टीम लगभग तय है। केवल 2 स्पॉट के लिए 5 से 6 खिलाडियों के बीच टक्कर है। वहीं शुभमन गिल की वापसी की संभावना नहीं है। श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल की वापसी हो सकती है। इसके अलावा रिंकू सिंह की जगह खतरे में है। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा का टीम में बने रहना लगभग तय है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम में 1 स्पॉट के लिए वाशिंगटन सुंदर और श्रेयस अय्यर में लड़ाई है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को ये तय करना है कि ऑलराउंडर को मौका दिया जाए या विशेषज्ञ बल्लेबाज को। इसी आधार पर सुंदर और श्रेयस में से एक का चयन होगा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, शुभमन गिल की जगह सेलेक्शन कमेटी अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी को ओपनिंग के लिए उतार सकती है। जबकि यशस्वी जायसवाल ओपनिंग के लिए तीसरे विकल्प होंगे। हालांकि, गिल को तभी मौका मिल सकता है अगर कोच गौतम गंभीर उन्हें चुनने के लिए अड़े रहे और अगर ऐसा हुआ तो जायसवाल की छुट्टी पक्की होगी।

अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा में से एक (या दोनों) के लिए जगह मिलने की उम्मीद है। हार्दिक पांड्या, जिन्होंने टी20 विश्व कप में महत्वपूर्ण आखिरी ओवर फेंका था, टीम में दूसरे तेज गेंदबाज होंगे। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और उप-कप्तान अक्षर पटेल, स्पिनर होंगे और वाशिंगटन सुंदर संभावित खिलाड़ी हो सकते है।

महिला विश्वकप के लिए भी कल टीम की घोषणा हो सकती है। अगर हालिया प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम पर नजर डालें तो शीर्ष छह में से चार बल्लेबाजो की जगह बिल्कुल पक्की है। इस सूची में स्मृति मांधना, हरमनप्रीत कौर, जेमिमाह रॉड्रिग्स और ऋचा घोष का नाम शामिल है। पिछले कुछ सीरीज से प्रतिका रावल ने मांधना के साथ भारतीय टीम को काफी अच्छी शुरुआत दिलाई है। उन्होंने 14 पारियों में 703 रन बनाए हैं और औसत 54.07 का रहा है। यह रन उन्होंने 88 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। इसी तरह पिछले साल चोट से वापसी करने के बाद हरलीन देओल ने भी अपने खेल में निरंतरता दिखाई है। उन्होंने दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहले वनडे शतक भी लगाया था।

यास्तिका भाटिया की स्थान की बात करें तो ऋचा घोष के बाद वह भारत की दूसरी विकेटकीपर विकल्प हो सकती हैं। यास्तिका की बल्लेबाजी क्षमता के कारण उनका चयन और भी आसान बन जाता है। यही वजह है कि भारतीय चयन समिति के लिए शेफाली को टीम में सेट करना थोड़ा मुश्किल है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को कई बार साबित किया है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन भी अच्छा था।

अमनजोत कौर भारतीय टीम के लिए अच्छी ऑलराउंडर के रूप में उभरी हैं। इंग्लैंड में जब भारतीय टीम ने टी-20 सीरीज जीती तो अमनजोत को इस्तेमाल दूसरे सीम गेंदबाज के रूप में किया गया। उस सीरीज में उन्होंने 13 ओवर में तीन विकेट लिए और साथ ही नाबाद 63 रनों की शानदार मैच जिताने वाली पारी खेलकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता का भी प्रदर्शन किया। अगर अमनजोत को जगह मिलती है, तो संभव है कि भारत को तीसरे स्पेशलिस्ट सीमर की जरूरत न पड़े। उस स्थिति में, अरुंधति रेड्डी जैसी खिलाड़ी का चयन शायद न हो। उनके बजाय चयनकर्ता शेफाली या एक रिस्ट स्पिनर को टीम में शामिल करने के बारे में सोच सकता है।

अगर विशेषज्ञ स्पिनरों की बात की जाए तो श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज़ में शानदार वापसी करने वाली स्नेह राणा और एन श्री चरणी का नाम शामिल है। इनके साथ दीप्ति शर्मा और राधा यादव भी हैं। वहीं श्रेयंका पाटिल और मिन्नू मणि ऐसे ऑफस्पिन ऑलराउंडर हैं जिन पर चर्चा की जा सकती है।

चोटिल इशान किशन दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर, आकाश दीप को आराम

नई दिल्ली 18 अगस्त। ईस्ट जोन के कप्तान इशान किशन चोट की वजह से दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर हो गए हैं। उनक जगह टीम में ओडिशा के विकेटकीपर आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशन ई-बाइक चलाते हुए चोटिल हो गए थे। इस कारण उनके हाथ में टांके लगाने पड़े। हालांकि किशन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। उम्मीद है कि किशन अगले महीने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले दो चार-दिवसीय मैचों से पहले पूरी तरह ठीक हो जाएंगे। सितंबर में ऑस्ट्रेलिया ए को भारत दौरे पर आना है जहां उनका सामना भारत ए से होगा। फिलहाल किशन बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सेलेंस में मौजूद हैं जहां वह चोट से उबर रहे हैं और उनकी फिटनेस पर ध्यान दिया जा रहा है। किशन के अलावा ईस्ट जोन के लिए पहले मुकाबले में काश दीप भी उपलब्ध नहीं हो पाएंगे, उन्हें भी आराम की सलाह दी गई है। आकाश को कैसी चोट है, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इशान की जगह ईस्ट जोन का कप्तान अभिमन्यु ईश्वरण को बनाया गया है। अब आकाश की जगह असम के मुख्तार हुसैन लेंगे। आकाश हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर गए थे, जहां वह मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट से निगल की वजह से बाहर हो गए थे। हालांकि पांचवें टेस्ट के लिए द ओवल में उन्होंने वापसी की थी जहां उन्होंने बतौर नाइट वॉचमैन दूसरी पारी में करियर का पहला अर्धशतक भी लगाया था। ईस्ट जोन अपने अभियान का आगाज शुभमन गिल की कप्तानी वाली नॉर्थ जोन के खिलाफ 28 अगस्त से करेगा। सभी मुकाबले बेंगलुरु के पास स्थित सेंटर ऑफ एक्सेलेंस में खेले जाएंगे। ईस्ट जोन का उप-कप्तान भारत और असम के ऑलराउंडर रियान पराग को बनाया गया है। इस दल में दो और भारतीय अंतरराष्ट्रीय सितारे मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार है। शमी की वापसी पर सभी की निगाहें रहेंगे क्योंकि पिछले दो साल में शमी ने केवल एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है। ईस्ट जोन टीम इस प्रकार है:- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेटकीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, देनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), रियान पराग (उप-कप्तान), उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जयसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी।

कपिल ने दिलाया पहला स्वर्ण, पुरुष टीम वर्ग में मिले दो रजत

शायमकेंट (कजाकिस्तान) 18 अगस्त। भारत के पिस्टल निशानेबाज कपिल बैंसला ने 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में सोमवार को भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। वहीं टीम स्पर्धा में कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर ने रजत पदक भी जीता। इसके अलावा अनमोल जैन, सौरभ चौधरी और आदित्य मालरा ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया।

बैंसला ने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 सेकंड पीछे छोड़ दिया। कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए।

इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी, जो 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 कम अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे और इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम डूयोन ने भी 582 अंक बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

सरफराज खान ने बल्ले से मचाया तूफान, सेंचुरी ठोक कर एशिया कप से पहले सिलेक्टर्स की बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली, 18 अगस्त। सरफराज खान ने सोमवार को बुची बाबू ट्रॉफी में मुंबई के लिए बेहतरीन शतक जड़ा है। उन्होंने अपनी इस सेंचुरी के दम पर सिलेक्टर्स को परेशानी में डालने का काम किया है। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में नहीं चुने गए जिसके बाद दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टीएनसीए इलेवन के खिलाफ 92 गेंदों में शतक जड़ दिया।सरफराज खान समय बल्लेबाजी करने उतरे उस दौरान मुंबई 98 रन पर 3 विकेट खो चुकी थी। इसके बाद सरफराज ने पारी को संभाला। सरफराज खान 138 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए। सरफराज का ये शतक एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के ऐलान से एक दिन पहले आया है। 19 अगस्त को एशिया कपके लिए भारतीय टीम का ऐलान होना है। वहीं हाल ही में सरफराज खान ने करीब 15 किलो वजन घटाया था और वह चर्चा में आ गए थे।

सैंटोस की करारी हार से टूटे स्टार फुटबॉलर नेमार, बीच मैदान पर फूट-फूटकर रोने लगे

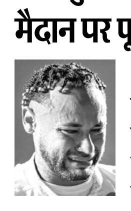

नई दिल्ली, 18 अगस्त। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी जिसके बाद वो टूट गए। इस दौरान वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार झेलनी पड़ी। दूसरे हाफ में 6 में से 5 गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे।इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया। दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलोगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे। लुकास पिटोन के शुरुआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल किए। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोल ने बेहतरी स्कोरलाइन को और मजबूत किया। नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया।

चीन में आयोजित हुआ रोबोड ओलंपिक्स, जहां रोबोट बने मुक्केबाज

नई दिल्ली, 18 अगस्त। चीन पूरी दुनिया में अपनी टेक्नोलॉजी और अनोखे कामों के लिए जाना जाता है। इस कड़ी में चीन में द वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स का आयोजन हुआ। जिसमें 16 देशों की 280 टीमों ने हिस्सा लिया। इस इवेंट में करीब 500 रोबोट्स ने टेबल टेनिस, फुटबॉल, बॉक्सिंग और एथलैटिक्स के कई गेम्स खेले जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी जुटे। वहीं ये आयोजन करीब 4दिन चला और रविवार को इसका समापन हुआ। दरअसल, दुनिया भर में रोबोट्स और आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस को लेकर उत्सुकता है। तेजी से रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और एआई का विकास हो रहा है। वहीं चीन ने इस मामले में भी छलांग लगाते हुए दुनिया को अचरज में डाल दिया है। चीन में हुए इस रोबोट ओलंपिक्स ने पूरी दुनिया को रोमांचित किया है। इस आयोजन को ह्यूमनॉयड रोबोट गेम्स नाम दिया गया है, जिसे रोबोट ओलंपिक्स भी कहा जा रहा है।अक्सर फुटबॉल मैदान पर दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो, मेसी, बेकहम जैसे खिलाड़ियों को गोल करते हुए देखा गया है। लेकिन इस बार चीन में रोबोट्स ने भी फुटबॉल मैच खेला। इस दौरान इनके दांव देखने वालों की भीड़ जमकर तालियां बजाती दिखीं।

जयपुर जिला सीनियर ओपन एवं गर्ल्स चयन शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर, 18 अगस्त। ज़ील चेस अकादमी द्वारा रॉयल जयपुर चेस क्लब एवं जयपुर जिला शतरंज संघ के सहयोग से आयोजित जयपुर जिला सीनियर ओपन एवं गर्ल्स चयन शतरंज प्रतियोगिता का

आयोजन पारिश्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस, मानसरोवर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में वरिष्ठ खिलाड़ियों ने शानदार प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन किया। ओपन वर्ग में अनुज चोमल प्रथम स्थान पर रहे, जबकि ओजस जोशी, मिलिंद गवाडे, गौरांश शर्मा और वीर कुमार क्रमशः द्वितीय से पंचम स्थान पर रहे। गर्ल्स वर्ग में आशी उपाध्याय विजेता रहीं, जिनके बाद नितीशा अग्रवाल, ध्रुवी शर्मा, भावना शर्मा और तारा शर्मा ने स्थान प्राप्त किए। विशेष पुरस्कारों में विरेंद्र नाथ श्रीवास्तव (श्रेष्ठ वेटरन), ऋषि चतुर्वेदी (श्रेष्ठ जेड सीए खिलाड़ी), डॉ. नीरा कटारिया (श्रेष्ठ महिला) और श्रिनिका परवाल (श्रेष्ठसीए गर्ल खिलाड़ी) को सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ग के शीर्ष 4 खिलाड़ी आगामी राज्य सीनियर शतरंज प्रतियोगिता में जयपुर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। पुरस्कार वितरण समारोह में आलोक चतुर्वेदी (प्राचार्य, पारिश्कार कॉलेज), मधु मेहता (कोषाध्यक्ष, जेडीसीए), अशोक चोमल (उपाध्यक्ष, जेडीसीए), तरुण शर्मा (टूर्नामेंट निदेशक) एवं रवि बजाज (निदेशक, रॉयल जयपुर चेस क्लब) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन खिलाड़ियों की प्रतिभा और समर्पण का सम्मान करते हुए गरिमामय वातावरण में हुआ।

बाबर को टी-20 विश्वकप में वापसी के लिए दो क्षेत्रों में करना होगा सुधार : हेसन

कराची, 18 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच माइक हेसन ने कहा है कि अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप में जगह बनाने के लिए बाबर आजम को दो क्षेत्रों, स्पिन का सामना करने और स्ट्राइक रेट के मामले में सुधार करना होगा। हेसन ने सुझाव दिया कि अगर बाबर अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं, तो उन्हें दो अहम क्षेत्रों में सुधार करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पूर्व कप्तान दिसंबर और जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के घरेलू बिग बैश (बीबीएल) टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनके लिए यह मौका खुला रहेगा। हेसन ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि बाबर को स्पिन का सामना करने और स्ट्राइक रेट के मामले में कुछ क्षेत्रों में सुधार करने के लिए कहा गया है। वह इन चीजों पर काफी मेहनत कर रहे हैं। लेकिन इस समय हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, उन्होंने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है।

द. अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित

केर्न्स, 18 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी हैं। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कल से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज के लिए किशोर तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को टीम में शामिल किया है। मफाका ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर 17 खिलाड़ियों की एकदिवसीय टीम में जगह बनाई है।

बीकानेर बना राजस्थान सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता विजेता

भीलवाड़ा, 18 अगस्त। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर महिला फ़ुटबॉल प्रतियोगिता का सम्मान आज वीटी इंटरनेशनल स्कूल फुटबॉल मैदान पर सम्पन्न हुआ राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 16 अगस्त से 18 अगस्त तक चल रही सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम सेमीफाइनल मैच अजमेर वर्सेज झुंझुनू के बीच हुआ अजमेर 3- 0 से विजेता रही द्वितीय सेमीफाइनल मैच बीकानेर वर्सेज सीकर के बीच हुआ जिसमें बीकानेर ने 7- 1 से विजेता रही फाइनल में बीकानेर और अजमेर ने अपनी जगह बनाई है वहीं फाइनल मुकाबले में बीकानेर ने अजमेर को 2 - 1 से मात दे कर फाइनल का खिताब अपने नाम किया समापन समारोह में मुख्य अतिथि अकिन चौधरी विशिष्ट अतिथि प्रहलाद नुवाल कैलाश सोनी संपत कोठारी वही कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने की वही उन्होंने जिला फुटबॉल संघ के सचिव कैलाश चंद्र खटीक को बधाई देते हुए बताया कि प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी 8 सितंबर से अमृतसर पंजाब में आयोजित राष्टीय सीनियर महिला फ़ुटबॉल में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगी प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका योगेश वर्मा शंकर लाल जीनगर लोकेश बुनकर जगदीश बुनकर मिथिलेश मारू भेरू लाल जीनगर किशन गगराई अमर सिंह सेफान छिपा ने निभाई वही राजस्थान फुटबाल संघ के जिला संघों के अध्यक्ष व सचिव गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। महेंद्र सिंह बिजारणियां, रफीक अहमद, दिनेश सिंह, तीर्थ सांगा, शकील अहमद, हरिराम बिश्नोई।

7वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में बालक वर्ग में टोंक एवं बालिका वर्ग में बीकानेर टीम रही विजेता, बालिका वर्ग में जयपुर टीम उपविजेता

जयपुर, 18 अगस्त। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव के अनुसार राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ एवं सीकर जिला बॉल बैडमिंटन संघ के द्वारा 7वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता (बालक एवं बालिका वर्ग) का आयोजन दिनांक 15 अगस्त से 17 अगस्त 2025 तक खंडेला, सीकर में आयोजित किया गया। रविवार को बालक वर्ग में पहला सेमीफइनल मैच में बीकानेर ने सीकर को 35 17, 35-14 पॉइंट्स हराया और दूसरे सेमीफइनल मैच में टोंक ने जोधपुर को 35-23, 35-20 पॉइंट्स से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। बालिका वर्ग मे पहला सेमीफइनल मैच में बीकानेर ने चूरू को 35-26, 35-25 पॉइंट्स से हराया और दूसरे सेमीफइनल मैच में जयपुर ने दौसा को 35-14, 35-10 पॉइंट्स से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। बालक वर्ग के फाइनल मैच में टोंक ने बीकानेर को 35-24, 35-31 पॉइंट्स से हराया और विजेता रहा वही बालिका वर्ग के फाइनल मैच में बीकानेर ने जयपुर टीम को 35-23, 35-14 से हराया और बालिका वर्ग का ख़िताब जीता।

प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम : बालक वर्ग में टोंक प्रथम, बीकानेर द्वितीय, जोधपुर और सीकर तृतीय स्थान पर रहें। बालिका वर्ग में बीकानेर प्रथम, जयपुर द्वितीय, चूरू एवं दौसा तृतीय स्थान पर रहें। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बालिका वर्ग में बीकानेर से अनामिका और बालक वर्ग में टोंक से जयराम जाट रहें एवं सर्वश्रेष्ठ उभरते खिलाडी बालक वर्ग में बीकानेर से पवन एवं बालिका वर्ग में जयपुर की आमना रहीं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि ताराचंद घायल, उप जिला प्रमुख, सीकर, विशिष्ट अतिथि जिला खेल अधिकारी, सीकर प्रकाश राम गोदारा, विद्यालय निदेशक श्रवण कुमार नेहरा रहें। सभी अतिथियों ने समस्त विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा, महासचिव शौकत अली मन्सूरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी, सीनियर महिला 20 ट्रॉफी व अंडर 19 ट्रॉफी

कुणाल सिंह राठौर, सलमान, मुकुल जयदीप सिंह के शतक

जयपुर, 18 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता, सीनियर रणजी ट्रॉफी व अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी, राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता व राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :- आरसीए सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी :- अंतिम दिन का स्कोर

के एल सैनी स्टेडियम - टीम जी पारी 241 आल आउट, टीम एच्पारी 286 /10, टीम जी दूसरी पारी 238/8, टीम के के लिए सलमान खान 131, देवांश 43 रन, टीम एच् के गेंदबाज सम्राट, सिंह, शुभम पटवालप्रत्येक 2 -2 विकेट।

अनंतम ग्राउंड- टीम डी पारी 351 आल आउट, टीम सी पारी 508 आल आउट, टीम के लिए कुणाल सिंह राठौर 107, जयदीप सिंह 115, हेमंत 52, रामनिवास गोलाडा 41, शोभित मिश्रा 41, युवराज सिंह 39 व राहुल 32 रन, टीम डी के गेंदबाज हेमंत कुमार 123/4, नीलेश टांक 97/3 व रामेश्वर लाल 2 विकेट।

सोनी ग्राउंड- टीम बी पारी 342 आल आउट, टीम ए पारी 372 आल आउट, टीम के लिए रोहनराजभर 93, दीपक कड़वासरा 55 रन, टीम बी के गेंदबाज हिमांशु नेहरा 77/4, अशोक शर्मा 100/2 व मो साद 91/3 विकेट।

जयपुरिया ग्राउंड - टीम पारी 519 आल आउट, टीम पारी 306/8, टीम के

लिए मुकुल चौधरी 111, अव्यांश 60, अंकुश 46, सचिन शर्मा 34 रन, टीम के गेंदबाज मोहित, दिव्य प्रताप, प्रद्युमन प्रत्येक 2 -2 विकेट।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता के मैचों का परिणाम- क्वाटर फाइनल मैच

आरसीए अकादमी चित्तोड़ - उदयपुर (चित्तोड़ 39 रन से जीती) चित्तोड़ पारी 97 /9 टीम के लिए सुमित्रा जाट 41 रन उदयपुर की गेंदबाज तमन्ना 20/3, ऋतू व प्रियांशी प्रत्येक 2 -2 विकेट उदयपुर पारी 58 आल आउट चित्तोड़ की गेंदबाज मीनाक्षी 15/3 व अनुष्का 5/2 विकेट

दौसा - झुंझनू मैच (दौसा 16 रन से जीती) दौसा पारी 104/5 टीम के लिए तनिका शर्मा 45 व तनीषा शर्मा 29 रन झुंझनू के गेंदबाज बबिता12/2 विकेट झुंझनू पारी 88 आल आउट टीम के लिए कंचन 17 रन दौसा की गेंदबाज सुमन 9/2 व याना 16/2 विकेट

राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता (दूसरे दिन पाली, टोंक जीती)

टोंक - बारां मैच (टोंक 8 विकेट से जीती) बारां पारी 123 आल आउट टीम के लिए विशेष 34 व तक्षिल 27 रन टोंक के गेंदबाज हादी खान 29/3 व आदित्य वाधवा 22/3 विकेट टोंक पारी 124 / 2 टीम के लिए अनस 56 व आदित्य वाधवा 45 रन

पाली - जैसलमेर पारी (पाली 3 रन से जीती) पाली पारी 214 आल आउट टीम के लिए हर्ष दगडी 79, मनन 40 रन जैसलमेर के गेंदबाज गुलाब सिंह 33 /4 व कुलदीप 45 /3 विकेट जैसलमेर पारी 211 आल आउट टीम के लिए मुदित व्यास 55, आयतुल्लाह 37 व चेतन 34 रन पाली के गेंदबाज अरविंद37 /3, करण 13 /2 विकेट।

राजस्थान में ''वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट'' को बढ़ावा दिया जायेगा-भजनलाल

मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया युनिवर्सिटी गेम्स के जयपुर में आयोजन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये

जयपुर 18 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को खेलों के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए गांवों से लेकर कस्बों तक श्रेष्ठ खेल सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने युवा मामले एवं खेल विभाग के अधिकारियों को ''खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025'' के सफल आयोजन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा मामले एवं खेल विभाग की बजट घोषणाओं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश-प्रदेश से हजारों प्रतिभाशाली खिलाड़ी शिरकत करेंगे।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिये कि इस आयोजन की तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाये तथा श्रेष्ठ सुझावों को समाहित करते हुए आयोजन की रूप रेखा बनाई जाये।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन की तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाए और श्रेष्ठ सुझावों को समाहित करते हुए आयोजन की रूपरेखा बनाई जाए।

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स से पूर्व की समयावधि में प्रदेशभर में पंचायत स्तर तक खेलों का अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए। साथ ही, उपखण्ड एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य में विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने ''वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट'' की अवधारणा के तहत प्रत्येक जिले में एक खेल को विशेष रूप से बढ़ावा देने का फैसला किया है। इससे प्रदेश में अलग-अलग खेलों में बेहतरीन खिलाड़ी तैयार हो सकेंगे। उन्होंने प्रत्येक जिले में खेल विशेषज्ञों को संयोजक के रूप में नियोजित करने के संबंध में कार्यवाही करने के निर्देश दिए जो अपने जिले में प्रतिभाओं को तलाशेंगे। बैठक में युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को युवा मामले एवं खेल विभाग की बजट घोषणाओं और ''खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स- 2025'' की कार्ययोजना की समीक्षा की।

पुतिन ने प्र.मंत्री मोदी को फोन किया

नई दिल्ली, 18 अगस्त। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया। फोन कॉल पर पुतिन ने पीएम मोदी को अलास्का में ट्रंप के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में पुतिन के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन को उनके फोन कॉल और अलास्का में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात के बारे में जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद। भारत ने यूक्रेन विवाद के शांतिपूर्ण समाधान का लगातार आ ान किया है। इस संबंध में सभी प्रयासों का भारत समर्थन करता है। मैं आने वाले दिनों में हमारे निरंतर आदान-प्रदान की आशा करता हूं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक की थी। इस बैठक में यूक्रेन में युद्ध विराम को लेकर चर्चा की गई। हालांकि, इसमें रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति नहीं बनी।यह बैठक ऐसे वक्त में हुई थी जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और अमेरिका के कदम को अन्यायपूर्ण और बेतुका करार दिया था।

■ अलास्का में ट्रंप के साथ हुई वार्ता के बारे में जानकारी दी।

'भारत पर ''डबल पैनल्टी''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिस समय पर यह हुआ है वो भी महत्वपूर्ण है। यह बहस ऐसे समय हो रही है जब राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मास्को के साथ रिश्तों को फिर से आकार देने की कोशिश कर रहे हैं। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी चर्चित बैठक से यूक्रेन को लेकर कोई ठोस नतीजा नहीं निकला, लेकिन ट्रंप ने इन वार्ताओं को ''10/10'' बताया और इसे रणनीतिक बदलाव की दिशा में कदम करार दिया। एक अन्य इंटरव्यू में उन्होंने यहां तक कहा कि वह सेकेंडरी सैंक्शन लगाने में देर कर सकते हैं: ''मुझे इस पर दो या तीन हफ़्तों तक सोचना पड़ सकता है... अगर मैं अभी सेकेंडरी सैंक्शन लगाता हूँ तो यह उनके लिए विनाशकारी होगा।''

ट्रंप ने यहां तक दावा किया कि भारत पर लगाए गए टैरिफ ने रूस को बातचीत के लिए मजबूर किया। उनका कहना था कि रूस को उसके दूसरे सबसे बड़े ग्राहक से वंचित करके वॉशिंगटन ने दबाव बनाया। लेकिन भारत ने इस दावे को नकार दिया और कहा कि रूस से उसका ऊर्जा व्यापार जारी है और मॉस्को का अमेरिका से संपर्क इससे जुड़ा हुआ नहीं है।

भारत के लिए यह दुविधा गंभीर है। एक ओर उसकी ऊर्जा सुरक्षा सस्ते तेल पर निर्भर है, और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल रियायती दरों पर मिल रहा है। दूसरी ओर, अमेरिकी टैरिफ बढ़ते व्यापार, तकनीकी और सुरक्षा सहयोग को नुकसान पहुँचा रहे हैं। खासकर चीन से अलग तरह के बर्ताव ने नई दिल्ली में असंतोष बढ़ा दिया है।

वॉशिंगटन के लिए स्थिति और भी कठिन है। भारत को दंडित करके ट्रंप अपनी सख्ती दिखा सकते हैं, बिना वैश्विक तेल प्रवाह को बाधित किए, लेकिन इससे एक अहम रणनीतिक साझेदार दूर हो सकता है। वहीं, चीन को बख़्शने से वैश्विक कीमतें स्थिर रहती हैं, लेकिन अमेरिकी सैंक्शन नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो जाते हैं।

अंततः, यह नीति सिद्धांत और व्यावहारिकता के बीच फँसी हुई दिखती है। भारत को निशाना बनाकर और चीन को छोड़कर, वॉशिंगटन शायद अल्पकालिक राजनीतिक लक्ष्य हासिल कर ले, लेकिन इससे अपने सबसे अहम सहयोगी के साथ विश्वास कमजोर पड़ सकता है। जैसे ही ट्रंप मॉस्को से नज़दीकियाँ बढ़ा रहे हैं और चीन को सैंक्शन के घेरे से बाहर रख रहे हैं, भारत एक बार फिर दो बड़ी ताक़तों के बीच दबाव में आ गया है, जहां उसकी व्यावहारिकता को तो सज़ा मिल रही है, जबकि दूसरों को छूट।

अशोक गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टडी सर्कल में सक्रिय हैं और गहलोत के क़रीबी माने जाते हैं। ख़बर है कि गहलोत सोनिया गांधी से मुलाक़ात की कोशिश में गहलोत राजीव गांधी फ़ाउंडेशन का सहारा ले रहे हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उनकी यह कोशिश एक बार फिर बेकार साबित हो सकती है। गहलोत के अब भी एआईसीसी में कई दोस्त मौजूद हैं जो उनकी मदद करने को तैयार हैं, लेकिन दुर्भाग्य से सोनिया गांधी और राहुल गांधी उनमें शामिल नहीं हैं।

जर्जर स्कूलों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में शिक्षा मंत्रालय, बाल विकास मंत्रालय, मुख्य सचिव, एसीएस शिक्षा, प्रमुख बाल कल्याण सचिव और राष्ट्रीय बाल आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है था। हाईकोर्ट की एक अन्य एकलपीठ ने स्कूल भवनों के हालातों को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया था।

अलास्का बैठक में ट्रम्प...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुतिन युद्धिवराम और शांति के लिए नहीं मानते उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उन्होंने विश्व स्तर पर कोई द्वितीयक प्रतिबंध लागू नहीं किया है।

अब ट्रंप के पास एक ही विकल्प बचता है, यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की को रूस को पर्याप्त ज़मीनी रियायतें देने के लिए राज़ी करना, जिसमें क्रीमिया और डोनबास क्षेत्र के बड़े हिस्से शामिल हैं।

अगर किसी और वैकल्पिक शांति फॉर्मूले की गुंजाइश नहीं बनती, तो इस पूरी प्रक्रिया के रूसी राष्ट्रपति पुतिन प्रमुख विजेता के रुप में उभरते हैं। अमेरिका अपने पहले के रुख से पीछे हट गया है और लगभग वह सब कुछ मान रहा है जो रूस मांग रहा था। यहाँ तक कि वह यूक्रेन को भविष्य में सुरक्षा गारंटी देने के लिए रूस की सहमति भी चाह रहा है।

इसके बदले में, रूस यूक्रेन के बड़े भू-भाग, क्रीमिया (जो लंबे समय से विवाद का विषय रहा है), और यूक्रेन को स्थायी रूप से नाटो से बाहर रखने की मांग कर रहा है, हालांकि पुतिन को एक ही नुकसान हुआ, वह यूक्रेन की संप्रभु पहचान को पूरी तरह समाप्त नहीं कर सके। उनका मानना था कि यूक्रेन एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में रहने के लायक नहीं है।

कुछ पश्चिमी विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप ने पुतिन को उस स्थिति में भी इनाम दे दिया, जब उन्होंने अमेरिकी युद्धिवराम और शांति की समयसीमा को स्वीकार नहीं किया।

भले ही यूक्रेन में शांति स्थापित हो जाए, यह देखना बाकी है कि भारत-अमेरिका संबंधों को पहले जैसे सौहार्दपूर्ण स्तर पर कैसे लौटाया जा सकता है। यदि शांति समझौता होता है, तो भारत पर लगाए गए द्वितीयक प्रतिबंध निश्चित रूप से हटा लिए जाएंगे, लेकिन दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध - खासकर मोदी और ट्रंप के बीच कथित व्यक्तिगत संबंध - शायद ही पूरी तरह से बहाल हो पाएंगे। यूक्रेन में शांति के लिए भारत को कीमत चुकानी पड़ सकती है। लेकिन शायद यह कीमत वैश्विक मंच पर एक उच्च स्थिति प्राप्त करने के लिए चुकाना उचित कदम हो।

रिटायर्ड कैप्टन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्सप्रेस-हाईवे अंडरपास के पास कार रोकी। लोगों ने गांधी पथ क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई और नियमित जांच की मांग की है।

लोगों ने कार की फोटो खींचकर पुलिस को भेजी थी। इस आधार पर नंबर ट्रेस कर मालिक की पहचान की गई।

इण्डिया गठबन्धन मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक लोकसभा सांसद ने कहा, ''प्रस्ताव पारित होता है या नहीं, उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपना विरोध दर्ज कराएं।

सी ई सी सवालों का जवाब देने के बजाय विपक्ष पर उंगली उठा रहे हैं।'' इस बीच, राहुल गांधी ने आज कहा कि मतदाता सूचियों की पूनरीक्षण प्रक्रिया ''वोट चोरी'' का एक ''नया हथियार'' है और उन्होंने ''एक व्यक्ति, एक वोट'' के सिद्धांत की रक्षा करने का संकल्प लिया।

उन्होंने यह टिप्पणी अपने वॉट्सऐप चैनल पर एक पोस्ट में की, जहाँ उन्होंने उन लोगों से अपनी मुलाकात का ज़िक्र किया जिन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में मतदान किया था लेकिन बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान उनके नाम सूची से हटा दिए गए। कांग्रेस नेता ने रविवार को बिहार के सासाराम में अपनी वोट अधिकार यात्रा के शुभारंभ के दौरान इस समूह से मुलाकात की।

उन्होंने हिंदी में पोस्ट करते हुए लिखा, एस आई आ '' वोट चोरी का नया हथियार है। संयोग से, इस तस्वीर में मेरे साथ खड़े ये लोग इस चोरी के जीते-जागते सबूत हैं।''

उन्होंने कहा, ''इन सभी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया था - लेकिन जब बिहार विधानसभा चुनाव आए, तो इनके नाम, इनकी पहचान, इनका अस्तित्व भारतीय लोकतंत्र से मिटा दिया गया।''

उन्होंने पूछा, ''क्या आप जानते हैं ये लोग कौन हैं? ये हैं - राज मोहन सिंह (70); किसान और सेवानिवृत्त सैनिक उमरावती देवी (35); दलित और मजदूर; धनंजय कुमार बिंद (30); पिछड़ा वर्ग और मजदूर; सीता देवी (45); महिला और पूर्व मनरेगा मजदूर; राजू देवी (55); पिछड़ा वर्ग और मजदूर मोहम्मद अंसारी (52); अल्पसंख्यक और मजदूर''।

राहुल गांधी ने कहा, ''भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत इन्हें बहुजन और गरीब होने की सजा दे रही है - यहाँ तक कि हमारे सैनिकों को भी नहीं बख्शा है।

उन्होंने कहा, ''अब इनके पास न तो वोट होगा, न पहचान और न ही अधिकार।''

सामाजिक भेदभाव और बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण वे व्यवस्था की साजिश के खिलाफ लड़ने में असमर्थ हैं।

हम यहां उनके साथ खड़े हैं ताकि एक व्यक्ति, एक वोट के सबसे बुनियादी अधिकार की रक्षा कर सकें।''

राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश सहनी ने बिहार के औरंगाबाद में देवकुंड सूर्य मंदिर में पूजा की, जब उनकी वोट अधिकार यात्रा अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर रही थी।

कटुंबा से यात्रा शुरू होकर यह सोमवार शाम गया पहुंचेगी। यह यात्रा 16 दिन बाद एक सितंबर को पटना में एक रैली के साथ समाप्त होगी यह यात्रा पैदल और वाहन दोनों माध्यमों से हाइब्रिड मोड में की जा रही है, ठीक वैसे ही जैसे लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की थी।

यात्रा औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, छपरा और आरा से गुजरेगी। रविवार को, ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के अन्य सदस्यों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और राहुल को दो विकल्पों की बात दोहराई।

आपको या तो शपथपत्र देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। तीसरा कोई विकल्प नहीं है।

यदि सात दिनों के भीतर शपथपत्र नहीं दिया गया, तो इसका मतलब है कि आरोप निराधार हैं, कुमार ने कहा 7 अगस्त को, राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक लोकसभा सीट के अंतर्गत एक विधानसभा क्षेत्र से एकत्रित आंकड़ों के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश की थी कि कैसे मतदाता सूची में हेरफेर की जा रही है उन्होंने कहा इसका उद्देश्य भाजपा को फायदा पहुंचाना बताया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908